फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 253 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 17 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Sweating Locals For A Colonial Comfort

"You have the punkah in motion all day and all night somewhere, and for this purpose, you must have two men to relieve each other. When you go to bed … you are fanned to sleep."

Killing Colonial Forest Policies

The Environmental Legacy of British Colonial Rule in India: A Lasting Impact on Wildlife and Ecosystems

सरकार अभी भी छोटी कमज़ोर पार्टियों की तलाश में जुटी है

मकसद है, इन पार्टियों को तोड़ कर किसी तरह, दो तिहाई वोट इकट्ठे किये जा सकें, जिससे संविधान संशोधन विधेयक पारित किया जा सके

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सरकार को कुल 251 वोट मिले थे, विधेयक पेश करते समय तथा 290 वोट चाहिए, दो तिहाई बहुमत पाने के लिए। अतः फर्क इतना अधिक है कि यह संभावना बहुत कम है कि विपक्ष को तोड़ कर संविधान संशोधन विधेयक पारित करवाया जा सके।
- इस क्षीण संभावना के बावजूद सरकार, संविधान संशोधन विधेयक को वापस लेने के विकल्प के बारे में कतई सोच ही नहीं रही।
- अतः, सरकार को महिला आरक्षण विधेयक का पारित न होना स्वीकार है, पर, वापस लेना स्वीकार नहीं। इसलिए छोटी-छोटी पार्टियों को तोड़ने का प्रयास जारी है।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। लोकसभा में चल रही तीखी और उच्च-स्तरीय बहस के बीच, जहां विपक्ष ने मिलकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर चुनाव जीतने के उद्देश्य से लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाते हुए कड़ा हमला किया, वहीं सरकार के मुख्य रणनीतिकार पर्दे के पीछे संख्या जुटाने में लगे हुए थे, ताकि दो-तिहाई बहुमत हासिल किया जा सके, जो फिलहाल सरकार के लिए मुश्किल साबित हो रहा है।

लोकसभा में मतदान कल शाम 4 बजे के लिए तय किया गया है, क्योंकि सदन आज देर तक चल रहा है।

सत्तारूढ़ दल के गृह मंत्री, जिन्हें दलों को तोड़ने वाले, और मुख्य चुनाव प्रबंधक व रणनीतिकार के रूप में देखा जाता है, विपक्ष की कमज़ोर कड़ियों पर नज़र रखते हुए संख्या जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन, संख्या का अंतर काफी बड़ा है और विपक्ष के लिए भाजपा की मदद करते हुए दिखना आसान नहीं है।

चंद्रबाबू नायडू जैसे नेता को भी आंध्र प्रदेश में बड़ी राजनीतिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, खासकर तब, जब पूरा दक्षिण भारत एक तरफ हो और वे दूसरी तरफ खड़े दिखें।

सवाल यह भी उठता है कि क्या उनका समर्थन बड़े आर्थिक लाभ की उम्मीद में है, जो उन्हें भाजपा से मिल सकता है, या इसके पीछे कोई और कारण है, इसका जवाब केवल नायडू ही दे सकते हैं।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला आरक्षण बिल में ओबीसी कोटा की अनदेखी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को 2026 की जाति जनगणना के आधार पर परिसीमन करने की मांग की, न कि पुराने आंकड़ों के आधार पर, जिनमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को उनका हिस्सा नहीं मिल पाएगा।

उन्होंने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने में

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद के बाहर पत्रकारों से वार्ता में कहा, हम महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं, पर, पिछड़े वर्गों के अधिकारों का हनन नहीं होने देंगे

सरकार का पूरा समर्थन करेगी, लेकिन पिछड़े वर्गों, दक्षिणी राज्यों और पूर्वोत्तर सहित, छोटे राज्यों के अधिकारों से वंचित करने के किसी भी प्रयास का विरोध करेगी।

राहुल ने बताया कि सरकार 2011 की जनगणना पर जोर दे रही है, जिसमें ओबीसी से संबंधित कोई आंकड़ा है ही नहीं, और इससे उन्हें लोकसभा और विधानसभाओं में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने का कारण समझाया

"महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का पुरूषों व किसी भी राज्य पर फर्क नहीं पड़े, इसके लिए लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर 815 करना ही पड़ेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- "और, लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए नए ढंग से परिसीमन करना जरुरी है।"
- पर, विपक्ष, प्र.मंत्री के तर्क को इतना तो स्वीकार करता है कि नए सिरे से सीटों का परिसीमन भी जरूरी है। पर, विपक्ष ने यह खामी निकाली है कि परिसीमन नई जनगणना के बाद होना चाहिए। क्योंकि, नये सैंसस में पहली बार निर्धारित हो पाएगा कि देश में ओबीसी की संख्या कितनी है, क्योंकि नये सैंसस में पहली बार, जातिगत जनगणना होगी और पहली बार आंकड़ा सामने आएगा कि देश में कितनी जातियाँ है और तब परिसीमन कराना उचित होगा, क्योंकि तभी पूरी तरह से मालूम होगा कि किस चुनाव क्षेत्र में कितने बैकवर्ड हैं, आदि, आदि।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र में, केन्द्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया, जो चल रहे विशेष सत्र के दौरान एक महत्वपूर्ण विधायी कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण के महत्व पर बात की।

मोदी ने कहा, "जब से हमारे देश में महिला आरक्षण पर चर्चा शुरू हुई है और जब भी चुनाव हुए हैं, महिलाओं को लाभ देने का विरोध करने वालों को देश की महिलाओं ने कभी माफ नहीं किया।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत लोकतंत्र की जननी है। विकास की इस यात्रा में हमें एक नया आयाम जोड़ने का पवित्र अवसर मिला है।"

उन्होंने आगे कहा, "हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें देश की आधी आबादी को राष्ट्र निर्माण की निर्णय प्रक्रिया में शामिल करने का अवसर मिला है।"

कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने प्रस्तावित संविधान (एक सौ इकत्तीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 प्रस्तुत कर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने परिसीमन विधेयक, 2026 भी पेश किया, जिससे विधायी निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करने पर चर्चा का मार्ग प्रशस्त हुआ

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़कर 815 हो जाएगी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश के उदाहरण से चौकन्ने हो गए हैं चंद्रबाबू नायडू

चंद्रबाबू नायडू ने न केवल अपने बेटे नारा लोकेश को टीडीपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया, बल्कि संगठन में भी भारी बदलाव किया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चंद्रबाबू ने सभी प्रमुख पदों पर अपने व अपने पुत्र के विश्वस्तों को नियुक्ति दी है तथा वरिष्ठ नेताओं को कम महत्व के पद दिए हैं।
- नीतीश राज्यसभा में चले गए हैं, उनके पुत्र हाल ही में राजनीति में आए हैं, और इन हालात में जद (यू) के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया है परन्तु चंद्रबाबू नायडू टीडीपी में यह हालात नहीं चाहते हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है, सिर्फ वे ही क्षेत्रीय दल, बड़े दलों के विस्तारवाद से खुद को बचा पाए हैं, जिन्होंने समय रहते ठोस उत्तराधिकार योजना बनाली थी, जैसे बिहार में राजद, तमिलनाडु में द्रमुक, यूपी में सपा और जिन दलों ने ऐसा नहीं किया, वे कमज़ोर हो गए हैं।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के हटने के कुछ ही दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा अपने बेटे नारा लोकेश को टीडीपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाना और संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव करना कोई संयोग नहीं है। यह कदम पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव लाने की दिशा में उठाया गया है।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने जेडीयू के भविष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी है। उनके बेटे निशांत हाल ही में राजनीति में आए हैं और अभी अनुभव हासिल कर रहे हैं। यह भी चर्चा का विषय है कि क्या वे अपने पिता की जगह ले पाएंगे। फिलहाल जेडीयू का संचालन कई वरिष्ठ नेताओं, राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह, संजय कुमार झा, विजय कुमार चौधरी सहित, अन्य दिग्गज नेताओं द्वारा किया जा रहा है।

बिहार में जेडीयू के सहयोगी दल भाजपा पर अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि वह अपने क्षेत्रीय सहयोगियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस और ईरान से तेल खरीदने की छूट नहीं बढ़ाएगा अमेरिका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि उसने ईरान व रूस से तेल खरीदने की जो छूट दी थी, उसका नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। भारत इन छूटों का एक बड़ा

- अमेरिका के ट्रेज़री सैक्रेटरी स्कॉट बेसैंट ने कहा, 11 मार्च से पहले जो तेल जहाजों पर लद चुका था, सिर्फ उसे बेचने की अनुमति थी, वो सारा तेल अब बिक चुका है।

लाभार्थी रहा है, क्योंकि इनके चलते नई दिल्ली को होर्मुज़ स्ट्रेट के आसपास उत्पन्न व्यवधानों के बीच रूसी तेल की खरीद जारी रखने की अनुमति मिली थी।

ट्रेज़री सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक तरफ ट्रंप वार्ता पुन: शुरु कराने के फायदे गिनाते-गिनाते थक गए हैं

दूसरी ओर उसके मंत्रिगण (सचिव लोग) ईरान को डराने-धमकाने का मौका खाली नहीं छोड़ते

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अमेरिका के सैक्रेटरी ऑफ वॉर, पीट हेगसेथ ने ईरान को चेतावनी दी कि ईरान चुपचाप वार्ता करने टेबल पर आ जाए, अन्यथा अमेरिका की बमबारी ईरान में पहली बार से ज्यादा तबाही मचा देगी।
- हेगसेथ ने यह कहा कि अमेरिका का "ब्लॉकेड" पूर्णतया सफल रहा है तथा अमेरिकी जहाजों ने चेतावनी प्रसारित की है कि अगर कोई जहाज ब्लॉकेड तोड़ कर निकलने की कोशिश करेगा तो अमेरिकी नौ सैनिक उन जहाजों पर जबरन चढ़कर तलाशी लेंगे।
- अमेरिका की शायद अब यह रणनीति है कि ईरान पर इतनी बमबारी करो कि ईरान की जनता तंग आकर ईरान की सरकार के खिलाफ बगावत कर दे, युद्ध समाप्त करवाने के लिए।
- ईरान का स्टैण्ड, पश्चिमी देशों की इस सोच से काफी भिन्न है और वह भूखे पेट भी लड़ने को, मारने को तैयार है।
- यह कुर्बानी की परम्परा पाश्चात्य सोच को अटपटी लगती है, जिसका उन्हें कोई जवाब नहीं दिखता।

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध के समाधान के लिए वार्ता फिर शुरू करने की बात कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच दोनों पक्ष फिर से टकराव की धमकी भी दे रहे हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए वार्ता की मेज पर आने को कहा है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो पहले से भी अधिक कठोर हमले किए जाएंगे। हेगसेथ ने दावा किया कि नाकाबंदी प्रभावी रही है और इसने ईरानी बंदरगाहों से जहाजों की आवाजाही को रोक दिया है।

हेगसेथ ने यह भी कहा कि जो जहाज अमेरिकी नाकाबंदी का पालन नहीं करेंगे, उन्हें "रोका" जा सकता है, जिसका मतलब है कि अमेरिकी सेना उन जहाजों पर चढ़कर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर सकती है। अब तक कई जहाज अमेरिकी नौसेना की इस चेतावनी के बाद वापस लौट चुके हैं।

दूसरी ओर, ईरान अपने रुख से पीछे हटता नज़र नहीं आ रहा है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव आयोग को अफसरों के तबादले का हक है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों की तैयारी के दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने जोर

- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की सत्ता की पुष्टि की और आयोग द्वारा अफसरों के तबादले करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी।

देकर कहा कि याचिका को खारिज किए जाने के बावजूद, इसमें उठाए गए कानूनी प्रश्न भविष्य में विचार के लिए खुले रहेंगे।

यह निर्णय कलकत्ता हाई कोर्ट के पहले के उस आदेश के बाद आया है, जिसमें इन तबादलों को सही ठहराया गया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होने हैं, जबकि मतगणना 4 मई को निर्धारित है।

कर्मचारी चयन बोर्ड की लेटलतीफी से 415 लोगों की नौकरियां अटकीं

कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने कर्मचारी चयन बोर्ड के ? सचिव को कई बार पत्र लिखकर "कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2024" का संशोधित परिणाम जारी करने की मांग की है

-कार्यालय संवाददाता-

- विभाग के मंत्री ने भी 9 अप्रैल को विभागीय बैठक में भर्ती प्रकरणों की देरी पर नाराज़गी जताई थी, पर, इसके बावजूद भी कुछ नहीं हुआ।

जयपुर, 16 अप्रेल। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की लेटलतीफी के कारण 415 लोगों की नौकरियां अटकी हुई हैं। दरअसल "कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2024" भर्ती में 35 अभ्यर्थी अपात्र पाए गए थे, जिसके बाद प्राविधिक शिक्षा निदेशालय जोधपुर ने 4 अप्रैल 2026 को पत्र लिखकर संशोधित परीक्षा परिणाम जारी करने का अनुरोध किया था, लेकिन करीब 12 दिन बीतने के बावजूद यह परिणाम जारी नहीं हो सका।

अब कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव नरेश गोकलानी ने 15 अप्रैल को राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को पत्र लिखकर इस परीक्षा का परिणाम तत्काल जारी करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा कि "कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2024" भर्ती में 380 अभ्यर्थियों ने विकल्प प्रस्तुत करके ऐच्छिक व्यवसाय/विषय का चयन किया और काउंसलिंग में भाग लेकर अन्य पदों पर नियुक्तियां प्राप्त कर ली हैं। ऐसे में इन अभ्यर्थियों द्वारा अन्य व्यवसाय/विषय चुनने के कारण भी जो पद खाली हुए हैं, उन्हें भरने के लिए नए अभ्यर्थियों का चयन करते हुए बोर्ड की अनुशंसा भेजे जाने का अनुरोध पूर्व में किया गया था, लेकिन आज दिन तक यह काम नहीं हुआ।

पत्र में लिखा गया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड "कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2024" भर्ती परीक्षा का संशोधित परिणाम शीघ्र जारी करें, जिससे अपात्र पाए गए 35 लोगों की जगह भी नए लोगों को नौकरी मिल सके। इसके साथ ही अन्य विषय/व्यवसाय चुनने वाले अभ्यर्थियों के कारण भी जो 380 पद रिक्त रह गए है, उन्हें भरने के लिए नए 380 चयनित अभ्यर्थियों के नाम भेजे जाएं, ताकि पात्र लोगों को नौकरी मिल सके।

पत्र में लिखा गया कि मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ ने भी गत 9 अप्रैल को विभागीय बैठक में भर्ती प्रकरणों की देरी पर नाराजगी जताई थी। हैरानी की बात है कि मंत्री की नाराजगी के बावजूद, राज्य कर्मचारी चयन आयोग इस पूरे प्रकरण को दबाए बैठा है। सूत्रों का कहना है कि राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के चेयरमैन सोशल मीडिया "एक्स" पर टिप्पणियां और पोस्ट साझा करने में मशगूल रहते हैं, लेकिन उनके विभाग की लापरवाही से 415 पात्र लोगों की नौकरियां अटकी हुई हैं, क्योंकि वे उसके लिए नए चयनित अभ्यर्थियों के नामों की अनुशंसा नहीं कर रहे हैं। जबकि कौशल उद्यमिता विभाग और प्राविधिक शिक्षा निदेशालय जोधपुर ने उन्हें कई बार पत्र लिखकर इस संबंध में कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

स्टालिन ने परिसीमन विधेयक की प्रतियां जलाई

नामक्कल, 16 अप्रैल। द्रमुक प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आज परिसीमन विधेयक, 2026 की प्रतियां जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया है। संसद का विशेष सत्र आज शुरू हो रहा है। इस सत्र में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण विधेयक और परिसीमन विधेयक, 2026 पेश किया जाना है।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को विपक्षी दलों ने पूरा समर्थन दिया है, लेकिन परिसीमन विधेयक का कड़ा विरोध किया है। खास तौर पर, इस विधेयक के खिलाफ

- उन्होंने पूरे तमिलनाडु में घरों पर काला झंडा फहराने का आव्हान किया।

द्रमुक प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन शुरू से ही अपना कड़ा विरोध दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने इस विधेयक के विरोध में तमिलनाडु भर में घरों पर काला झंडा फहराने का आ ान किया है।

नामक्कल जिले में चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन ने काली शर्ट पहनकर ध्वजस्तंभ पर काला झंडा फहराया और परिसीमन विधेयक की प्रतियों को जलाकर, "लड़ेंगे, लड़ेंगे... तमिलनाडु लड़ेगा... जीतेंगे हम साथ मिलकर..." के नारे लगाए। मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु भर में विरोध की आग फैलने दो।

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

आतंक का जन्म असंतोष से होता है असमानता से इसे हवा मिलती है और यह अपनी आग में हज़ारों को लेकर जल मरता है। –मुक्ता

ट्रान्सफॉर्मेटिंव ट्यूजडे स्कूल बच्चों को साइबर अपराधों सहित शोषण से बचाने की अभिनव पहल

स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकारों की जानकारी, मौलिक दायित्वों से अवगत कराने और शारीरिक, मानसिक, यौन व भावनात्मक शोषण से बचाने के लिए अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत अनूठा अभियान ट्रान्सफॉर्मेटिंव ट्यूजडे एक सकारात्मक सोच का परिणम है। राजस्थान के स्कलों में यह कार्यक्रम 7 अप्रेल से आंरभ हो गया है। इस कार्यक्रम के तहत राजस्थान के करीब 1400 न्यायिक अधिकारी स्कूलों में जाकर बच्चों को शिक्षित करेंगे। यह कार्यक्रम इस मायने में अनूठा हो जाता है कि स्कूल या अन्य स्थान तो दूर की बात है बच्चें घर में भी शोषित हुए देखे जा सकते हैं। इससे बालमन प्रभावित होता है और जिस तरह से बच्चों का समग्र विकास होना चाहिए वह कहीं ना कहीं बाधित हो जाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की माने तो 5 से 12 साल के बच्चे शारीरिक, भावनात्मक यहां तक कि यौन शोषण के आसानी से शिकार हो जाते हैं। बालमन को देखते हुए ही उपभोक्ता सामग्री के विज्ञापनों के केन्द्र में बच्चों को आसानी से देखा जा सकता है। इसी तरह से कोविड के बाद के दौर में जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाओं का दौर चला है उससे बच्चों की मोबाइल फोन तक आसान पहुंच हो गई है। यही कारण है कि बच्चे साइबर बुलिंग सहित साइबर फ्राड और वीडियो गेम्स के चक्कर में सहज शिकार हो रहे हैं। वीडियो गेम्स के चक्कर में बच्चों पर पड रहे विपरीत प्रभाव आज चिंता का विषय हो गया है। साइबर फ्राड से तो क्या बच्चे और क्या बड़े सभी आसान शिकार हो रहे हैं।

ट्रान्सफॉर्मेटिंव ट्यूजडे अभियान राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाया जा रहा है। न्यायिक अधिकारी 8 वीं से 12 वीं कक्षा के बच्चों को उनके स्कूलों में जाकर अवेयर करेंगे। कोर्ट वाली दीदी या कोर्ट वाले भैया के नाम से इनकी स्कूलों में पहचान होने लगी हैं वहीं स्कूलों में कोर्ट वाली दीदी के नाम से शिकायत बॉक्स भी रखवाया जा रहा है जिसमें कोई भी बच्चा अपनी शिकायत को लिख कर ड़ाल सकते हैं। खास बात यह है कि बच्चों की यह शिकायत गोपनीय होगी और इस पर कार्रवाई भी जिला विधिक सेवा सेवा प्राधिकरण डाल्सा द्वारा ही की जा सकेगी।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की इस पहल को स्कूलों व समाज को हाथों हाथ लेना चाहिए क्योंकि इससे कोमल मन को नई दिशा मिलेगी और सशक्तीकरण हो सकेगा। इस तरह के प्रयास एक बार होकर ही नहीं रह जाने चाहिए अपितु यह सालाना कार्यक्रम होना चाहिए। केन्द्र सरकार, राज्यों की सरकारें और केन्द्र व राज्यों को विधिक प्राधिकरणों को भी इस तरह की पहल करनी चाहिए ताकि भावी पीढी को सशक्त किया जा सके।

आज देश–दुनिया के लोग साइबर अपराधियों के शिकार हो रहे हैं। साइबर बूलिंग, आनलाइन फ्राड, ओटीपी स्कैम, वीडियो गेम्स के टास्क और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों द्वारा साइबर अपराधियों द्वारा बच्चों सहित आम लोगों को शिकार बनाया जा रहा है। टास्क पूरे करने के चक्कर में बच्चे मानसिक तनाव व कुंठा के शिकार हो रहे है तो खाना–पीना, सोना तक भूलने लगे हैं। इसके अलावा साइबर अपराधियों में कई तत्व ऐसे भी है जो डराने–धमकाने और भ्रमित जानकारी देकर बरगलाने का प्रयास करते हैं।

झूठी जानकारी देकर बच्चों को तनाव में लाने, उनसे पैसे एंठने और गलत कार्य कराने तक को बाध्य करने में किसी तरह का संकोच नहीं करते हैं। इसी तरह से स्कूल में दादा किस्म के बच्चे भी अन्य बच्चों को शिकार बना लेते हैं तो स्कूलों में बालिकाओं से अनुचित व अशोभनीय व्यवहार के समाचार भी आम होते जा रहे हैं। यहां तक कि घर और बाहर व स्कूल तक में कई बार तो बालिकाएं सुरक्षित महसूस नही ंकर पाती और डर, प्रलोभन या अन्य कारणों से सहज शिकार हो जाती है। ऐसे में ट्रान्सफॉर्मेटिंव ट्यूजडे जागरुकता अभियान सकारात्मक पहल मानी जानी चाहिए।

सबसे खास बात यह है कि कोर्ट वाली दीदी या कोर्ट वाले भैया नामकरण ही बच्चों से सीधे जुड़ाव का संदेश देता है। राल्सा की यह पहल और करीब 1400 न्यायिक अधिकारियों को इससे जोड़ने से बालमन में ताजा हवा का झोंका आएगा। बच्चे अपने न्यायिक अधिकारों को जानने के साथ ही अनावश्यक तत्वों के शिकार बनने से बच सकेंगे। अपनी बात बड़े ही गोपनीय तरीके से कोर्ट वाली दीदी बॉक्स के माध्यम से पहुचा सकेंगे। क्योंकि खुलकर सामने आने के स्थान पर अपनी समस्या को लिखकर आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस अभियान की खास बात यह है कि यह स्कूली बच्चों से जुडी संभावित सभी समस्याओं को लेकर है और इससे बालमन पर नकारात्मक असर ड़ालने वाले कारकों पर अंकुश लग सकेगा।

बच्चा मानसिक तनाव के दौर से नहीं गुजरेगा और जानकारी का परिणाम यह होगा कि बच्चों में आत्मविश्वास जागृत होगा। इस सबके साथ ही बच्चों को किसी भी माध्यम से सहज शिकार बनाने वालों के प्रति बच्चों में सजगता आयेगी और आसानी से शिकार नहीं हो सकेंगे। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की इस पहल को स्कूलों व समाज को हाथों हाथ लेना चाहिए क्योंकि इससे कोमल मन को नई दिशा मिलेगी और सशक्तीकरण हो सकेगा। इस तरह के प्रयास एक बार होकर ही नहीं रह जाने चाहिए अपितु यह सालाना कार्यक्रम होना चाहिए। केन्द्र सरकार, राज्यों की सरकारें और केन्द्र व राज्यों को विधिक प्राधिकरणों को भी इस तरह की पहल करनी चाहिए ताकि भावी पीढी को सशक्त किया जा सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शुक्रवार 17 अप्रैल, 2026

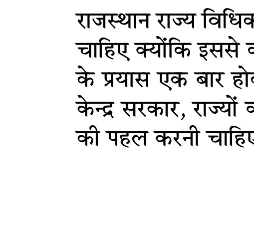

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, रेवती नक्षत्र दिन 12:02 तक, वैधृति योग प्रातः 7:12 तक, चतुष्पद करण प्रातः 6:47 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:02 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:02 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। कुमार योग सायं 5:22 से सूर्योदय तक है। आज देवपितृकार्य अमावस्या, श्री शुकदेव जयन्ती, वैधृति पूण्य है। पंचक दिन 12:02 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:40 तक, लाभ–अमृत 7:40 से 10:31 तक, शुभ 12:26 से 2:02 तक, शुभ 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:48

मेष
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
अपने अति आवश्यक महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त कार्य में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर–परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज भाई–बंधुओं और परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर–परिवार में रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

नारी वंदन अधिनियम

सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का अभूतपूर्व संगम

भजनलाल शर्मा

भारतीय सभ्यता के सुदीर्घ इतिहास में नारी शक्ति, सृजन और चेतना का शाश्वत केंद्र रही है। हमारी महान सनातन संस्कृति ने "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः" के उद्घोष के साथ युगों पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि जिस समाज में स्त्री का सम्मान और उसकी गरिमा अक्षुण्ण रहती है, वहीं देवत्व और समृद्धि का वास होता है। नारी को परिवार की धुरी, संस्कारों की संवाहक और समाज की दिशा निर्धारित करने वाली शक्ति के रूप में सदैव प्रतिष्ठा मिली है।

आज भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ रहा है। यह लक्ष्य नारी शक्ति की सक्रिय भागीदारी के बिना अधूरा है। इसी भागीदारी को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ।

यह अधिनियम भारत के प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का एक अभूतपूर्व संगम है। हमारी महान सनातन संस्कृति में नारी को सम्मान के साथ सृजन और शक्ति का मूल आधार माना गया है।

इतिहास साक्षी है कि हमारी प्रगति में नारी शक्ति की निर्णायक भूमिका रही है। रानी लक्ष्मीबाई की वीरता, जीजाबाई की दूरदर्शिता, सावित्रीबाई फुले का सामाजिक सुधार और आधुनिक भारत में कल्पना चावला की अंतरिक्ष यात्रा आदि उदाहरण से स्पष्ट होता है कि भारतीय नारी प्रेरणा के साथ परिवर्तन की अग्रदूत रही है। लंबे समय से राजनीति में महिलाओं की भागीदारी लगभग 14–15 प्रतिशत तक ही सीमित रही है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस कानून में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। आरक्षित सीटों में एक–तिहाई हिस्सेदारी अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए महिलाओं के लिए निर्धारित की गई है। प्रतिनिधित्व का यह विस्तार नीति–निर्माण में महिलाओं की दृष्टि और संवेदनशीलता को शामिल करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

प्रधानमंत्री जी की पहल पर अब इस ऐतिहासिक कानून को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इसके लिए 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। यह सत्र नारी वंदन अधिनियम को वर्ष 2029 के आम चुनावों से लागू करने की ठोस रणनीति का हिस्सा है। इस विशेष सत्र में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग व्यावहारिक रूप से प्रशस्त किया जायेगा।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में गत वर्षों के दौरान मोदीजी के सशक्त नेतृत्व में अनेक योजनाओं को श्रीगणेश कर उन्हें क्रियान्वित किया गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह तक बढ़ाना, करोड़ों गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच और मातृ मृत्यु दर में कमी आदि प्रयास महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण रहे हैं। आर्थिक क्षेत्र में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टैंड–अप इंडिया के माध्यम से बडी संख्या में महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ा गया है और इससे वे आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में सक्रिय योगदान दे रही हैं।

सामाजिक गरिमा और सुविधा के स्तर पर भी उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई, स्वच्छ भारत मिशन ने शौचालय निर्माण के माध्यम से उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया और जल जीवन मिशन ने घर–घर नल से जल पहुंचाकर उनके श्रम को कम किया है। महिला सशक्तिकरण को जीवन के प्रत्येक पहलू से जोडकर देखा गया है।

"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान ने समाज की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लिंग अनुपात में सुधार और बालिकाओं की शिक्षा में वृद्धि इस परिवर्तन के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। आज देश में पहली बार लिंग अनुपात का बेहतर होना इस बात का संकेत है कि समाज धीरे–धीरे संतुलित और संवेदनशील दिशा में आगे बढ़ रहा है। महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए भी कई ठोस कदम उठाए गए हैं। 'मिशन शक्ति', वन–स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन जैसी पहलें महिलाओं को सुरक्षा और आत्मविश्वास का वातावरण प्रदान कर रही हैं। तीन तलाक जैसी कुप्रथा का उन्मूलन महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक सुधार रहा है।

नारी वंदन की इस राष्ट्रव्यापी लहर के दौरान राज्य सरकार ने महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से सक्षम बनाने के लिए बजट 2026–27 में कई दूरगामी प्रावधान किए हैं। प्रदेश में महिलाओं को उद्यमिता से जोडने के लिए 'लखपति दीदी' योजना गेम–चेंजर साबित हुई है। इसमें 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर 16 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया गया है। अब इस योजना के तहत ब्याज अनुदान पर दिए जाने वाले ऋण की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ऋण सीमा को 50 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये किया गया है। बालिकाओं के बेहतर भविष्य के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना की राशि को 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया गया है और इससे अब तक 6.5 लाख से अधिक बेटियां लाभान्वित हुई हैं। शिक्षा सेतु योजना के माध्यम से 1.76 लाख से अधिक उन महिलाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ा गया है। प्रदेश की गर्भवती महिलाओं के लिए मा वाउचर योजना के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही निशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा से अब तक 4 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। महिला सशक्तिकरण की पहली शर्त भयमुक्त वातावरण है। राजस्थान सरकार ने इस दिशा में कठोर कदम उठाए हैं। राज्य में कुल महिला अपराधों में वर्ष 2023 की तुलना में 10 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए

प्रदेश में 600 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। छेड़छाड़ और चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है।

आज महिलाएं केवल घर–परिवार तक सीमित नहीं हैं। वे सेना में देश की रक्षा कर रही हैं, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं और उद्यमिता में भी अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी समान अवसर मिले। नारी वंदन अधिनियम इसी आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह कानून महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान के साथ ही लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाने का माध्यम है। विशेष संसद सत्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पहल है।

नारी सशक्तिकरण राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य शर्त है। जब नारी सशक्त होगी, तभी परिवार सशक्त होगा, समाज सशक्त होगा और राष्ट्र सशक्त होगा। सनातन मूल्यों से प्रेरित यह यात्रा अब आधुनिक लोकतंत्र के साथ मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण कर रही है, जहां नारी नेतृत्वकर्ता के रूप में भी स्थापित होगी।

-भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

नारी शक्ति वंदन से नव भारत उदय

डॉ. सतीश पूनियां

संसद का यह विशेष सत्र भारतीय संसद के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। संसद का यह विशेष सत्र भारतीय जनता पार्टी की देश की आधी आबादी को उनका वांछित अधिकार दिलाने की मंशा और इच्छाशक्ति का भी सत्र है। गुरुवार को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र–शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। 131 वें संशोधन के माध्यम से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू किये जाने का प्रस्ताव है।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश और दुनिया ने यह अनुभव किया है कि भारत में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तौर पर सशक्त किया गया है। इसके लिए महिला आधारित अनेक योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। महिलाओं को राजनैतिक तौर पर सशक्त करने की उसी मंशा के अनुरूप मोदी सरकार विधानसभा और संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के उद्देश्य से महिला आरक्षण के प्रावधान को शीघ्र लागू करने की दिशा में पहल की है। भारत पुरातन प्रवाह का राष्ट्र है। एक विशिष्ट इतिहास, संस्कृति और विरासत के कारण विश्व में एक पहचान वाला राष्ट्र है। जहां भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक भिन्नताएं होते हुए भी 'अनेकता में एकता' ऐसा दृश्य परिलक्षित होता है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत आधुनिक युग में लोकतांत्रिक व्यवस्था की अक्षुण्णता के लिए भी माना जाता है। आज विश्व के मानचित्र पर भारत की एक आत्मनिर्भर स्वाभिमानी राष्ट्र की पहचान है।

भारत के लोकतंत्र को दृढ़ता भारत के संविधान ने दी है जो एक वैशिष्ट्य लिए हुए है, जिसमें नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों में बखूबी उल्लेख किया गया है। भारत के संविधान में प्रदत समानता के अधिकारों ने इसे और पुष्ट किया है, इसलिए लैंगिक समानता के अवसर सुनिश्चित करने के लिए यह उत्कंठा हमेशा रही है कि गार्गी, मैत्रेयी के पुरातन परंपरा के देश में महिलाओं यानि आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले ताकि शासन में, निर्णयों में भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही नारी के उत्थान और उत्कर्ष में पूर्वक अपना योगदान दे सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिलाओं को उनका वांछित अधिकार दिलाने का निर्णय भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और उसके नेतृत्व की महिलाओं के प्रति संवेदनशील नीति का ही आईना है। भारतीय जनसंघ और भाजपा के वैचारिक स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत में समाज को एक जीवंत इकाई के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, समाज के प्रत्येक अंग का सशक्त होना आवश्यक है और नारी इसमें केंद्रीय भूमिका निभाती है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुरुष और स्त्री परस्पर पूरक हैं। किसी एक की उपेक्षा राष्ट्र को कमजोर बना देती है। यह दर्शन आज मोदी सरकार की नीतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ महिला सशक्तिकरण को केवल सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान का आधार माना गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को हमेशा प्राथमिकता दी। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक लाने का साहसिक प्रयास किया, भले ही वह उस समय राजनीतिक बाधाओं के कारण सफल नहीं हो सका।

हमने ऐसा समय भी देखा था जब देश की लाखों करोड़ों महिलाओं ने बैंक का दरवाजा भी नहीं देखा था। महिलाएं बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी ही नहीं थी, तो उन्हें बैंकिंग का लाभ कैसे मिलता। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना शुरू हुई तो देश की 32 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते खुले। आज देश की बेटियां नए–नए बिजनेस में अपनी पहचान बना रही हैं। मुद्रा योजना में 60 प्रतिशत से ज्यादा लोन महिलाओं ने लिए हैं। देश की स्टार्टअप क्रांति को भी महिलाएं लीड कर रही हैं। आज 42 प्रतिशत से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर है। यह हमारे लिए, देश के लिए और देश की आधी आबादी के लिए गौरव की बात है कि इस समय हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री जैसे अहम पद महिलाएं ही संभाल रही हैं। उन्होंने देश की गरिमा और गौरव, दोनों को बढ़ाया है।

साल 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम आया था, तब भी सभी दलों ने सर्वसम्मति से इसे पास कराया था। तब एक सुर में ये बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए। खासकर, हमारे विपक्ष के सभी साथियों ने मुखर होकर इस बात पर जोर डाला था कि 2029 में ये लागू हो जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने उसी संकल्प को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिला सशक्तिकरण को लेकर जो ठोस कदम उठाए गए हैं, उन्होंने समाज की संरचना को बदलने का कार्य किया है। फिर चाहे वह सम्मानजनक जीवन जीने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालयों के निर्माण की बात हो, या फिर 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति दिलाने का प्रयास हो। यह योजनाएँ केवल सुविधाएँ नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी बनाने के साधन हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के मोर्चे पर भी मोदी सरकार लगातार महिलाओं के लिए कार्य कर रही हैं। जन–धन खातों, स्वयं सहायता समूहों और मुद्रा योजनाओं ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। आज ग्रामीण भारत में लाखों महिलाएँ उद्यमिता की ओर अग्रसर हैं। लखपति दीदी के माध्यम से मोदी सरकार ने महिलाओं को उद्यमिता में आगे बढ़ाने का काम किया है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान के माध्यम से महिलाओं के प्रति समाज की सोच में क्रांतिकारी बदलाव लाने में मोदी सरकार ने अभूतपूर्व काम किया। इस अभियान से निश्चित रूप से सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन आया है। इसका परिणाम भी हमें पिछले दस–ग्यारह वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिला है। खेल, विज्ञान, शिक्षा, राजनीति और आर्थिक क्षेत्र में देश की महिलाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 73वें और 74वें संविधान संशोधन के बाद पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण तो मिला, लेकिन लंबे समय तक 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियाँ इस व्यवस्था को कमजोर करती रहीं।

मोदी सरकार ने 'सशक्त पंचायत–नेत्री अभियान' के माध्यम से इस प्रवृत्ति को चुनौती दी है। सशक्त पंचायत – नेत्री अभियान जैसी महत्वपूर्ण पहल से पूरे देश में पंचायती राज संस्थाओं की महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को सशक्त किया गया। 4 मार्च 2025 को नई दिल्ली में 'सशक्त पंचायत–नेत्री अभियान' का शुभारंभ किया गया। स्थानीय स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व को सुदृढ़ बनाने के ये प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि आरक्षण और संस्थागत सहयोग के माध्यम से लोकतांत्रिक संरचनाओं में वास्तविक परिवर्तन संभव है। हमन देखा कि सालभर पहले देश की सीमा पर सेना द्वारा चलाए गए आपरेशन सिंदूर में भी देश की जाबांज महिला सैनिकों ने अपने हौसलों से शत्रु को घुटने टेकने पर विवश कर दिया था। सीमा की सुरक्षा में देश की नारी शक्ति पूरी ताकत से जुटी हुई है। भारतीय सेना में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, फाइटर पायलट्स की नियुक्ति और सामरिक निर्णयों में उनकी भूमिका यह दर्शाती है कि नारी शक्ति अब हर क्षेत्र में अग्रणी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि नारी केवल करुणा का प्रतीक नहीं, बल्कि साहस और रणनीति की भी धुरी है। वर्षों की जड़ता और संघर्ष तथा विमर्श के बाद मोदी सरकार में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक उल्लेखनीय, ऐतिहासिक एवं स्तुत्य कदम है। 2029 तक संसद और विधानसभाओं में में 33 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व का लक्ष्य भारत को न केवल एक आर्थिक शक्ति, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी लोकतंत्र के रूप में स्थापित करेगा।

–डॉ. सतीश पूनियां,
(लेखक- भाजपा हरियाणा प्रभारी तथा राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष)

गुमशुदा की तलाश: प्रिय शिक्षा

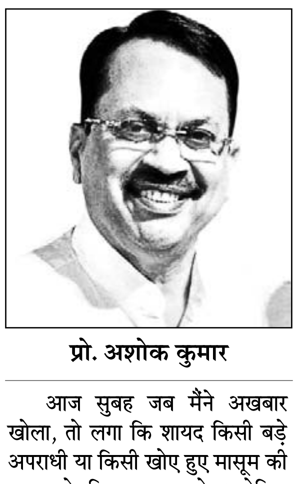

प्रो. अशोक कुमार

आज सुबह जब मैंने अखबार खोला, तो लगा कि शायद किसी बड़े अपराधी या किसी खोए हुए मासूम की तलाश के लिए इश्तहार होगा। लेकिन गौर से देखा तो पाया कि दरअसल वह तो उच्च शिक्षा का हुलिया था। शिक्षा, जो कभी मंदिरों और गुरुकुलों की पवित्रता से निकलकर हमारे सरकारी महाविद्यालयों के गलियारों में गूँजती थी, आज वह किसी वॉन्टेड अपराधी की तरह लापता है।

प्रिय शिक्षा, तुम्हारा नया पता क्या है? सुना है अब तुम साधारण डाक से नहीं मिलतीं, बल्कि रजिस्टर्ड कॉरपोरेट कूरियर बन गई हो। तुम्हारा नया स्थायी पता अब सरकारी महाविद्यालयों के वे टूटे हुए बेंच नहीं, बल्कि उन निजी विश्वविद्यालयों के शीशमहल हैं, जहाँ घुसते ही इंसान को अपने ज्ञान से ज्यादा अपनी जेब की गहराई का अहसास होता है। वहाँ तुम वातानुकूलित कमरों में बड़े करीने से सजाकर रखी गई हो।

लेकिन डर यह है कि कहीं तुम वहाँ केवल एक डेकोरेटिव पीस तो नहीं बन गई? या फिर तुम उन कोचिंग संस्थानों की तंग और अंधेरी गलियों में कैद हो गई हो? जहाँ तुम्हें सफलता के छोटे–छोटे पैकेटों में बंद किया जाता है और भारी किस्तों पर नीलाम किया जाता है। वहाँ तुम्हें पाने के लिए जिज्ञासा की नहीं, बल्कि बैंक बैलेंस की जरूरत होती है। तुमने अपना सरकारी चोला कब उतारकर यह महंगा कॉरपोरेट सूट पहन लिया, हमें पता ही नहीं चला। सरकारी महाविद्यालयों के बरामदे आज भी तुम्हें पुकारते हैं, लेकिन वहाँ तुम्हारी आहट कम और मकड़ियों के जाले ज्यादा मिलते हैं। उन कमरों में जहाँ कभी तर्क–वितर्क की धारा बहती थी, आज सिर्फ पुरानी फाइलों पर जमी धूल और व्यवस्था की लाचारी का साम्राज्य है।

छात्रों का वनवास: महाविद्यालयों में छात्र अब पढ़ने नहीं आते, बल्कि वे एक अदृश्य उपस्थिति का हिस्सा हैं। वे आते हैं सिर्फ परीक्षा फॉर्म भरने, छात्रवृत्ति का जुगाड़ करने या फिर राजनीति के अखाड़े में हाथ आज़माने। उन्हें अच्छी तरह पता है कि कक्षाओं में तुम नहीं, बल्कि मकड़ियाँ उनका स्वागत करेंगी। उनके लिए शिक्षा अब एक ज्ञानार्जन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सिर्फ एक कागज़ का टुकड़ा यानी डिठाी पाने का जरिया है।

शिक्षकों का अकाल और फाइल–पूजा: हमने गुरु बिन भवन सूना की कहावत को बड़ी शिद्दत से सच कर दिखाया है। सालों से नियुक्तियाँ प्रक्रिया के नाम पर फाइलों में दफन हैं। जो इक्का–दुक्का बचे–खुचे शिक्षक हैं, उन्हें हमने इतना बहुमुखी बना दिया है कि वे पढ़ाने के अलावा सब कुछ कर रहे हैं– चाहे वह जनगणना हो, चुनाव ड्यूटी हो या फिर स्मार्ट क्लास के नाम पर कागज़ी घोड़े दौड़ाना। बेचारे शिक्षक तुम्हें किताबों में नहीं, बल्कि एम.आईएस. पोर्टल के पासवर्ड में ढूँढ रहे हैं। **स्टेकहोल्डर्स की कुंभकर्णी नींद:** कुलपति से लेकर नीति–निर्माताओं तक, जो तुम्हारे रक्षक और संवर्धक होने चाहिए थे, वे अब मैनेजर की भूमिका में अधिक सहज हैं। वे स्मार्ट क्लास के ऑडिट सिस्टम और रैंकिंग के आंकड़ों में इतने उलझ गए हैं कि उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि शिक्षा इंसानों के लिए होती है, एक्सेल शीट्स के लिए नहीं। उनकी चुप्पी साजिशन नहीं, बल्कि सुविधापूर्ण है।

आखिर सिस्टम को सुलाने में ही तो शांति है ! प्रिय शिक्षा, क्या तुम्हें याद है जब तुम प्रकाश हुआ करती थी? आज तुम एक उत्पाद बन गई हो। बाज़ार ने तुम्हें इतनी खूबसूरती से पैकेज किया है कि तुम्हारी आत्मा कहीं खो गई है। इस शिक्षा प्रदूषण ने हमारे बौद्धिक वातावरण को इतना ज़हरीला बना दिया है कि अब यहाँ मेधा नहीं, बल्कि मैनेजमेंट जीतता है। निजी संस्थानों की ऊँची इमारतें और चमकते हुए विज्ञापन शायद तुम्हारी शान को बढ़ाते होंगे, लेकिन उन सरकारी स्कूलों की टपकती छतों और खाली ब्लैकबोर्ड्स का क्या, जहाँ देश का भविष्य आज भी तुम्हें फटे हुए बस्ते में ढूँढ रहा है? क्या तुमने अपनी पहुँच केवल उन तक सीमित कर ली है जिनके पास प्रवेश शुल्क के साथ सुविधा शुल्क देने की सामर्थ्य है? यह एक व्यंग्य नहीं, बल्कि उन हज़ारों आँखों की पुकार है जो आज भी सरकारी कॉलेजों की देहरी पर खड़ी होकर तुम्हारा इंतज़ार कर रही हैं। वे गरीब छात्र, जो बड़े–बड़े कोचिंगों की ईएमआई नहीं चुका सकते, उन्हें आज भी तुम्हारी जरूरत है।

प्रिय शिक्षा, इन स्टेकहोल्डर्स के मौन को अपनी सक्रियता से तोड़ दो। फाइलों की धूल झाड़ो और फिर से उन कक्षाओं में वापस आओ जहाँ तुम्हारी सबसे ज्यादा जरूरत है। इससे पहले कि तुम पूरी तरह से एक ब्रांड बन जाओ और आम आदमी की पहुँच से बाहर हो जाओ, वापस एक संस्कार और शक्ति बनकर लौट आओ। तुम्हारी प्रतीक्षा में, आज भी वह पुराना ब्लैकबोर्ड खड़ा है जिसे वर्षों से किसी चाक ने नहीं छुआ और वह छात्र खड़ा है जिसकी आँखों में अब भी उम्मीद का एक दीया जल रहा है। आ जाओ, कि तुम्हें ढूँढते–ढूँढते हमारी एक पूरी पीढ़ी डिग्रीधारी अनपढ़ न बन जाए।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय

''ओरण बचाओ'' की नारेबाजी के साथ जयपुर में जुटे हजारों लोग

700 किलोमीटर दूर जैसलमेर से जयपुर पहुंचे प्रदर्शनकारी, निर्दलीय विधायक रविन्द्र भाटी भी शामिल हुए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में चारागाह और वन क्षेत्र (ओरण) के संरक्षण को लेकर जयपुर में गुरूवार को बड़ा जनआंदोलन देखने को मिला। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन से ओरण बचाओ पदयात्रा निकाली गई, जिसमें जैसलमेर सहित प्रदेशभर से सैकड़ों लोग शामिल हुए। इस यात्रा में करीब 700 किलोमीटर दूर जैसलमेर से लोग शामिल हुए।

यह पदयात्रा मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचकर सरकार का ध्यान पर्यावरण संरक्षण और ओरण भूमि की सुरक्षा की ओर आकर्षित करने के लिए निकाली गई, लेकिन पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली तो चौमूं पुलिया सर्किल पर बैरिकेड्स लगाकर सभी लोगों को भवानी निकेतन के पास ही रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई।

पदयात्रा में शामिल बाड़मेर जिले के शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सरकार पर निशाना साधा। भाटी ने कहा कि जैसलमेर की अंतरराष्ट्रीय सीमा से बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोग जयपुर पहुंचे हैं, जिन्होंने 1965 और 1971 के युद्ध में देश के लिए योगदान दिया था, लेकिन आज उन्हें अपनी जायज मांगों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार के लिए चिंतन का विषय है और ओरण भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए।

भाटी ने आरोप लगाया कि वर्तमान में ओरण भूमि का बड़ा हिस्सा राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, जिससे अतिक्रमण की घटनाएं बढ़ रही हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में किसानों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई स्पष्ट नीति या गाइडलाइन सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा अतिक्रमण के मामलों पर भी सरकार गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने खेजड़ी संरक्षण को लेकर प्रस्तावित बिल का जिक्र किया। कहा कि सरकार ने सदन में बिल लाने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया। विश्नोई समाज सहित कई वर्गों ने इस मुद्दे पर आंदोलन किया, लेकिन सरकार की घोषणाएं अभी तक धरातल पर नहीं उतरी हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे 21 जनवरी को जैसलमेर के तनोट माता मंदिर से पदयात्रा शुरू कर जयपुर पहुंचे हैं। कडाके की ठंड से लेकर अब भीषण गर्मी तक नंगे पैर यात्रा कर रहे लोगों का कहना है कि वे ओरण, गोचर भूमि, खेजड़ी के पेड़, नदियों, नालों और तालाबों के संरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ओरण भूमि संरक्षण की मांग को लेकर जैसलमेर के हजारों युवाओं ने जयपुर में प्रदर्शन किया।

- पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को चौमूं पुलिया सर्किल स्थित भवानी निकेतन कॉलेज के पास रोका, विरोध पर हल्की झड़प भी हुई
- विधायक भाटी ने कहा ''ओरण भूमि का बड़ा हिस्सा राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, लोगों को जायज मांगों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा है।''

जैसलमेर में ओरण के लिए 3666 हैक्टेयर भूमि आरक्षित

भजनलाल सरकार ने ओरण भूमि संरक्षण के लिए की बड़ी पहल

जयपुर । राज्य सरकार ने जैसलमेर जिले के विभिन्न गांवों में ओरण के लिए कुल 3666.2139 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की है, जिसमें रामगढ़ तहसील के ग्राम दिलावर का गांव में 124.9502 हैक्टेयर, कुछड़ी ग्राम में 1084.8043 हैक्टेयर और पूनमनगर ग्राम में 583.9876 हैक्टेयर, फतेहगढ़ तहसील के ग्राम भीमसर में 952.2752 हैक्टेयर और बींजोता में 96.7716 हैक्टेयरभूमि ओरण क्षेत्र के लिए आरक्षित की गई है। जैसलमेर तहसील के ग्राम मोकला के तीन खण्डों में क्रमशः 187.364, 256.2511 और 253.4034 हैक्टेयर तथा बीरमा काणोद 126.4065 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की जा चुकी है।

इसके अतिरिक्त जैसलमेर तहसील के ग्राम मोकला में 1457.4991 हैक्टेयर, नाचना तहसील के ग्राम आसकन्द्रा में 225.03 हैक्टेयर एवं ग्राम दिधू में 229.5067 हैक्टेयर, ग्राम मोहनगढ़ बारानी/पन्नोधराय में 333.9165 हैक्टेयर क्षेत्रों को भी ओरण के रूप में आरक्षित करने की कार्यवाही की जा रही है।

राज्य सरकार जैसलमेर जिले के पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए ओरण भूमि के आरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए है। ज्ञात रहे कि ओरण प्राचीन काल से चली आ रही एक ऐसी व्यवस्था है जहाँ सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं के कारण स्थानीय लोग इन पवित्र उपवनों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। ऐसी मान्यता है कि इन क्षेत्रों में पेड़ों को काटना या कुल्हाड़ी का उपयोग करना वर्जित है, जिससे यहाँ का पारिस्थितिकी तंत्र स्वतः ही सुरक्षित रहता है। ओरण जो संस्कृत शब्द अरण्य से बना है और जिसका अर्थ बिना छेड़ा हुआ जंगल होता है। यह न केवल हमारी प्राचीन धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है बल्कि मरुस्थलीकरण को रोकने में भी सहायक है। यह पहल न केवल जैसलमेर के पारंपरिक आस्था स्थलों का संवर्धन करेगी बल्कि मरुस्थलीय क्षेत्र में हरियाली और जैव विविधता को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मो. इस्माइल मंसूरी s/o नूर मोहम्मद जाति मुसलमान निवासी खनिया बंधा कच्ची बस्ती नाला पार मुबारक मस्जिद के पास गोनेर रोड जयपुर (राज.) का हूं उनका पुत्र मोहम्मद अजीम मंसूरी व उसकी पत्नी अमर जहां उर्फ शबिया बेगम जो कि मेरे अभिभाष्य की कोई सेवा सुश्रूषा नही करते हैं तथा मोहम्मद अजीम मंसूरी व उसकी पत्नी अमर जहां उर्फ शबिया बेगम दोनों ने मेरे अभिभाष्य को हैरान-परेशान कर रखा है, इसलिए मेरे अभिभाष्य अपने पुत्र मोहम्मद अजीम मंसूरी व उसकी पत्नी अमर जहां उर्फ शबिया बेगम को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है तथा उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, वाद-विवाद, अपराध व किसी भी तरह की लेन देन या संव्यवहार के लिए मेरे अभिभाष्यगण जिम्मेदार नहीं होंगे, यदि कोई व्यक्ति, संस्था, इत्यादि किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध संव्यवहार मेरे पुत्र व उसकी पत्नी से करता है तो उत्पन्न होने वाले समस्त परिणामों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे, जिससे मेरे अभिभाष्य का कोई लेना देना नहीं होगा सूचित रहे। **(आमिर अहमद) एडवोकेट**

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनेश चन्द मित्तल के स्वामित्व की अचल संपति प्लॉट नं० डी-87, वैशाली नगर, जयपुर 302021 (राजस्थान) के मूल दस्तावेजों में आवंटन पत्र संख्या 85 दिनांक 30/04/1985, लाइसेंस डीड संख्या 725 दिनांक 21/04/1987, कब्जा पत्र दिनांक 05/02/1987, स्वीकृति पत्र संख्या 6728 दिनांक 21/03/1988, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 27/10/1989, रजिस्टर्ड लीज डीड (आंशिक लैमिनेटेड) संख्या 948 दिनांक 15/03/2010 को सुरक्षित रखने हेतु लैमिनेट कराया गया है तथा वर्तमान में भी उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज लैमिनेट है। लैमिनेट दस्तावेज के आधार पर ही मेरा अभिभाष्य राजेश मित्तल उक्त सम्पत्ति को दिनेश चन्द मित्तल से क्रय कर स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया से ऋण प्राप्त कर रहन रख रहा है। यह भी घोषित किया जाता है कि उक्त लैमिनेट किए गए दस्तावेज मूल, सही एवं वैध हैं तथा उनमें किसी प्रकार की कोई काट-छांट या परिवर्तन नहीं किया गया है। यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था या प्राधिकरण को उक्त संपत्ति या उसके मूल दस्तावेजों के संबंध में कोई आपत्ति, दावा या हित हो, तो वह इसकी सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर लिखित रूप में प्रमाण सहित अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मान लिया जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति या दावा नहीं है तथा उक्त मूल दस्तावेज सभी विधिक प्रयोजनों हेतु मान्य माने जाएंगे।
दिनांक: 15/04/2026 (एडवोकेट अंग बहादुर खान) रजिस्ट्रेशन नं. R/1225/2012
स्थान: जयपुर पता: बी.26, प्रांत रोड मॉल, विद्याधर नगर, जयपुर। मो.: 9785426750

आम सूचना
यह कि फ्लेट नम्बर ए-102, फर्स्ट फ्लोर, टॉवर-ए, दा रॉयल ट्वीन्स, खसरा नम्बर 422 व 423, ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर जिसका बिल्टअप ऐरिया 1212 वर्गफीट है पर मेरी अभिभाष्या के पुत्र चक्रेश शर्मा ने एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त किया हुआ है। चक्रेश शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 14.03.2026 ईस्वी को हो गया। उक्त फ्लेट के मूल दस्तावेज प्राप्त करने हेतु मेरी अभिभाष्या स्नेहलता शर्मा ने आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से सात दिन में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। **Surender Singh Shekhawat (Advocate) 9983155555, 7791855555**

आम सूचना हर आमजन को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य बाबूलाल जागिड पुत्र श्री ब्रजमोहन जागिड दिनांक 20.02.2026 को अपने घर ग्राम लबाना, निवासी चौपड़ा की ढाणी, तहसील आमेर जिला जयपुर को दिनांक 20.02.2026 को अपने जमीन जिसमें वो निवास कर रहे हैं जिसके वर्तमान खाता संख्या 1618 व पुराना खाता संख्या 563 में 0.26 हैक्टर का खरीद इकरानामा दिनाक 05.07.1968 का मूल इकरारनाम जो जिसके द्वारा नाथू गणेश पुत्र धन्ना जाति बागडा ब्राह्मण से खरीद किया गया था तथा उसका सम्पूर्ण भुगतान विक्रेतागण को कर दिया गया था। तथा खरीदी गई जमीन का भौतिक कब्जा उसी समय प्राप्त कर लिया था तथा इसी खरीदी गई जमीन के सम्बन्ध में न्यायालय में चल रहे उपखण्ड अधिकारी आमेर के विचाराधिन विवाद के सिलसिले में अपने मूल इकरानामा खरीद तथा आबादी भूमि के विक्रय विलेख पट्टे जो दिनाक 05.12.1975 को जारी हुए पट्टे रामेश्वर लाल पिता लादूराम व मूलचन्द पिता लादूराम व ब्रजमोहन पिता लादूराम, कल्याण पिता लादूराम व अन्य के नाम जारी मूल पट्टे जो ग्राम पंचायत लबाना, पंचायत समिति आमेर के द्वारा जारी पट्टे व रसीदे तथा पुराने अन्य कागजात जो उनके निवास से सम्बन्धित जैसे पुराना राशन कार्ड, चुनावी पहचान पत्र व ड्राईविंग लाईसेंस व कोर्ट की पत्रवली आदि ले कर अपने घर से थैले में रख कर अपने घर से कोर्ट कार्यालय बनीपार्क जयपुर जा रहा था तथा जाते वक्त समस्त उक्त मूल कागजात का थैले में रखे हुए थे वो रास्ते में कहीं गिर गये हैं। जिनको मेरे अभिभाष्य ने ढुंढने व तलाशने की बहुत कोशिश की लेकिन उक्त कागजात मेरे अभिभाष्य को कही नहीं मिले तथा यदि किसी व्यक्ति को ये उक्त मूल कागजात किसी व्यक्ति को प्राप्त हुये हैं तो वह मेरे ऊपर दिये गये पते पर वापस लौटा देवें तथा यदि किसी व्यक्ति ने इनका अपने हित के लिये प्रयोग किया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। इसके बारे में ये सूचना समस्त आमजन के लिये लागू होगी तो सूचित रहे। **विनोद कुमार सैनी,**
दिनांक 16.04.2026 एडवोकेट मो.9351634225

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

राम जल सेतु लिंक परियोजना, जल जीवन मिशन एवं जल प्रबंधन से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली मेंकेंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात की।

उन्होंने राम जल सेतु लिंक परियोजना की प्रगति,हर घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रदेश में जल संसाधनों के समुचित प्रबंधन को लेकर सार्थक चर्चा की।

रोडवेज कर्मचारी निजीकरण के विरोध में सड़कों पर उतरे

जयपुर । राजस्थान स्टेट रोडवेज एम्पलाईज यूनियन (एटक/एआईटीयूसी) के बैनर तले गुरुवार को रोडवेज मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। इसमें 1000 से अधिक सेवारत और सेवानिवृत्त कामगारों ने भाग लेते हुए रोडवेज बचाओ-रोजगार बचाओ के नारे लगाए। इससे पहले कर्मियों ने जयपुर डिपो से मुख्यालय तक रैली निकालकर विरोध जताया।

धरने को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष एम.एल. यादव ने कहा कि एक समय रोडवेज में 25 हजार से अधिक कर्मचारी और 4500 से अधिक बसें थीं, जबकि अब यह संख्या घटकर करीब 10 हजार कर्मचारी और 2580 बसों तक सिमट गई है, जिनमें से 850 बसें अत्यंत पुरानी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारों की उपेक्षा के चलते रोडवेज को धीरे-धीरे निजीकरण की ओर धकेला जा रहा है।

यादव ने बताया कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण ड्राइवर और कंडक्टर से 12 से 16 घंटे तक काम लिया जा रहा है, जबकि नियमानुसार 8 घंटे का कार्य निर्धारित है। इसके बावजूद उन्हें ओवरटाइम का भुगतान और साप्ताहिक अवकाश नहीं मिल रहा, जो श्रम कानूनों का उल्लंघन है। यूनियन ने 15 हजार रिक्त पदों पर भर्ती और 2500 नई बसों की खरीद की मांग उठाई।

फर्जी डिग्री प्रकरण में ओपीजेएस विवि के चेयरमैन को जमानत नहीं

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने फर्जी डिग्री जारी करने से जुडे मामले में ओपीजेएस विश्वविद्यालय के चेयरमैन जोगेंद्र सिंह को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की चौथी जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी की पूर्व में तीन बार जमानत याचिका खारिज हो चुकी है और मामले की गंभीरता के साथ ही कोई नया आधार नहीं होने के कारण उसे जमानत नहीं दी जा सकती।

जमानत याचिका में कहा गया कि उस पर आरोप है कि उसने विवि के चेयरपर्सन के रूप में फर्जी डिग्रियां जारी की। जबकि ऐसा कोई रिकॉर्ड पेश नहीं हुआ, जिससे यह साबित हो कि डिग्री पर उसके हस्ताक्षर हैं। इसके अलावा वह साल 2015 में ही विवि प्रबंधन से इस्तीफा दे चुका है।

तब से उसके पास विवि के प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा मामले में सीधे ही विशेष अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया है। विशेष अदालत को मामले में प्रसंज्ञान लेने का तब तक अधिकार नहीं है, जब तक मामले को मजिस्ट्रेट की ओर से कमिट नहीं किया जाए। इसलिए उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए एएजी राजेश चौधरी ने कहा कि विवि की डिग्री का उपयोग कर सह आरोपी गणपत लाल पीटीआई भर्ती, 2022 में चयनित हुआ था। इसकी डिग्री जारी करने में याचिकाकर्ता की संलिप्तता रही थी।

कार्यालय ग्राम पंचायत भाड़ोती, पंचायत समिति- मलारना डूंगर
जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक:-2025-26/11 दिनांक 13/04/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27
पंचायत समिति, मलारना डूंगर के अधीन ग्राम पंचायत भाड़ोती में महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु दर संविदा पर सामग्री एवं उपकरण आपूर्ति कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई-प्रोक्युरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan. gov. in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2627A0017
UBN No. ZSM2627WSOB00032
प्रशासक ग्राम पंचायत भाड़ौती — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत भाड़ौती

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का पर्दाफाश

जयपुर। राजधानी जयपुर के झोटवाड़ा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) पश्चिम ने विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 पासपोर्ट, 32 मुहरें, मोबाइल फोन और हिसाब-किताब की डायरियां बरामद की हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

डीएसटी इंचार्ज गणेश सैनी के अनुसार झोटवाड़ा थाना क्षेत्र में स्थित शिवशंकर टावर अपार्टमेंट के एक फ्लैट में बदमाशों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इस पर टीम ने बुधवार देर रात फ्लैट पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान फ्लैट में छिपे कुचामन निवासी लोकेंद्र सिंह और विजयपाल सिंह, झुंझुनूं निवासी लोकेश तथा रींगस निवासी गोगराज को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी लोकेंद्र सिंह डीडवाना के मकराना क्षेत्र का वांछित अपराधी है।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी 'डायमंड वीजा सर्विस' नाम से फर्जी फर्म चलाकर लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का लालच देते थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिए लोगों से संपर्क कर उन्हें ड्राइवर, माली, मिस्त्री जैसे काम दिलाने का भरोसा दिलाया जाता था। इसके बाद वीजा और नौकरी के नाम पर लाखों रुपए ऐंठ लिए जाते थे।

पुलिस ने फ्लैट की तलाशी में 50 पासपोर्ट, 32 फर्जी मुहरें, 3 मोबाइल फोन और लेन-देन से जुड़ी 5 डायरियां बरामद की हैं, जिनसे बड़े स्तर पर ठगी के नेटवर्क के संकेत मिले हैं। झोटवाड़ा थाना पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

आमेर में हाथी सवारी बंद करने की मांग

जयपुर । सेव द एलिफेंट डे के अवसर पर राजधानी के जवाहर सर्किल पर युवाओं और पशु प्रेमियों ने पेंटेड हाथी फोटोशूट और हाथियों के उपयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि हाथी मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि संवेदनशील जीव हैं।

कार्यकर्ताओं ने आमेर किले में पर्यटकों के लिए कराई जाने वाली हाथी सवारी पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि हाथियों को कठोर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पशु कल्याण बोर्ड ऑफ इंडिया और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के 'प्रोजेक्ट एलिफेंट' द्वारा भी इस मुद्दे को पहले उठाया जा चुका है। वाइल्डलाइफ कैंपेन मैनेजर शुभोब्रतो घोष ने बताया कि कैद में रखे गए हाथियों में मानसिक तनाव के लक्षण दिखाई देते हैं। हाल के वर्षों में काजीरंगा, त्रिपुरा और उत्तराखंड के राष्ट्रीय उद्यानों में हाथियों से जुड़ी घटनाओं ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। प्रदर्शनकारियों ने राजस्थान सरकार से मांग की कि आमेर किले में हाथी सवारी को बंद कर हाथियों को सुरक्षित अभयारण्यों में स्थानांतरित किया जाए। गौरतलब है कि विश्व पशु संरक्षण संगठन के अनुसार भारत में 2500 से अधिक हाथी कैद में हैं।

विकसित भारत की आधारशिला बना 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' : डॉ. सौम्या गुर्जर

निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने महिला उद्यमियों के साथ चाय पर चर्चा की।

- निवर्तमान महापौर ने उद्यमी महिलाओं के साथ 'चाय पर चर्चा' की, 33 प्रतिशत आरक्षण पर जताई खुशी
- एक स्वर में बोली महिला उद्यमी ''महिलाओं के सशक्तिकरण से ही होगा राष्ट्र का सर्वांगीण विकास''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। देश में लागू होने जा रहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने उद्यमी महिलाओं के साथ ''चाय पर चर्चा'' की। कार्यक्रम में डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने इसे महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्यमी महिलाओं की सहभागिता रही, जहां महिलाओं ने खुलकर अपने विचार साझा किए और अधिनियम से जुड़ी जानकारी प्राप्त की।

डॉ. गुर्जर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में ठोस और निर्णायक कदम उठाया है। 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान महिलाओं को लोकतंत्र में मजबूत भागीदारी प्रदान करेगा, जिससे शासन व्यवस्था में संतुलन और समावेशिता आएगी। इस दौरान निवर्तमान महापौर सहित सभी महिलाओं ने संसद में चल रहे विशेष सत्र में चल रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को सुना।

डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से महिलाओं को नीति-निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सशक्त भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल महिलाओं की आवाज मजबूत होगी, बल्कि उनके दृष्टिकोण से समाज के विभिन्न मुद्दों का बेहतर समाधान भी संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिला नेतृत्व के बढ़ने से शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय लिए जा सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान उद्यमी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। कई महिलाओं ने कहा कि अब वे न केवल अपने व्यवसाय में, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। महिलाओं ने 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान पर खुशी जताते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

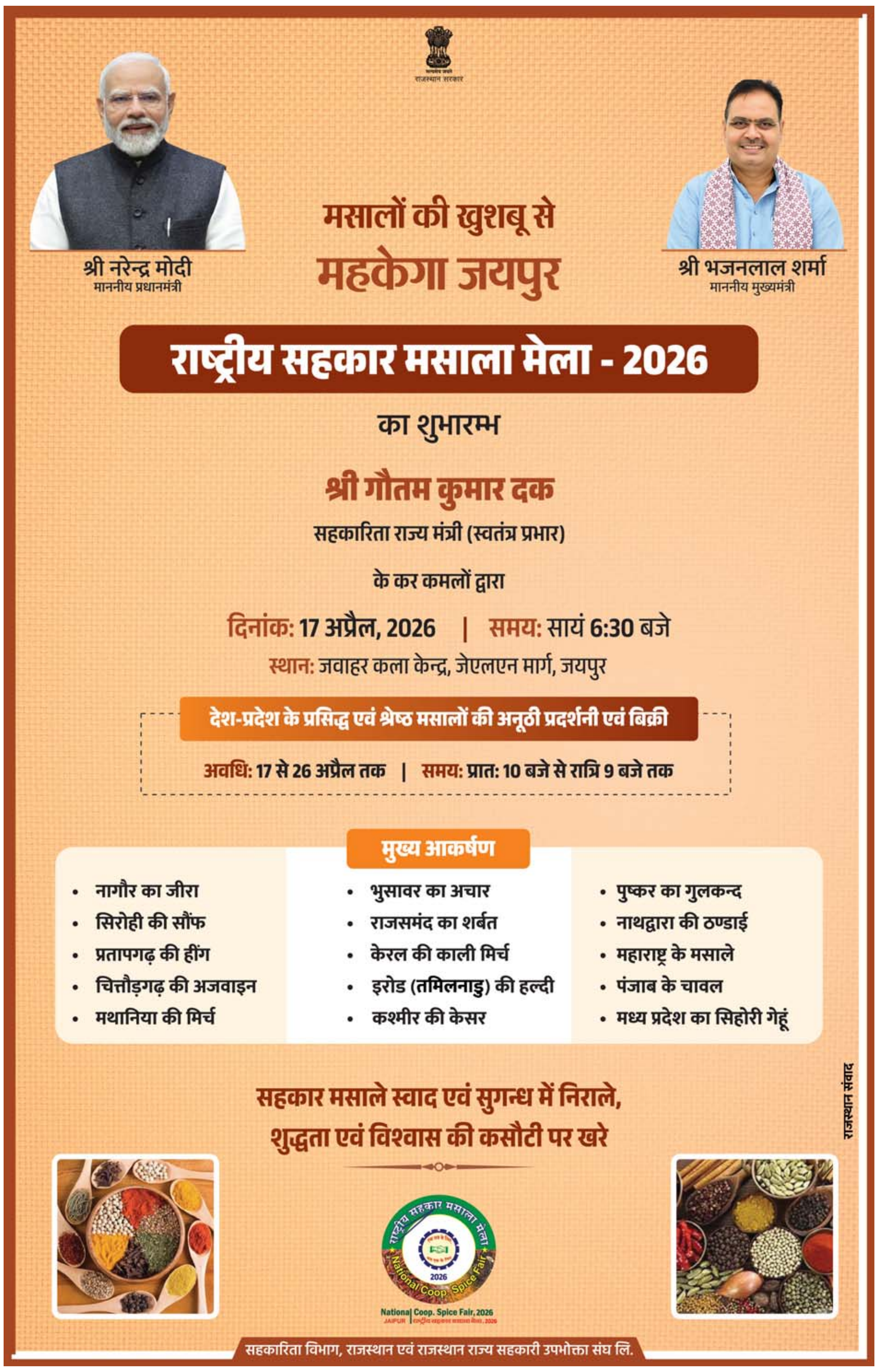

सरवाड़ डाई नदी क्षेत्र में बजरी खनन विवाद गहराया, लीजधारक बेबस

सरकारी नियमों के तहत लीजधारक द्वारा करीब 54 लाख 47 हजार 245 रुपए की राशि जमा कराई जा चुकी है

सरवाड़ क्षेत्र की डाई नदी में बजरी खनन को लेकर वर्षों पुराना विवाद अब भी गहरा रहा है।

सरवाड़ (निसं)। क्षेत्र की डाई नदी में बजरी खनन को लेकर वर्षों पुराना विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है वहीं वर्ष 2012 में पंकज सिंह जादौन के नाम से इस क्षेत्र में खनन लीज स्वीकृत हुई थी लेकिन उसी दौरान मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हो गया वहीं बाद में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बजरी खनन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए जिसके बाद वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए खनन का मार्ग प्रशस्त हुआ वहीं बताया जा रहा है कि 30 मार्च 2023 को पंकज सिंह जादौन ग्रुप के लोग जब सरवाड़ क्षेत्र में खनन कार्य शुरू करने पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने उन्हें नदी क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया गया वहीं इस दौरान मारपीट व विवाद की स्थिति भी बनी जबकि सरकारी नियमों के तहत लीजधारक द्वारा करीब 54 लाख 47 हजार 245 रुपए की राशि जमा कराई जा चुकी है और सरकार द्वारा 433 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन लीज स्वीकृत की गई है।

वहीं गोयला क्षेत्र के सनोदिया गांव में खसरा संख्या 175 पर करीब 73 बीघा नदी क्षेत्र में लीज स्वीकृत है लेकिन यहां भी रॉयल्टी संचालक को बजरी निकालने नहीं दिया जा रहा वहीं संचालक वर्षों से तुलाई के लिए कांटा वजन मशीन लगाने का प्रयास कर रहा है वहीं लेकिन प्रशासनिक अनदेखी के चलते यह संभव नहीं हो पाया वहीं क्षेत्र में हालात ऐसे हैं कि वैध लीजधारक खनन नहीं कर पा रहा जबकि अवैध खनन करने वाले माफिया खुलेआम सक्रिय हैं।

वहीं खिरिया गोयला अरवड़ जावला सहित पूरे इलाके में दिन-रात जेसीबी और ट्रैक्टरों के जरिए बजरी का अवैध खनन किया जा रहा है वहीं सूत्रों के अनुसार अवैध खनन करने वाले लोग सरकारी कार्रवाई से बचने के लिए बजरी का स्टॉक सरकारी भूमि पर ही जमा कर रहे हैं ताकि कानूनी शिकंजे से बच सकें वहीं हैरानी की बात यह है कि यह सब प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं वहीं रॉयल्टी संचालक पिछले चार वर्षों से तहसीलदार थानेदार उपखंड अधिकारी से लेकर जिला कलेक्टर तक ज्ञापन दे चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई लगातार शिकायतों के बावजूद अवैध खनन पर रोक नहीं लगना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है वहीं क्षेत्र में भय का माहौल अवैध बजरी माफिया के बढ़ते प्रभाव के चलते पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है वहीं स्थानीय लोग खुलकर विरोध करने से कतराते हैं वहीं वैध लीजधारक भी खुद को असहाय महसूस कर रहा है वहीं जब सरकार को लाखों रुपये की राजस्व राशि जमा हो चुकी है और लीज वैध रूप से स्वीकृत है तो आखिर वैध खनन क्यों बाधित है और अवैध खनन करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही सरवाड़ डाई नदी क्षेत्र में बजरी खनन को लेकर स्थिति विस्फोटक बनी हुई है यदि समय रहते प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए तो यह विवाद और गहरा सकता है जरूरत है पारदर्शी कार्रवाई और वैध लीजधारकों को संरक्षण देने की ताकि सरकारी राजस्व की भी रक्षा हो सके और अवैध खनन पर लगाम लग सके।

हत्या के प्रयास का 37 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने 37 साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी जिला पुलिस की टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल था और उसकी गिरफ्तारी पर 1 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी लूट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित था।

धंबोला थाना अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी भूरा उर्फ भूरका पुत्र पुना डामोर मीणा निवासी पलासडोर, थाना काकनवाणी, जिला झाबुआ (मध्यप्रदेश) है। आरोपी वर्ष 1989 के एक मामले में डूंगरपुर जिला एवं सेशन न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित था। उस पर लूट और हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है।

लंबे समय से फरार अपराधियों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भूरा उर्फ भूरका को पकडने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। डूंगरपुर पुलिस अधीक्षक ने उसकी गिरफ्तारी पर एक हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस मुखबिर तंत्र के माध्यम से उसकी पडताल कर रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस सादे कपडों में मौके पर पहुंची और आरोपी को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार,जब टीम आरोपी के घर पहुंची तो उसने पुलिस को देखकर घबराकर गलत नाम और पता बताया।

हालांकि,सटीक मुखबीर सूचना के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जिले में लंबे समय से फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सरकारी स्कूल से गेट चोरी के आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय मोहनपुरा से गेट चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किया व लोहे का गेट बरामद किया हैं। थानाधिकारी यशपाल सिंह ने बताया कि गत 13 अप्रैल को परिवादी अशोक कुमार सुरेला (51) पुत्र जगदीश प्रसाद मेघवाल निवासी रायकरणपुरा थाना पनियाला हाल प्रधानाचार्य महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय मोहनपुरा ने दर्ज कराया कि अज्ञात चोर अवकाश के दिनों में सरकारी स्कूल में लगे लोहे के गेट को काटकर चोरी कर ले गये है। उक्त चोरी की वारदात का खुलासा करने हेतु थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर चोरी में संलिप्त आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा लगातार आरोपियों की तलाश हेतु आसूचना एकत्रित कर आरोपियों के मिलने वाले संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई। बुधवार को संभावित स्थान ग्राम मोहनपुरा से आरोपी त्रिलोक (20) सचिन (19) दोनों निवासी मोहनपुरा, योगेश सुरेलिया (26) पुत्र श्याम लाल योगी निवासी जोधपुरा व विक्की (23) पुत्र सुन्दर लुहार निवासी बानसुर हाल पाटन को डिटेन कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया। चोरी किये गये लोहे के गेट को आरोपियों की निशानदेही से बरामद किया गया। चोरी के आरोपियों से अन्य चोरी की घटनाओं में संलिप्तता व अन्य आरोपियों के सम्बन्ध में गहनता से पुछताछ की जा रही है।

कार की टक्कर से 55 वर्षीय महिला की मौत

मनभर देवी

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ी चोराहे पर सड़क पार करने के दौरान एक महिला के कार ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई । बरौनी थानाधिकारी सुश्री कुसुम ने बताया कि मनभर देवी (55)पत्नी जगदीश जाट निवासी पहाड़ी अपनी पुत्री को जयपुर जाने वाली बस में बैठाने आई थी। अपनी पुत्री निकिता को बस में बैठाकर वह सड़क क्रॉस कर रही थी।इसी दौरान तेजगति से आ रही कार ने उसके टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। कार चालक मौके से कार को लेकर फरार हो गया। सूचना पर बरौनी थाना पुलिस मय जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मृतका का शव कब्जे में लेकर निवाई उप जिला अस्पताल मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक महिला के तीन पुत्रियां है।

पाठ्यपुस्तकें हटाने पर डोटासरा ने सरकार को घेरा

जयपुर (हि.स.)। राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9 से 12 तक की चार पुस्तकों को पाठ्यक्रम से हटाने के निर्णय पर सियासी विवाद गहरा गया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस फैसले को इतिहास पर सीधा हमला बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डोटासरा ने कहा कि कक्षा 9 की 'राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परंपरा', कक्षा 10 की 'राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति', कक्षा 11 की 'आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत' तथा कक्षा 12 की 'आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत भाग-2' को हटाकर नई पीढ़ी को अधूरा इतिहास पढ़ाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन पुस्तकों में स्वतंत्रता संग्राम, देश निर्माण और विभिन्न नेताओं के योगदान का उल्लेख है, जिसे हटाना इतिहास को मिटाने जैसा है। डोटासरा ने कहा कि यदि पुस्तकों में कोई त्रुटि थी तो उसमें संशोधन किया जा सकता था, लेकिन उन्हें पूरी तरह हटाना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इन पुस्तकों में महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह सहित कई नेताओं के योगदान, साथ ही लोकतांत्रिक संस्थाओं, शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का वर्णन है। डोटासरा ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि इससे पहले भी आदिवासी वीरों और ऐतिहासिक व्यक्तित्वों से जुड़े विषयों को पाठ्यक्रम से हटाया गया था और अब स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद के भारत के स्वर्णिम दौर को भी हटाया जा रहा है।

राजस्थान बोर्ड का बड़ा फैसला: कक्षा 9 से 12 तक की चार पुस्तकें सिलेबस से हटाई

जयपुर (हि.स.)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की सिफारिश पर राज्य सरकार ने कक्षा नौ से बारह तक की चार महत्वपूर्ण पुस्तकों को सिलेबस से हटा दिया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन पुस्तकों का न तो अध्ययन कराया जाएगा और न ही इनका निशुल्क वितरण किया जाएगा।

इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के समाज शिक्षा विभाग ने गुरुवार दोपहर आदेश जारी करते हुए सभी स्कूलों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इन पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जाए। समाज शिक्षा के उप निदेशक अशोक कुमार पारीक ने बताया कि इन पुस्तकों को हटाने का प्रस्ताव बोर्ड द्वारा भेजा गया था। राज्य सरकार ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के 11 अप्रैल के पत्र और समग्र शिक्षा के पूर्व आदेशों के आधार पर यह निर्णय किया है। नई व्यवस्था के तहत ये पुस्तकें अब पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं रहेंगी।

इनमें कक्षा 9 की राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं धरोहर, कक्षा 10 की राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति, कक्षा 11 की आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत - भाग 1 और कक्षा 12 की आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत - भाग 2 शामिल है। ये सभी पुस्तकें हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में थीं। निदेशालय ने सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देश दिए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में इन पुस्तकों का अध्ययन किसी भी विद्यालय में नहीं कराया जाए। राजस्थान में कक्षा आठ तक का पाठ्यक्रम राजस्थान शैक्षिक अनुसंधान परिषद द्वारा तय किया जाता है, जबकि कक्षा 9 से 12 तक का सिलेबस माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर निर्धारित करता है। इनकी सिफारिशों के आधार पर जयपुर स्थित पाठ्यपुस्तक मंडल पुस्तकों का प्रकाशन करता है।

अवैध शराब से भरी कार जब्त

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने अवैध शराब से भरी कार जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में खेरवाड़ा थानाधिकारी करनाराम जाट मय टीम ने नाकबन्दी के दौरान मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर कार को रोक तलाशी ली तो उसमें डेढ लाख रूपये की अवैध शराब के 10 कार्टन मिले। इस पर कार सहित शराब जब्त कर चालक शेख अब्दुल रहमान पुत्र शेख अब्दुल कादर निवासी जुहापुरा वेजलपुर अहमदाबाद गुजरात, साथी सतीष पुत्र रमेश निवासी बडला निचला फला खेरवाड़ा, रोहित पुत्र हाजाराम निवासी बडला निचला फला खेरवाड़ा को गिरफ्तार किया।

ट्रैन की चपेट में आने से 21 वर्षीय युवक की मौत

गौरव

निवाई । झिलाय रोड पर स्थित कुंज बिहारी आश्रम के समीप रेलवे ट्रेक को क्रॉस कर रहे एक युवक ट्रैन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि गौरव उर्फ गौरु (21) पुत्र शिवदयाल जांगिड़ निवासी खंडवा गुरूवार को सुबह करीब साढे 10 बजे कुंज बिहारी आश्रम के समीप रेलवे ट्रैक को क्रॉस कर रहा था।

इसी दौरान वह जबलपुर-जयपुर वाली इन्टरसिटी ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। गौरव राजकीय विद्यालय में फस्ट ईयर का छात्र था। वह परीक्षा देने के लिए घर निकला था। सूचना पर थानाधिकारी घासीराम मय जाब्ते पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से मृतक के क्षतविक्षत शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

खेत में मिला जंग लगा हैंड ग्रेनेड, 10 मीटर तक तबाही की आशंका से दहशत

■ कटाई के दौरान गेहूं की पूली के नीचे मिला विस्फोटक, पुलिस ने घेरा इलाका, बम निरोधक दस्ता अलर्ट

झुंझुनूं (निसं)। झुंझुनूं जिले के बिसाऊ थाना क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया जब गेहूं की कटाई के दौरान खेत में एक जंग लगा पुराना हैंड ग्रेनेड मिला। करीब डेढ़ किलो वजनी इस विस्फोटक को देखकर किसान परिवार और मजदूरों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया।

घटना जीवण का बास गांव के घांघू रोड स्थित खेत की है, जहां किसान नूरे खां चायल के खेत में वर्तमान में सिकंदर अली गांगियासर खेती कर रहा है। गुरुवार को जब मजदूर गेहूं की पूलियां इकट्ठी कर रहे थे, तभी एक पूली के नीचे धातु की संदिग्ध वस्तु नजर आई। पास जाकर देखने पर वह हैंड ग्रेनेड निकला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मजदूर ने जैसे ही वस्तु देखी, उसने तुरंत काम रोककर आसपास के लोगों को बुलाया। किसान सिकंदर अली ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बिसाऊ पुलिस को सूचना दी गई, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। पुलिस ने किया क्षेत्र सील, लोगों को हटाया: सूचना पर बिसाऊ थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र, कॉन्स्टेबल महेंद्र सिंह, धनराज, नरेंद्र और चालक विजय सिंह ने तत्काल खेत और आसपास के क्षेत्र को घेर लिया। ग्रामीणों और पशुओं को घटनास्थल से दूर रहने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने एहतियात के तौर पर बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया है, ताकि ग्रेनेड को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया जा सके।

मौके पर पहुंचे रिटायर्ड फौजी खुशी मोहम्मद ने ग्रेनेड का निरीक्षण कर बताया कि भले ही यह करीब 10 साल पुराना और जंग लगा हुआ हो, लेकिन इसकी विस्फोटक क्षमता अभी भी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह फटता है तो लगभग 10 मीटर के दायरे में भारी नुकसान कर सकता है। ग्रेनेड का वजन करीब 1 से 1.5 किलो और लंबाई 4 से 5 इंच बताई जा रही है। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि यह खतरनाक विस्फोटक खेत के बीच तक कैसे पहुंचा।

नादोती एसडीएम सहित तीन कार्मिक 60 हजार की रिश्वत लेते पकड़े

आरोपियों के कब्जे से 4 लाख की संदिग्ध राशि भी जब्त

■ उन्होंने परिवादी से उसकी भूमि की फाइनल डिक्री जारी करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की सवाई माधोपुर इकाई ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करौली जिले के नादोती उपखंड में एसडीएम सहित तीन कार्मिकों को 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान 4 लाख रुपए की संदिग्ध राशि भी बरामद की गई है।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि उपखंड अधिकारी (एसडीएम) सुश्री काजल मीना, उनके रीडर दिनेश कुमार सैनी और वरिष्ठ सहायक प्रवीण धाकड़ को ट्रैप कार्रवाई में डिटेन किया गया है। तीनों पर आरोप है कि उन्होंने परिवादी से उसकी भूमि की फाइनल डिक्री जारी करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत के अनुसार आरोपियों ने पहले एक लाख रुपए की मांग की थी और बाद में 50 हजार रुपए में सौदा तय हुआ।

सत्यापन के दौरान रीडर दिनेश सैनी ने एसडीएम के लिए 50 हजार रुपए और अपने लिए 10 हजार रुपए की मांग की पुष्टि की।

एसीबी टीम ने योजना के तहत परिवादी को उपखंड कार्यालय नादोती बुलवाया, जहां रिश्वत की राशि 60 हजार रुपए ली गई।

यह राशि रीडर दिनेश सैनी द्वारा लेकर वरिष्ठ सहायक प्रवीण धाकड़ को दे दी गई। इसी दौरान एसीबी टीम ने मौके पर दबिश देकर तीनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान प्रवीण धाकड़ के बैग से 60 हजार रुपए की रिश्वत राशि के साथ 4 लाख रुपए की संदिग्ध नकदी भी बरामद हुई है। इस अतिरिक्त राशि के संबंध में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

यह पूरी कार्रवाई एसीबी के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में की गई। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक एस. परिमला के निर्देशन में मामले की जांच जारी है।

एसीबी ने आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

ऑटो में बैठकर चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

भरतपुर (निस)। शहर में ऑटो में बैठकर महिलाओं को निशाना बनाकर चोरी की वारदात करने वाली गैंग के खिलाफ भरतपुर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में दो महिला आरोपियों और ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया था, वहीं अब चोरी किया गया पूरा माल भी बरामद कर लिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद आईपीएस के निर्देशानुसार चोरी की वारदातों में शामिल अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अटलबंद पुलिस ने यह कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय धर्मेन्द्र यादव एवं वृत्ताधिकारी शहर नरेन्द्र कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी हेमेन्द्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की गहन जांच की। पुलिस के अनुसार शहर भरतपुर में एक महिला ऑटो में बैठी थी, जहां उसके साथ बैठी अन्य महिलाओं ने मौका पाकर उसके जेवरात चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और ऑटो सहित आरोपियों के हुलिए की पहचान की।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, केकड़ी (अजमेर) राज.
Email ID – npkekri2011@gmail.com (O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri
क्रमांक : न.पा.के./मानव संसाधन/2026-27/156 दिनांक : 10.04.2026
-: ई निविदा सूचना (04/2026-27)(NIB NUMBER - DLB2627A0445) :-
एतद् द्वारा है कि राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत पंजीकृत एनजीओ/संस्था/ फर्म/सप्लायर्स से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोपक्योरमें प्रकिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।
UBN No. 1. DLB2627SSRC01355
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका केकड़ी
राज.संवाद/सी/26/909

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
अविप्रा
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 21544817 दिनांक :- 13/04/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि 986.32 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1-2) दिनांक 07.05.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN : AJD2627WLOB00004, AJD2627SLOB00005
राज.संवाद/सी/26/919 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगरपालिका रतननगर (चूरू)
फोन नं- 01562.294114 ईमेलः- mun_rnagar@yahoo.in
क्रमांक : 102 दिनांक : 10.04.2026
-: कार्यालय आदेश :-
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 4347-48 दिनांक 19.03.2026 के द्वारा कचरा संग्रहण हेतु ट्रेक्टर मय ट्रॉली ड्राईवर एवं रख-रखाव सहित दर अनुबंध का कार्य जोन नं. 01 (वार्ड नं. 01 से 10) व जोन नं. 02 (वार्ड नं. 11 से 20) कार्य की जारी ई-निविदा सूचना सं. 07 (2025-26) अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।
सूचित रहे।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रतननगर(चूरू)
राज.संवाद/सी/26/918

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर
क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2026-27/70 - 85 दिनांक :- 10/04/2026
NOTCE INVITING BID
NIT No. 01-16/2026-27
Bids for NRM Works Under MJSA-2.2 and PMSKY project area in Sayla, Jaswantpura, Sarnau, Chitalwana, Jalore, Raniwara, Sanchore, and Bhinmal of estimated Value INR 809.32 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 20-04-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT-01 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK SAYALA MJSA 2 FARMPOND AND ROOP TOP TANKA	WSC2627A0048	WSC2627WSRC00072
NIT-02 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK JASWANTPURA MJSA 2 TANKA AND FARMPOND NIRMAN	WSC2627A0049	WSC2627WSRC00073
NIT-03 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK SARNAU MJSA 2 FARMPOND AND ROOP TOP TANKA NIRMAN	WSC2627A0050	WSC2627WSRC00074
NIT-04 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK CHITALWANA MJSA 2 FARM POND AND TANKA NIRMAN	WSC2627A0051	WSC2627WSRC00075
NIT-05 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK JALORE MJSA 2 NADI, SUNKUN POND, KHADEEN, TANKA, ROOPTOP TANKA AND FARM POND NIRMAN	WSC2627A0052	WSC2627WSRC00076
NIT-06 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK JALORE MJSA 2 KHADEEN, TANKA, ROOP TOP TANKA AND FARMPOND NIRMAN	WSC2627A0053	WSC2627WSRC00077
NIT-07 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK RANIWARA TANKA NIRMAN	WSC2627A0057	WSC2627WSRC00080
NIT-08 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK RANIWARA ROOPTOP TANKA, FARM POND AND KHDEEN NIRMAN	WSC2627A0058	WSC2627WSRC00081
NIT-09 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK SANCHORE ROOPTOP TANKA	WSC2627A0059	WSC2627WSRC00082
NIT-10 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK SANCHORE ROOPTOP TANKA AND FARMPOND	WSC2627A0060	WSC2627WSRC00083
NIT-11 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK SANCHORE FARMPOND NIRMAN	WSC2627A0061	WSC2627WSRC00084
NIT-12 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK CHITALWANA FARMPOND AND TANKA	WSC2627A0062	WSC2627WSRC00085
NIT-13 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK BHINMAL ROOPTOP TANKA AND FARMPOND NIRMAN	WSC2627A0063	WSC2627WSRC00086
NIT-14 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK BHINMAL ROOPTOP TANKA AND FARMPOND NIRMAN	WSC2627A0064	WSC2627WSRC00087
NIT-15 /2025-26 MJSA 2.2	BLOCK BHINMAL ROOP TOP TANKA AND FARMPOND NIRMAN	WSC2627A0066	WSC2627WSRC00088
NIT-16 /2025-26 PMKSY 2.0	BLOCK SANCHORE SUPLLY KHAJUR SET	WSC2627A0067	WSC2627GSRC00089

Raj.Samwad/C/26/922
SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD, JALORE

2200 करोड़ रु. की जमीन पर कब्जा लेने गई हाऊसिंग बोर्ड टीम पर पथराव

बी-2 बाईपास से द्रव्यवती नदी तक 42 बीघा अवाप्तशुदा जमीन पर कब्जा लेने गई थी टीम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । बीटू बाइपास से द्रव्यवती नदी तक 2200 करोड़ रुपए की 42 बीघा जमीन पर गुरुवार को राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की टीम कब्जा लेने गई थी। कब्जाधारियों ने हाउसिंग बोर्ड टीम का विरोध किया और जेसीबी पर पत्थर फेंके। पथराव में किसी को चोट नहीं आई। हाईकोर्ट के आदेश के बाद हाउसिंग बोर्ड प्रशासन ने कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू की थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उप-आवासन आयुक्त संजय शर्मा के नेतृत्व में टीम गुरुवार को दोपहर 3 बजे मौके पर जेसीबी मशीन लेकर पहुंची थी। यहां जेसीबी मशीन से जमीन पर बनी बाउंड्री वॉल, कोठरियां और अन्य अतिक्रमणों के निर्माण को तोडऩा शुरू किया तो वहां रहने वाले कुछ लोगों ने विरोध जताया और हंगामा कर दिया। इस बीच वहां मौजूद कुछ महिलाओं ने जेसीबी पर कुछ पत्थर फेंक दिए। इससे घबराए हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कुछ समय के लिए कार्रवाई रोक दी।

उप-आवासन आयुक्त संजय शर्मा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान हाउसिंग बोर्ड की टीम पर पथराव जैसा कुछ नहीं हुआ। किसी को कोई चोट नहीं आई है। टीम ने कार्रवाई कर करीब 20 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाकर अपने कब्जे में ले लिया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी।

बीटू बाइपास चौराहे से द्रव्यवती नदी तक 42 बीघा से ज्यादा जमीन की हाउसिंग बोर्ड प्रशासन ने वर्ष 1989 में अवाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी। वर्ष 1991 में प्रक्रिया पूरी कर ली गई, लेकिन तब कब्जा नहीं लिया गया। इस बीच जमीन पर कुछ भूमाफियाओं ने जवाहरपुरी भवन निर्माण सहकारी समिति के पट्टे के आधार पर कॉलोनी बसा दी और भूखंड का बेचान दिखा दिया। ये बेचान वर्ष 1981 में जमीन खरीद के आधार पर बताया गया। बताया जा रहा है कि इसमें कई बड़े रसूखात लोगों को भूखंड कौडिय़ों के दाम बेचे गए।

वर्ष 2019 में कॉलोनी के नियमन को लेकर जेडीए ने एनओसी मांगी, लेकिन आवासन मंडल के तत्कालीन आयुक्त ने एनओसी देने से इनकार कर दिया। मंडल ने तर्क दिया कि जब जमीन पर 50 फीसदी निर्माण ही नहीं है तो नियमन क्यों किया जा रहा है? सोसाइटी के खिलाफ एफआई भी दर्ज करवाई गई। मामला एसीबी को भेज दिया गया। ग्राम चैनपुरा एवं दुर्गापुरा की 42 बीघा 10 बिस्वा भूमि के संबंध में जवाहरपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति ने सदस्यों के पक्ष में नियमितीकरण की प्रक्रिया जेडीए में प्रारंभ कर दी थी।

वर्ष 2019 में हाउसिंग बोर्ड भी जेडीए को इसके नियमितीकरण के लिए एनओसी देने की तैयारी में था, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 5 भूखंडधारियों के मामले में यह निर्देश दिया था कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा सिविल न्यायालय में जमा कराई गई मुआवजा राशि बोर्ड को वापस लौटा दी जाए। तब पवन अरोड़ा ने हाउसिंग बोर्ड आयुक्त की जिम्मेदारी संभालते प्रकरण की जांच कर एनओसी रोक दी। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण (अवाप्ति) को निरस्त नहीं किया था। इस आधार पर रिट याचिका भी दायर की गई।

गौरतलब है कि बी-2 बाइपास स्थित श्रीराम कॉलोनी से जुड़ी विवादित करीब 42 बीघा जमीन के मामले में हाईकोर्ट ने हाल ही में हाउसिंग बोर्ड के पक्ष में फैसला दिया था । कोर्ट ने जेडीए की ओर से 29 मई 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और इसके बाद के आदेशों को अवैध माना है।

31 जुलाई 1981 के समझौता विक्रय को भी अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया। जस्टिस गणेश राम मीणा ने बोर्ड की याचिका मंजूर कर निजी पक्ष की 3 याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा कि संबंधित भूमि के अधिग्रहण की कार्रवाई बोर्ड के पक्ष में पूर्ण मानी जाएगी। समझौता विक्रय से स्वामित्व हस्तांतरित नहीं होता। धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश, भले वह अंतिम रूप ले चुका हो, वैध नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी माना कि 12 फरवरी 2002 को एकलपीठ से गलत तथ्यों के आधार पर आदेश प्राप्त किया गया था, इसलिए रद्द किया जाता है।

अवाप्तशुदा जमीन पर कब्जा लेने पहुंची हाऊसिंग बोर्ड की टीम को विरोध झेलना पड़ा।

- मौके पर काबिज लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अफसरों का विरोध करते हुए जेसीबी पर पत्थर फेंके
- राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बाद हाउसिंग बोर्ड प्रशासन ने कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू की थी

सचिवालय राज्य प्रशासन का सबसे बड़ा निकाय : मुख्यमंत्री

'अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण कर्त्तव्यनिष्ठा से काम करेंगे तो आमजन को सरकारी योजनाओं का फायदा मिलेगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष और कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शासन सचिवालय राज्य प्रशासन का सबसे बड़ा निकाय है, जहां से राज्य की सभी नीतियों एवं योजनाओं की शुरूआत कर आमजन को लाभान्वित किया जाता है। सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं, तो सरकारी कामकाज में तेजी आती है, जिसका सीधा लाभ जनता को मिलता है। शर्मा गुरुवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा और नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाए।

- समयबद्ध पदोन्नति से 15 पद सृजित करने की घोषणा की मुख्यमंत्री ने

समारोह में मुख्यमंत्री ने समयबद्ध पदोन्नति से 15 और पद सृजित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी जिन कैडर में पदोन्नति के लिये पूर्व में छूट नहीं मिल पाई, उनके लिये 2 वर्ष की छूट की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बीते सवा 2 साल में कार्मिकों के हितों में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति दी जा रही है, ग्रेच्यूटी सीमा भी 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख की गई है। आरजीएचएस में महिला-पुरुष कार्मिकों को अपने माता-पिता अथवा सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पदोन्नति और वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया है, जो भविष्य में आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। अधिकारियों को रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्मिकों के कल्याण के लिए अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में पुत्रवधू को शामिल, एकल महिला कर्मचारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव 6 चरणों में स्वीकृति तथा महिला कार्मिकों को कार्यस्थल पर बेहतर एवं तनावमुक्त वातावरण देने के लिए "मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन" की स्थापना जैसे प्रावधान किए हैं। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित बड़ी संख्या में सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राजस्थान चैस एसोएिशन के चुनाव पर लगी अंतरिम रोक हटी

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश को रद्द किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राजस्थान चैस एसोएिशन के चुनाव पर एकलपीठ द्वारा लगाई गई अंतरिम रोक हटा दी है। इस आदेश के बाद एसोसिएशन के नए अध्यक्ष लक्ष्मण राठौड़, महासचिव विनेश कुमार शर्मा और कोषाध्यक्ष शैलेश गुप्ता का कार्यकाल शुरू होगा, जिसका चुनाव 4 मार्च 2026 को पूर्व में हो चुका है। इस मामले में याचिकाकर्ता राजस्थान चैस एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और सहायक अधिवक्ता अलंकृता शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे। न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सुनाए।

इस मामले में पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका के चयन के खिलाफ वर्ष 2021 में शिकायत सहकारिता रजिस्ट्रार को दर्ज हुई थी। उसी बीच तत्कालीन सचिव अशोक भार्गव को हटाकर विनेश शर्मा को सचिव नियुक्ति करने का फैसला बोर्ड मीटिंग में लिया गया। बाद में एक और शिकायत दर्ज हुई, जिसमें कहा गया कि, महावीर रांका को चुनाव नहीं लड़ना था। इसके बाद रजिस्ट्रार ने मामले की जांच के लिए अधिकारी नियुक्त कर दिया। इस जांच अधिकारी को हटाए गए सचिव अशोक भार्गव ने कुछ दस्तावेज दे दिए, जो कि उस समय सचिव के पद पर नहीं थे। इस घटनाक्रम के बीच 17 नवंबर 2024 को महावीर रांका व अशोक भार्गव की ओर से रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर पूछा गया कि, जब तक इस प्रकरण की जांच चल रही है, तब तक क्या चुनाव करवाए जा सकते हैं? जबकि समिति का कार्यकाल सितंबर-2025 तक था। इस बीच रजिस्ट्रार की ओर से कहा गया कि, जांच पूरी होने तक चुनाव नहीं करवाए जा सकते।

जब यह मामला हाईकोर्ट की एकलपीठ के समक्ष पहुंचा तो न्यायाधीश गणेशराम मीणा ने 25 फरवरी 2026 को आदेश दिए थे कि, एसोसिएशन चुनाव करवाने के लिए स्वतंत्र हैं, उसके लिए रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति करनी होगी। इस सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अशोक कुमार भार्गव की ओर से कहा गया कि, राजस्थान चैस एसोसिएशन की पुरानी कार्यकारिणी को कुछ अनियमित्ताओं का दोषी पाया है। इसी कार्यकारिणी ने रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। ऐसे में चुनाव के परिणाम को स्थगित किया जाए। इस तर्क को मानते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने समिति पर प्रशासक नियुक्त करने के आदेश दे दिए थे। साथ ही 4 मार्च 2026 को करवाए गए चुनाव पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ में बताया गया कि, एकलपीठ ने 25 फरवरी को दिए गए अपने ही आदेश को गलत पढ़ लिया, क्योंकि अदालत ने एसोसिएशन को चुनाव करवाने के लिए स्वंतत्र किया था। पूर्व में भी ऐसा हो चुका है, कि पूर्व कार्यकारिणी पर जांच बैठने के बावजूद चुनाव करवाए गए हैं, जो कि पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से हुए।

कैंसर पीडित पत्नी के पति का तबादला आदेश पर रोक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कैंसर पीडित पत्नी के स्कूल व्याख्याता पति का तबादला करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं अदालत ने अपीलार्थी को पूर्व की स्कूल से ही पद का वेतन देने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश गोपाल सिंह की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी उदयपुर के फतेह सूरजपोल स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता पद पर तैनात है। हाल ही में उसने एसआईआर की ड्यूटी पूरी की है और अब वह व्याख्याता पद का कार्यग्रहण करना चाहता है। इस बीच विभाग ने उसका तबादला राजसमंद कर दिया। अपील में कहा गया कि अपीलार्थी की पत्नी ब्रेन ट्यूमर से पीडित है और बीते चार साल से उदयपुर में नियमित उपचार ले रही है। ऐसे में अपीलार्थी का तबादला करने से उसकी पत्नी का इलाज प्रभावित होगा। अपील में कहा गया कि अपीलार्थी के पद पर किसी अन्य को पदस्थापित नहीं किया गया है। इसके अलावा एकलपीठ ने याचिकाकर्ता सहित तबादलों से जुड़ी कई याचिकाओं को एक सामान्य आदेश से खारिज कर दिया था। इस दौरान याचिकाकर्ता के तथ्यों पर ध्यान नहीं दिया गया। ऐसे में अपीलार्थी के तबादले पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने अपीलाथी के तबादला आदेश पर रोक लगा दी है।

- हाईकोर्ट ने शिक्षा सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा
- कोर्ट ने अपीलार्थी को पूर्व की स्कूल से ही पद का वेतन देने को कहा है।

सेफ्टी टैंक की दो कुई ढही, मलबे में दबे मजदूर की मौत

जयपुर । हरमाड़ा क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक हादसे में एक मजदूर की जान चली गई। बैनाड़ भेरूजी मंदिर के पास निर्माण कार्य के दौरान सेफ्टी टैंक की दो कुई ढहने से मजदूर मलबे में दब गया। देर तक चले रेस्क्यू के बाद उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब मजदूर टैंक के अंदर काम कर रहा था। अचानक कुई की दीवार भरभराकर गिर गई और वह मलबे में दब गया। इसी दौरान पास की दूसरी कुई भी ढह गई, जिससे मलबा और बढ़ गया तथा मजदूर पूरी तरह दब गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस व बचाव दल मौके पर पहुंचे। भारी मलबा हटाने में घंटों मशक्कत करनी पडी। कडी मेहनत के बाद मजदूर को बाहर निकाला गया।

सार-समाचार

अनियंत्रित कार रैलिंग पर चढ़ी

जयपुर । राजधानी के गांधी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए रेलिंग पर चढ़ गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के अनुसार घटना सुबह गांधी नगर मोड़ पर हुई। तेज गति से आ रही कार अचानक असंतुलित हो गई और डिवाइडर से टकराने के बाद करीब 4 फीट ऊंची रेलिंग पर चढ़ गई। घटना के समय सड़क पर यातायात का दबाव कम होने के कारण अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। कार चालक ने तत्परता दिखाते हुए क्रेन की सहायता से वाहन को रेलिंग से नीचे उतरवाया। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारू कराया। थानाधिकारी भजन लाल ने बताया कि हादसे में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है, हालांकि कार क्षितग्रस्त हुई है।

हाईकोर्ट ने उपायुक्त को तलब किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में वकील की ओर से गंदगी के चलते बीमार होने का आरोप लगाने पर नगर निगम के मालवीय नगर जोन उपायुक्त को 28 अप्रैल को पेश होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता विमल चौधरी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 31 मई, 2012 को शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर 16 बिंदुओं पर विस्तृत दिशा निर्देश दिए थे। इसके बावजूद नगर निगम की ओर से इन बिंदुओं की पालना नहीं की जा रही। याचिका में कहा गया कि बिरला मंदिर के पीछे गणेश नगर कॉलोनी में उनके निवास के आसपास काफी मात्रा में गंदगी है। जिसके चलते वे बीमार हो गए और दस दिन तक हाईकोर्ट में मुकदमों की पैरवी के लिए नहीं आ पाए। इसके अलावा वहां अवैध पार्किंग और पशु डेयरी भी चल रही है। नगर निगम को कई बार शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर अदालत ने स्थानीय जोन उपायुक्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं।

बीकानेर में ऊर्जा क्षेत्र को नई मजबूती

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विद्युत आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बीकानेर स्थित 400 केवी जीएसएस की क्षमता को 630 एमवीए से बढ़ाकर 1130 एमवीए किया गया है, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति अब पहले से अधिक स्थिर, मजबूत और निर्बाध हो सकेगी तथा अक्षय ऊर्जा की निर्बाध निकासी सुनिश्चित होगी। प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि बीकानेर के रायसर-जयपुर रोड स्थित 400 केवी जीएसएस पर 400/220 केवी, 500 एमवीए का नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया है। इसके संचालन से न केवल तकनीकी क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि आम उपभोक्ताओं को अब बेहतर गुणवत्ता की बिजली उपलब्ध होगी। बार-बार होने वाली वोल्टेज समस्या, ट्रिपिंग और लोड कटौती में उल्लेखनीय कमी आयेगी। परियोजना के पूर्ण संचालन के बाद इस जीएसएस से जुड़े आसपास के 6 अन्य 220 केवी स्टेशनों पर भी लोड का संतुलन बेहतर होगा। इससे घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को अधिक निरंतर और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। विशेष रूप से बीकानेर एवं आस-पास के क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए यह उन्नयन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। किसानों को सिंचाई हेतु नियमित एवं पर्याप्त विद्युत उपलब्ध होने से कृषि कार्यों में दक्षता बढ़ेगी एवं उत्पादन में वृद्धि होगी।

55 दिन तक उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौटी नवजात

जयपुर । चित्तौड़गढ़ जिला अस्पताल की एमसीएच विंग में नवजात शिशु देखभाल इकाई ने सुदृढ़ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का सार्थक उदाहरण पेश किया है। यहां महज 900 ग्राम वजन की गंभीर बीमारियों से जूझ रही नवजात को नया जीवन मिला है। चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने इस नवजात का 55 दिनों तक उपचार एवं पूरी देखभाल की, जिससे अब यह बच्ची पूरी तरह स्वस्थ हो गई है।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ और आरसीएच निदेशक डॉ. मधु रतेश्वर ने बताया कि उदयपुर के निजी अस्पताल में 19 फरवरी को डेलवास निवासी प्रसूता हेमलता ने सिजेरियन डिलीवरी के जरिए बच्ची को जन्म दिया था। जन्म के समय बच्ची का वजन मात्र 900 ग्राम था और उसकी स्थिति बेहद गंभीर थी। निजी अस्पताल में महंगे उपचार के कारण बच्ची रैफर होकर चित्तौडगढ़ की एमसीएच विंग में पहुंची। यहां एसएनसीयू विंग में शिशु उपचार के लिए अत्याधुनिक उपकरण और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध है। अविकसित फेफड़े, एस्फिंक्सिया, पीलिया संक्रमण और हृदय संबंधी जटिलताओं से पीड़ित इस नवजात को शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह एवं उनकी टीम ने तत्काल उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाईं।

पहले बच्ची को नली के माध्यम से आहार दिया गया, फिर स्थिति सुधरने पर पलाड़ी और अंत में प्रत्यक्ष स्तनपान सुनिश्चित किया गया। करीब 55 दिनों तक चली इस लंबी जद्दोजहद में नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों ने दिन-रात एक कर दिया। डॉक्टर्स की मेहनत और केयर यूनिट की लगातार मॉनिटरिंग ने इस नन्ही जिंदगी को बचा लिया। अब बच्ची का वजन 900 ग्राम से बढ़कर 1650 ग्राम हो गया है और पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुकी है।

मैकडॉनल्ड आउटलेट का लाइसेंस निलंबित

गौरव टावर स्थित आउटलेट पर खाद्य तेल अनसेफ मिला था

जयपुर । शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गौरव टावर स्थित मैकडॉनल्ड रेस्टोरेंट का फूड लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश पर की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उपयोग में लिए जा रहे खाद्य तेल का टीपीसी (टोटल पोलर कंपाउंड) स्तर निर्धारित मानक 25 से काफी अधिक पाया गया, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मौके से लिया गया यूज्ड कुकिंग ऑयल का नमूना जांच में 'अनसेफ' पाया गया।

प्राथमिक जांच के बाद फर्म को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत सुधार नोटिस जारी किया गया था। हालांकि निर्धारित अवधि के बाद पुन: निरीक्षण में भी आउटलेट पर कई कमियां पाई गईं। इसके बाद अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के निर्देश पर जनहित में कडी कार्रवाई करते हुए फर्म का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। अब उक्त आउटलेट पर किसी भी प्रकार का खाद्य कारोबार, चाहे ऑफलाइन हो या ऑनलाइन, पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आदेशों का उल्लंघन करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान और राजेश नागर की टीम शामिल रही।

उधारी के पैसे को लेकर खूनी संघर्ष

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुहाना इलाके में उधारी के पैसे को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। शातिर बदमाश ने उधारी के पैसे देने का झांसा देकर युवक को बुलाया और उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। बदमाश ने कार में ही चाकू से गला रेता और पेट में चाकू घोंपने का प्रयास किया, परंतु गंभीर घायल होने के बाद भी युवक ने हिम्मत नहीं हारी और कार से नीचे उतर कर धर्मकांटे तक पहुंचा और अपने परिजनों को सूचना दी।

सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने गंभीर घायल अवस्था में युवक को मानसरोवर के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

- मुहाना इलाके में हुई वारदात
- पैसे लौटाने के लिए बुलाकर चाकू से चीर दिया पेट

गौरतलब है कि बांस बीलवा निवासी गोविंद मीणा ने रामचंद्रपुरा निवासी गोविंद बाडेवाल को करीब 30 लाख रुपए उधार दे रखे थे। मंगलवार को बाडेवाल ने फोन कर पैसे लौटाने की बात कही और गोविंद मीणा को लालबाग बुलाया। वहां मिलने के बाद आरोपी उसे अपने घर ले गया। इसके बाद रिश्तेदार से पैसे दिलवाने का झांसा देकर उसे रिंग रोड की ओर ले जाने लगा।

रास्ते में आरोपी ने अपने साथी गिरधारी जाट को भी कार में बैठा लिया। सुनसान रास्ते पर पहुंचते ही दोनों आरोपियों ने मिलकर गोविंद मीणा पर हमला कर दिया। बाडेवाल ने चाकू से उसकी गर्दन और पेट पर कई वार किए, जबकि पीछे बैठे गिरधारी जाट ने रस्सी से उसका गला घोंटने का प्रयास किया।

अचानक हुए इस हमले से युवक बुरी तरह घायल हो गया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। हमले के दौरान गोविंद किसी तरह कार से बाहर निकलकर जान बचाने के लिए भागा। वह लहूलुहान हालत में पास के एक धर्मकांटे तक पहुंचा और अपने परिजनों को सूचना दी।

सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत मानसरोवर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने गोविंद बाडेवाल और गिरधारी जाट के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रदेश के 10 लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण देगी सरकार

जयपुर में विश्वस्तरीय कौशल संस्थान एवं स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर बनेगा

जयपुर । नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) और राजस्थान सरकार मिलकर अगले 5 वर्षों में प्रदेश के 10 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देगी। इस प्रोजेक्ट का रोडमैप बनाने के लिए गुरूवार को जयपुर में 'राजस्थान स्टेट-एनएसडीसी सेक्टर स्किल काउंसिल कौशल संवाद' आयोजित किया गया। इस उच्चस्तरीय परामर्श कार्यशाला की सह-अध्यक्षता कौशल विकास के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा तथा एनएसडीसी के सीईओ अरुणकुमार पिल्लई ने की। कार्यशाला में 28 सेक्टर स्किल काउंसिल्स के सीईओ एवं वरिष्ठ अधिकारी, एनएसडीसी तथा आरएसएलडीसी की नेतृत्व टीमों ने भाग लिया। बैठक में चर्चा की गई कि, राजस्थान में प्राथमिकता वाले प्रमुख क्षेत्रों में पर्यटन, हरित ऊर्जा, रत्न एवं आभूषण, विनिर्माण तथा फ़ूड प्रोसेसिंग शामिल हैं। ऐसे में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण भविष्य की जरूरतों को देखते ही दी जाए। बैठक में अकादमी के फ्यूचर स्किल्स कार्यक्रमों को स्कूलों, कॉलेजों एवं आईटीआई में एकीकृत करने पर भी जोर दिया गया। राजस्थान के कौशल इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने के लिए जयपुर में विश्वस्तरीय कौशल संस्थान एवं स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (एसआईआईसी) की स्थापना तथा 10-15 सेक्टोरल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओईएस) की स्थापना करने पर भी चर्चा की गई। भुवनेश्वर के वर्ल्ड स्किल्स सेंटर एवं भोपाल के ग्लोबल स्किल्स पार्क की तर्ज पर इनका विकास होगा। इस परियोजना पर राजस्थान सरकार ने 450 करोड़ का बजट प्रावधान किया है।

बैठक में चर्चा हुई कि, प्रदेश में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण दिया जायेगा। वर्ष 2030 तक राजस्थान में लगभग 10 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध करवाना लक्ष्य है।

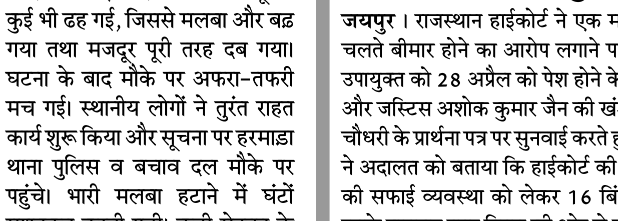

जयपुर में गुरूवार को 'राजस्थान स्टेट-एनएसडीसी सेक्टरस्किल काउंसिल कौशल संवाद' कार्यक्रम आयोजित हुआ।

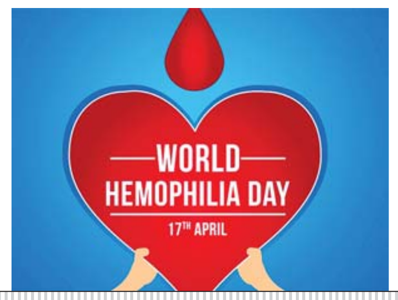

World Hemophilia Day: Raising Awareness for a Rare Bleeding Disorder

Observed annually on April 17, World Hemophilia Day aims to increase awareness about hemophilia and other inherited bleeding disorders. The day highlights the challenges faced by patients, including delayed diagnosis, limited access to treatment, and the high cost of care. Hemophilia, a genetic condition that impairs the blood's ability to clot, can lead to prolonged bleeding and serious health complications if untreated. Global health organisations and patient groups use this occasion to advocate for better healthcare policies, improved access to clotting factor therapies, and stronger community support, ensuring that those affected can lead healthier, more dignified lives.

#ENVIRONMENT

Killing Colonial Forest Policies

The Environmental Legacy of British Colonial Rule in India: A Lasting Impact on Wildlife and Ecosystems

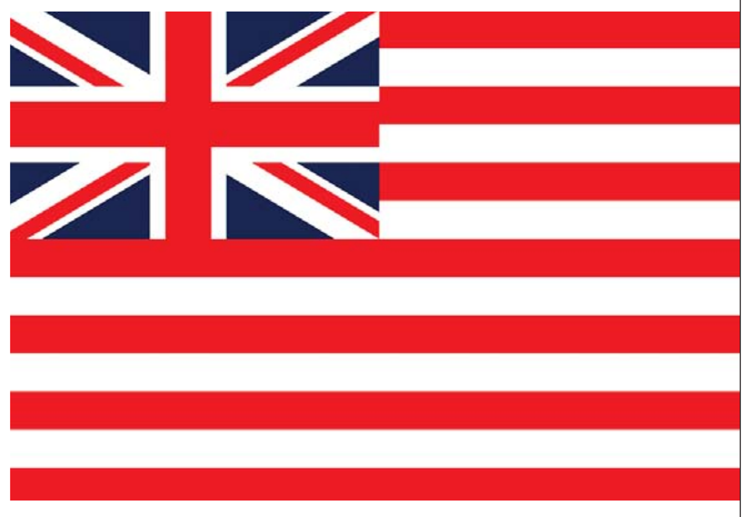

The British colonial era in India, spanning from the mid-18th century to 1947, left an indelible mark on the subcontinent's environment. While the period is often remembered for its political and economic upheavals, its ecological consequences are equally profound and enduring.

Systematic Deforestation and Habitat Loss

Under British administration, vast tracts of India's forests were cleared to meet the demands of the colonial economy. The Indian Forest Act of 1865 and its subsequent amendments, such as the Indian Forest Act of 1927, were instrumental in this process. These legislations redefined forests as state property, restricting local communities' access to resources like firewood, fodder, and timber. This not only led to widespread deforestation but also disrupted traditional livelihoods and cultural practices of indigenous communities.

Introduction of Invasive Species

In 1807, the British introduced Lantana camara, a thorny shrub, to India for ornamental purposes. However, this species became invasive, rapidly spreading across forests and outcompeting native vegetation. The dense thickets of Lantana hindered the movement of large herbivores like elephants, disrupting their feeding patterns and leading them to encroach upon human settlements, thereby escalating human-wildlife conflicts.

Decline in Wildlife Populations

The colonial era witnessed a significant decline in India's wildlife populations. Excessive hunting, both for sport and commercial purposes, decimated species such as the Bengal tiger and the Asiatic cheetah. The introduction of monoculture plantations, like tea and coffee estates, further fragmented habitats, making it difficult for species to thrive. For instance, the Asiatic cheetah was driven to extinction in India due to overhunting and habitat loss during the colonial period.

Displacement of Indigenous Communities

Indigenous communities, particularly Adivasis, were deeply connected to their forested environments. Colonial forest policies, such as the Madras Forest Act of 1882, severely restricted their access to forests, undermining their traditional practices like shifting cultivation (podu) and forest-based livelihoods. These policies not only displaced communities but also eroded their cultural identity and social structures.

Long-Term Ecological Consequences

The ecological degradation initiated during the British Raj has had long-lasting effects. The loss of biodiversity, coupled with the destruction of ecosystems, has led to imbalances in predator-prey dynamics and increased human-wildlife conflicts. Furthermore, the fragmentation of habitats has hindered species migration and adaptation, making it challenging for wildlife to cope with environmental changes.

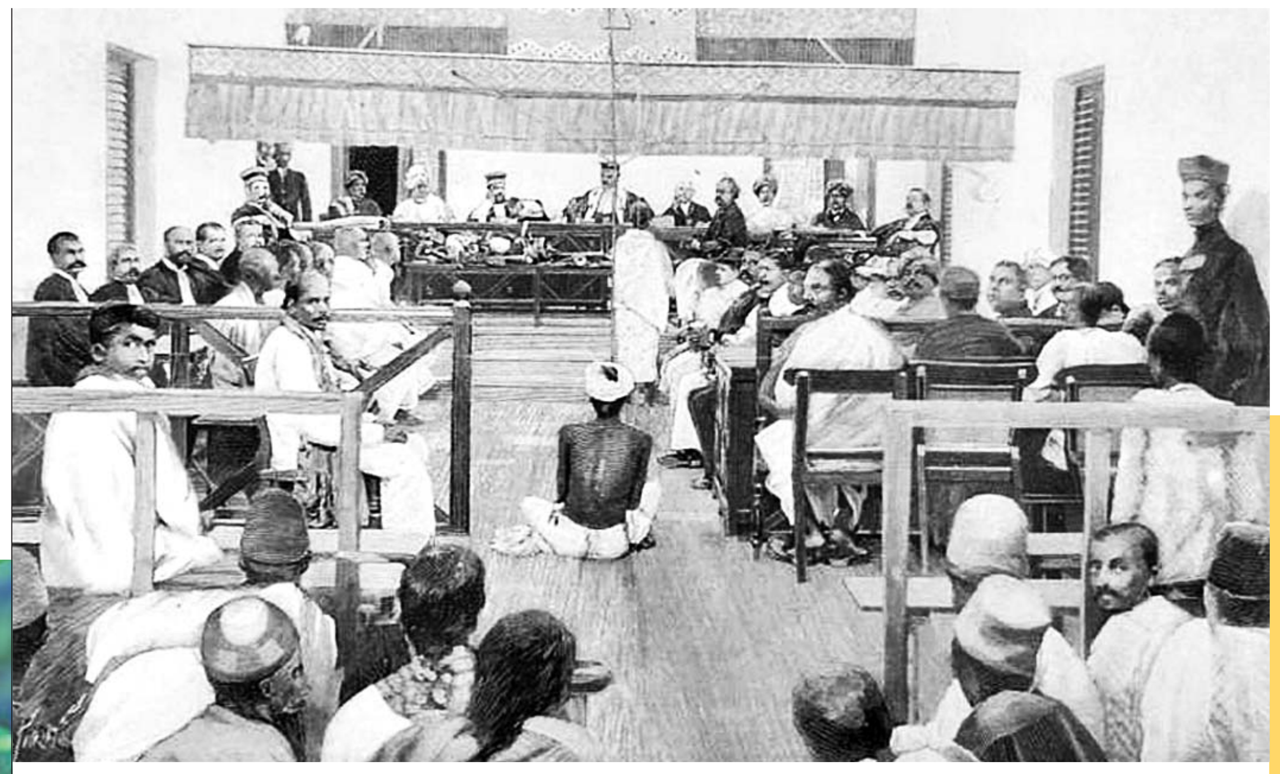

A photograph in a French magazine of a session of the criminal bench of the Karaikal Court in French India, in 1895. A series of ceiling punkahs are activated by the man seated on the floor.

Sweating Locals For A Colonial Comfort

PART:1

Two important developments between the late-eighteenth and the mid-nineteenth century might have had particular influence in the promotion of the punkah from an item of comfort and luxury to an instrument of absolute necessity. The first of these was a possibly newly formed medical understanding since early nineteenth century concerning the European's susceptibility to the 'tropical' climate of India, that in some of its more pointed articulations, cast the punkah and similar devices as a critical factor in avoiding mortality. "Whoever cannot provide himself with these artificial cooling appliances," commented a climatological treatise, "…languish and gasp for air…Little by little, the European loses appetite and sleep…all power and energy forsake him."

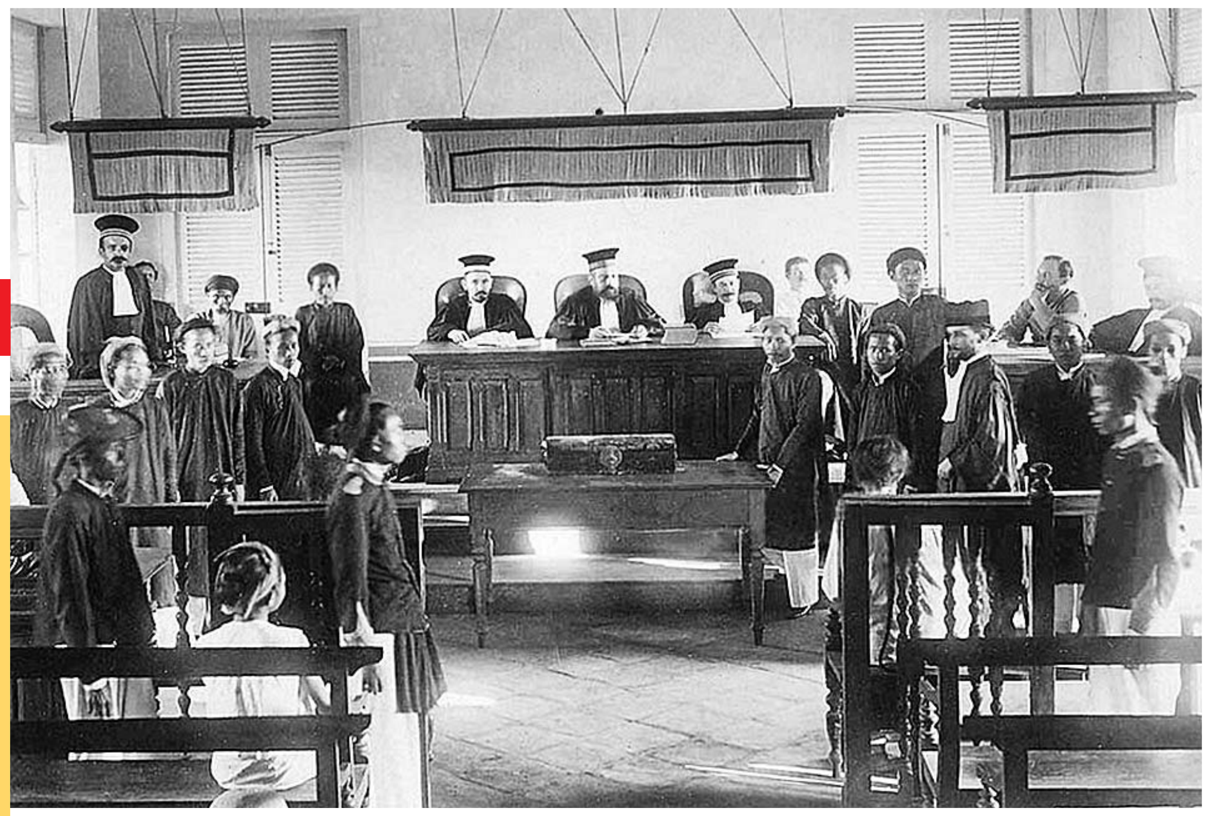

Punkahs were used all over South-east Asia. This photograph shows a Vietnamese court with a ceiling punkah.

#THE PUNKAH

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

When the British first came to India, they had to adapt themselves to a lot of unfamiliar things, such as the climate, the blood sucking mosquitoes, the spicy food, the language. But the one thing they couldn't get used to was the heat.

Summer in India begins from April and lasts until October. In the north and in the west, the summer arrives early. In this part of India, April and May are usually the hottest months after which the monsoon helps keep temperatures down. In eastern India and in the coastal regions, rains delay the onset of summer. But as rainfall becomes scarce, heat begins to build up, which is exacerbated by the humidity from the sea creating a very suffocating experience. The *pankah* was the life saver that made British lives at all possible in India.

The punkah, a ceiling fan with its roots in ancient civilizations, is a fascinating example of how a simple invention can evolve and have a profound impact on both daily life and the global spread of technology. This cooling device, originally designed to alleviate the oppressive heat of tropical climates, would go on to influence the creation of modern fans and air-conditioning systems.

Origins of the Punkah

The word *punkah* comes from the Persian word pankha, meaning "fan" or "to blow." The device itself has a long history, dating back to at least 500 BC, when it was first used in the ancient Persian Empire. In Persia (modern-day Iran), large hand-held fans made of feathers or fabric were employed to provide relief from the intense heat. These early fans were likely operated by servants or slaves, and the cooling process involved manual effort, requiring someone to wave the fan back and forth.

The British Adoption and Innovation: Fabric Panels and the Punkahwalla

As the British established themselves in India during the 18th and 19th centuries, they adopted the punkah for its practicality in combating the unbearable summer heat. The punkah's design in India became distinct from its earlier Persian counterpart. Large rectangular or square fabric panels, often made of cotton or linen, were mounted on a wooden frame, creating an efficient yet simple mechanism. These fans were typically suspended from the ceiling and attached to ropes or pulleys, which would allow a servant, called a *punkahwalla*, to pull the ropes and swing the fan back and forth, creating a breeze in the room.

The punkahwalla became an essential part of daily life in affluent British homes and offices in India. It was a labour-intensive job, as servants would often spend hours pulling the rope to keep the fan swinging. The presence of a punkah and a punkahwalla in a home became a symbol of wealth and status, as it signified that the family had the resources to employ staff to maintain such comforts.

Punkahs were a luxury found only in palatial homes and government bungalows and offices. As one British resident described, "You have a punkah over your bed, another over your bath-tub, another at your dressing-bureau, another over your dining-table, and another above your desk. Your body servant calls out to your punkah-wallah and has him shift from one cord to another as you move about your room, or go from one room to another. You have the punkah in motion all day and all night somewhere, and for this purpose, you must have two men to relieve each other. When you go to bed … you are fanned to sleep."

The Punkah in the Colonies: A Cooling Revolution

The punkah wasn't confined to just British homes in India; it became a common feature in public buildings, government offices, and even hospitals and barracks across British colonies. The cooling device played a crucial role in ensuring that colonial administrators, soldiers, and others working in tropical climates could tolerate the heat during the long, oppressive summers.

By the early 19th century, the punkah had spread beyond India and found its way to other parts of the British Empire, particularly in the colonies of the Caribbean, Africa, and Southeast Asia. In these regions, the punkah was used not only by the British colonial elite but also by local populations who had come to appreciate the cooling benefits it provided. In many cases, the fan was adapted for larger spaces, like public buildings or military barracks, and it became a familiar feature of life in the colonies.

In 1819, a significant innovation took place in the princely state of Awadh (modern-day Uttar Pradesh, India). A steam-powered punkah was introduced, which eliminated the need for manual labour. This mechanical version was the precursor to the electric fans that would come later, and it marked a shift towards more automated cooling systems.

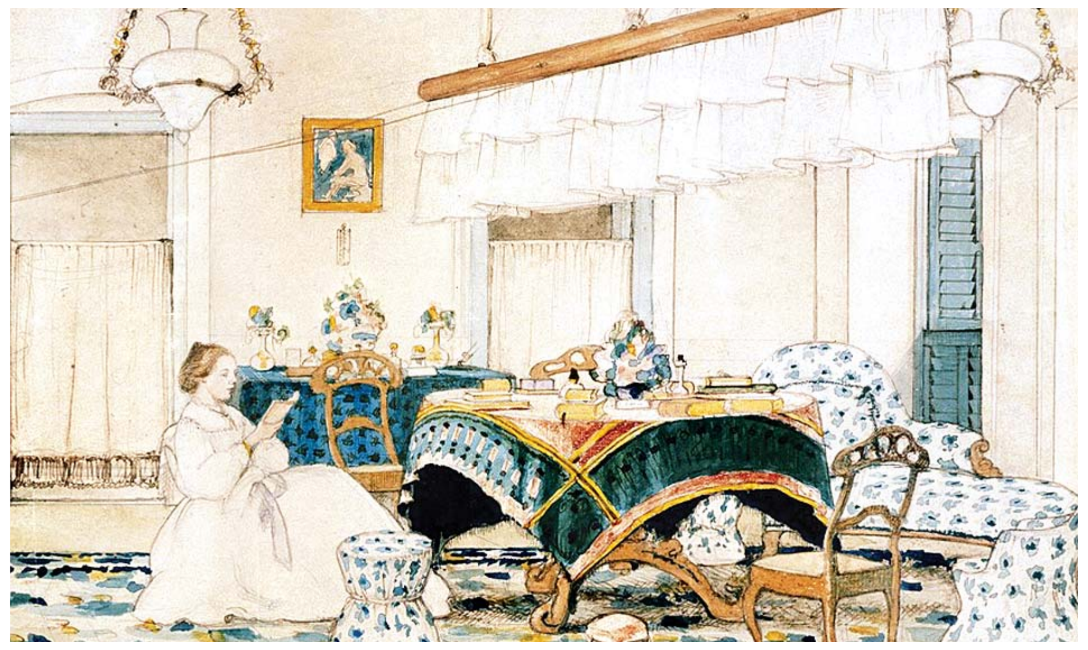

The Exploitation of the Punkahwalla

While the punkah provided a much-needed solution for dealing with the heat, it also became a symbol of the exploitation of colonial labour. The punkahwalla, often a low-ranking servant, was tasked with the physically demanding and monotonous work of operating the fan. This job, while essential for the comfort of the colonial elite, was poorly compensated, and many punkahwallas worked long hours in hot, humid conditions with little regard for their well-being.

The punkah-wallah functioned as a "human machine," often working day and night in 12-hour shifts. They were frequently subjected to harsh, even fatal, punishment by British officers for falling asleep, notes in some accounts indicate that employers sometimes tied the puller's hair to the rope to keep them awake.

Punkah-wallahs were paid very low wages, with reports indicating they often received only a few annas per day/night. In military barracks, the hiring was handled by 'Thekedars' (contractors), who brought workers from villages, often exploiting them further by taking a percentage of their earnings.

The punkah and its pullars

The traveler Peter Mundy noted the presence of 'the great artificial fanne of linen which hanges downe from aloft' at Shah Jahan's court in Agra where he was visiting in 1632. The Hobson-Jobson guide described an even longer lineage of the punkah, stretching back to the Arab world of the 8th century.

In the process, it discounted the apocryphal account becoming popular towards the end of the nineteenth century, that the origin of the punkah lay in an East-India Company officer's ingenious plan of hanging a table-top from the ceiling and getting his native attendant to 'swing' it above his head by tugging at it with an attached string. Yet, it is still quite difficult to deny that colonial settlers in late eighteenth and early nineteenth century India seemed to have reinvented the use of the device on the most exaggerated scale against those mighty foes, the scorching sun and the suffocating humidity of tropical India.

There was comfort in the punkah, the kind that Justice Hyde did not have as he left the courtroom several times to change his shirt, soaking wet with perspiration, during Nanda Kumar's infamous trial in 1775. Settler Europeans' use of the punkah and its pullers, along with numerous other domestic servants, also connoted distinctive elements of 'status' and 'luxury' to metropolitan visitors. Similar distinctions, of course, also applied to the use of the ornate hand-held fans, which the French voyager de Grandpre noticed were being used individually for every attendee at the dinner table of his hosts in Calcutta.

But by 1789, when he was recording these notes, these fans had already acquired their younger and more mechanical cousin, who eventually usurped their name in future glossaries with a pride of false precedence. By 1848, one such glossary described the hand-held fan to be 'more of an ornament,' while the 'swing punkah' had apparently become an 'indispensable' fixture in 'all principal apartments' of European homes. The swing punkah definitely had the advantage of scale, it could fan over larger congregations and spaces and thus could be used in both private and public settings (like churches).

But still, not every European was necessarily very keen about it. Colesworthy Grant (1813-1880) maintained a difference between the way one 'may enjoy it as a relief' and the way others demand it 'as a necessity, and are unable to stir from under the punkah for an instant but in the greatest discomfiture.'

Two important developments between the late-eighteenth and the mid-nineteenth century might have had particular influence in the promotion of the punkah from an item of comfort and luxury to an instrument of absolute necessity. The first of these was a possibly newly formed medical understanding since early nineteenth century concerning the European's susceptibility to the 'tropical' climate of India, that in some of its more pointed articulations, cast the punkah and similar devices as a critical factor in avoiding mortality. "Whoever cannot provide himself with these artificial cooling appliances," commented a climatological treatise, "…languish and gasp for air…Little by little, the European loses appetite and sleep…all power and energy forsake him."

Exemplary of this new sense of alienation from the Indian climate was the naval surgeon James Johnson's ideas. Johnson categorized the punkah and the palanquin as 'rational enjoyments' that were 'rendered necessary by the great difference between a temperate and torrid zone.' Together with them, he also classed in this category, 'the numerous retinue of domestics, anticipating (our) every wish.' In his reckoning, both the devices as well as the human labour working for them came framed through a 'tropical' setting to mitigate the weather-induced exhaustion of European bodies. Thus, the famed palanquin carriers, the 'balasore-bearers' were considered by Johnson to be naturally endowed for service as they could 'go through three times as much fatigue…as would kill an Englishman outright,' even though they might not match up to him in physical strength.

Not all of Johnson's contemporaries would possibly share his (racialized) commendation of the virtues of 'Balasore bearers'. These were a group of Oriya palki carriers in early-colonial Calcutta, who while providing their services for public transport, also often doubled up as privately employed servants. Led by a set of chiefs, these Oriya migrants were notorious for their organized character and their collective capacity to astutely bargain the conditions of their lives and livelihood.

In the domain of public transport, the Company state found it difficult to control their erratic hiring rates as well as their untimely unavailability during pilgrimage seasons. When working in private capacity as servants or palki carriers, Oriya workers, as Balthazar Solvyns noted, frequently quoted religious rules set by their chiefs in order to refuse services like lighting a tallow candle or handing a glass of water. This reluctance to conduct certain kinds of tasks in European homes extended for some time to the new requirement of punkah-pulling.

In the early nineteenth century, an observation recurs in colonial accounts about these Oriya servants, but also at times about other, possibly Muslim attendants, refusing to pull the punkah over a table serving beef or pork. In many ways then, there existed an obvious gap between a Johnson-like fantasy of tireless menial labour compensating for the heat-induced exhaustion of the 'tropics' and the realisation of this fantasy in terms of native servants systematically subjecting themselves to the gradually multiplying demands that the punkah made on their labouring time.

If this gap was eventually tided over, this had to do with a sustained campaign of the Company state towards regulating the service labour population of early-colonial Calcutta, and particularly, the 'Balasore bearers.' These Oriya migrants were policed, threatened, and subjected to strict regimes of clock-time and hiring-rate control. The social and financial principles of their collective existence were ruthlessly attacked.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

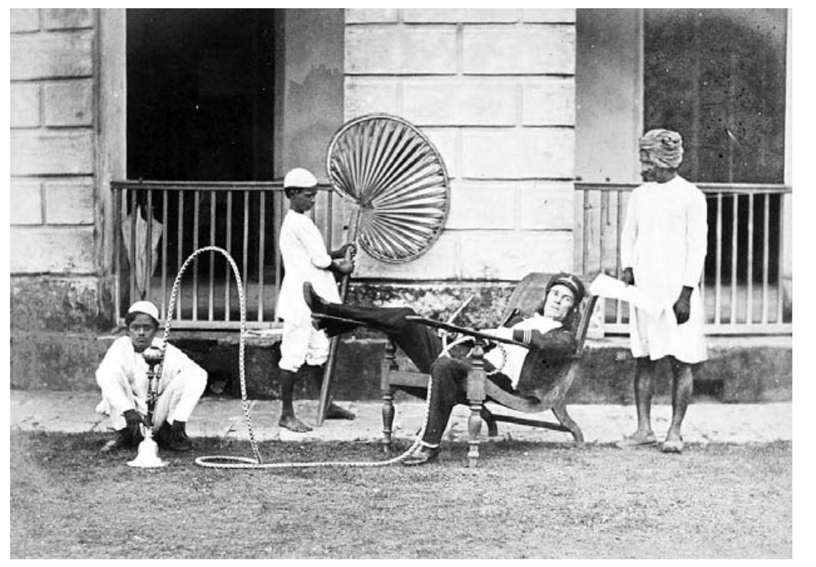

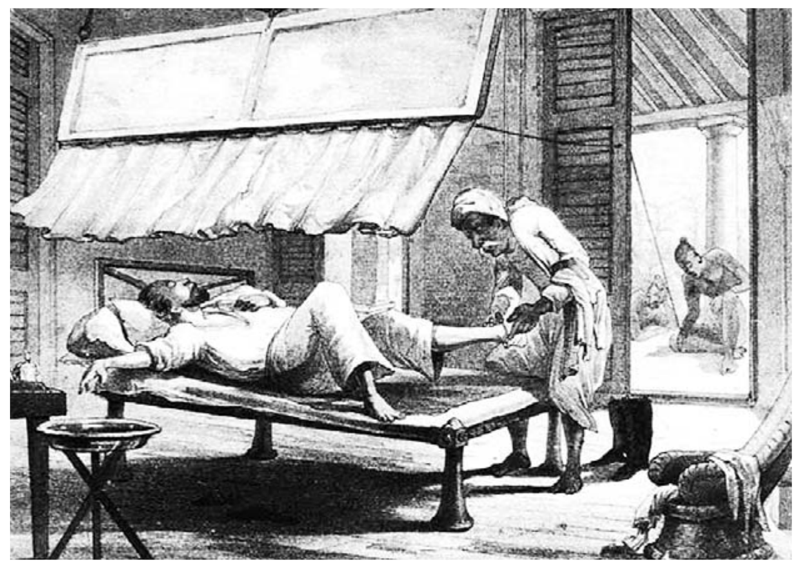

THE WALL

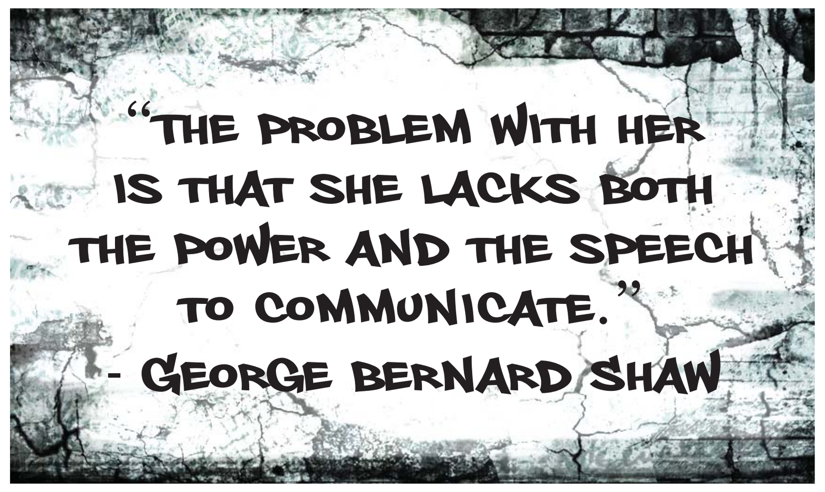

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

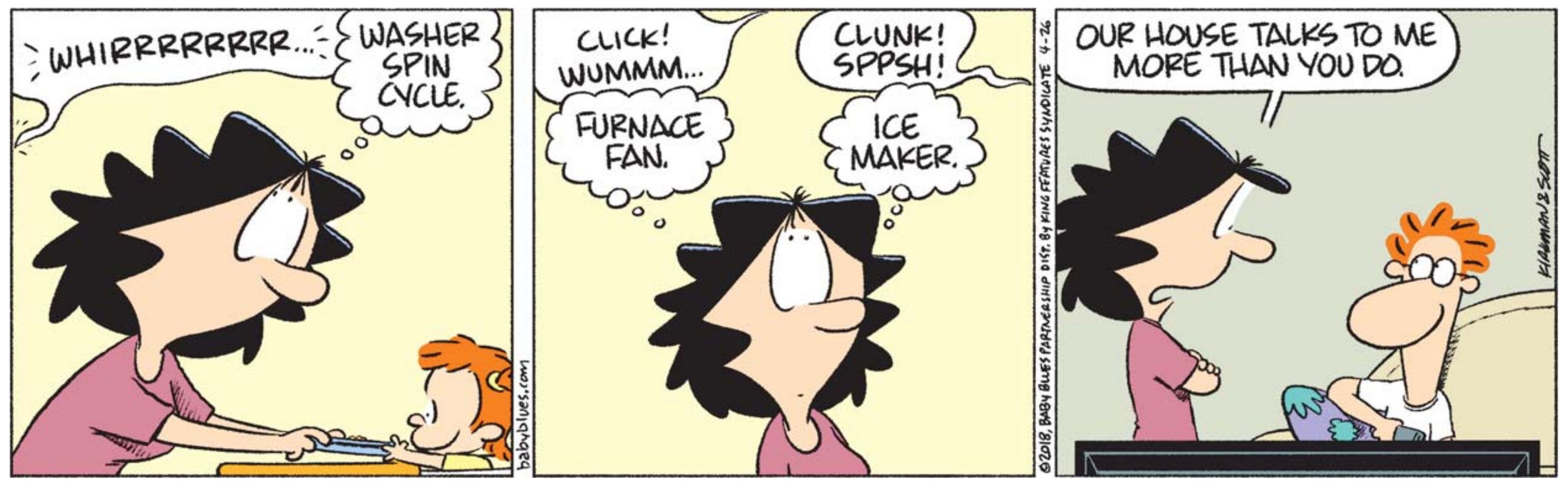

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

50 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोपी सहायक गैरीसन इंजीनियर को जेल भेजा

तीन साल की नौकरी में 1.5 करोड़ का बंगला व 30 लाख की कार खरीदी

जोधपुर (कासं)। रिश्वत लिए जाने के आरोप में पकड़े गए एमईएस के सहायक गैरीसन इंजीनियर को दो दिन रिमांड पूरी होने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है।

▪ **35 लाख रुपए के बिल का भुगतान करने के बदले 50 हजार रुपए रिश्वत लेने पर रंगे हाथों पकड़ा था**

35 लाख रुपए के बिल का भुगतान करने के बदले 50 हजार रुपए रिश्वत लेने पर रंगे हाथों पकड़ा था। सीबीआइ की गिरफ्त में आने वाले जयपुर की एमईएस के सहायक गैरीसन इंजीनियर से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। आरोपी सहायक गैरीसन इंजीनियर ने सिर्फ तीन साल की नौकरी में ही 1.50 करोड़ रुपए का बंगला और तीस लाख रुपए की लग्जरी कार खरीद ली। जयपुर स्थित सरकारी क्वार्टर से सीबीआइ ने तीन लाख रुपए भी जब्त किए हैं। आरोपी को अदालत ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए।

सूत्रों के अनुसार जोधपुर की एक कम्पनी को एमईएस जयपुर में टेंडर मिला था। जिसका 35 लाख रुपए का बिल बकाया है। जिसका भुगतान करने के बदले एमईएस जयपुर के गैरीसन इंजीनियर सुधांशु सुमन ने 90 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने सीबीआइ की जोधपुर ब्रांच में लिखित शिकायत दी। गोपनीय सत्यापन में गैरीसन इंजीनियर सुधांशु सुमन के 50 हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई थी। उसने रिश्वत के लिए परिवादी को जयपुर बुलाया।

सीबीआइ भी परिवादी के साथ जयपुर पहुंच गई, जहां गत दस अप्रेल को परिवादी ने सहायक गैरीसन इंजीनियर सुधांशु सुमन को 50 हजार रुपए रिश्वत दी। तभी सीबीआइ जोधपुर के प्रभारी राजवीर सिंह के निर्देशन में सीबीआइ अधिकारियों ने दबिश देकर सहायक गैरीसन इंजीनियर बिहार के भागलपुर निवासी सुधांशु सुमन को 50 हजार रूपए रिश्वत लेने पर रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उसे जोधपुर लाकर गत शनिवार को सीबीआइ मामलात की विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट के आवास पर पेश किया गया था, जहां से उसे दो दिन रिमांड पर भेज दिया गया था। रिमांड अवधि समाप्त होने पर आरोपी सुधांशु सुमन को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

अन्य अधिकारियों की भूमिका की जांच जारी सीबीआइ ने दो दिन रिमांड के दौरान आरोपी सुधांशु सुमन से पूछताछ की। रिश्वत लेने के मामले में विभाग के अन्य अधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। आरोपी सुधांशु सुमन ने वर्ष 2019 में रूडक़ी से आइआइटी की थी। वर्ष 2023 में उसे एमईएस में बतौर सहायक गैरीसन इंजीनियर नियुक्ति मिली थी। वह एमईएस जयपुर में पदस्थापित है। उसने एक साल बाद ही वर्ष 2024 में बिहार के भागलपुर में 1.50 करोड़ रुपए में बंगला खरीदा था। आश्चर्यजनक रूप से उसने मकान अपने खुद के नाम और 1.50 करोड़ रुपए में रजिस्ट्री कराई थी। इतना ही नहीं, गत वर्ष अगस्त में तीस लाख रुपए की लग्जरी कार भी खरीदी थी। आरोपी सुधांशु सुमन के जयपुर स्थित सरकारी क्वार्टर की तलाशी लेने पर सीबीआइ को तीन लाख रुपए मिले। जिनके संबंध में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। रुपए जब्त किए गए हैं। उसकी चार महीने पहले ही शादी हुई थी। उसके पकड़े जाने पर नवविवाहित पत्नी व रिश्तेदार भी जोधपुर आए।

भारतीय संस्कृति से जुड़कर सहकार के भाव को प्रबल करें : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण समारोह राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया।

जालोर,(कासं)। राज्य के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को राजेन्द्र नगर जालोर स्थित जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के नवनिवर्मित प्रधान कार्यालय का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. जालोर के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय के लोकार्पण की शुभकामनाएँ देते हुए सहकारी बैंकिंग संस्थाओं के आम व्यक्ति के जीवन में वित्तीय महत्व के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक छोटे उद्यमियों, कुटीर उद्योगों, किसानों, मजदूरों, फल-सब्जी के विक्रेताओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवा उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायता देते है। इससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को स्वरोजगार का मौका मिलता है। यही सहकार है जो सबको साथ लेकर आगे बढ़ता हैं।

राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में सहकारिता क्षेत्र में अपने जीवन के अनुभव व संस्मरण साझा करते हुए डेयरी व कृषि के व्यवसाय में सहकारी संस्थाओं का महत्व बताया। उन्होने कहा कि राज्य में कृषि व डेयरी क्षेत्र में विकास व नवाचार के लिए सहकारिता से जुड़े संस्थानों को पारदर्शिता व कर्मठता से कार्य करने होंगे एवं इन वित्तीय संस्थानों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आधिकाधिक संख्या में वंचित वर्ग के लोगों को जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2014 में शुरू की गई जन-धन योजना के तहत कुल 56 करोड़ नवीन बैंक अकाउंट खोले गए। जिससे आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का डीबीटी के माध्यम से सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के पथ पर निरंतर अग्रसर है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में डेयरी के क्षेत्र में सहकारिता द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप दुग्ध उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने भारतीय शिक्षा पद्धति व ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने तथा भारतीय संस्कृति से जुड़कर सहकार के भाव को प्रबल करने की बात कही। समारोह में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सहकारिता के क्षेत्र में गुजरात व महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करने व गुड प्रेक्टिसेस को बढ़ावा देने की बात कही। जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. जालोर के अध्यक्ष मोहन पाराशर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बैंक की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एण्ड डवलपमेंट कॉपोरेशन के अध्यक्ष ज्योतिन्द्र भाई मेहता व नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक एण्ड क्रेडिट सोसायटीज के अध्यक्ष लक्ष्मीदास ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन परमानन्द भट्ट, नूर मोहम्मद व एम.एल.गुर्जर ने किया। लोकार्पण समारोह में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इंदोलिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर भीनमाल डॉ. पूजा सक्सेना, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र देवासी, दानाराम चौधरी, दीपसिंह धनानी, गजेन्द्र सिंह सिसोदिया, रवि सोलंकी, बैंक के उपाध्यक्ष ललित दवे, मंजू सोलंकी, सुरेश सोलंकी, दिनेश महावर, महेश भट्ट, रतन सुथार, अमन मेहता सहित बैंक के पदाधिकारी व सदस्य सहित आम नागरिक उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जालोर में किया पुलिस शहीद स्मारक का लोकार्पण - राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को जालोर पहुँचे। जहाँ उन्होंने पुलिस लाईन जालोर स्थित पुलिस शहीद स्मारक का लोकार्पण किया।

पुलिस से मुठभेड़, गैंगस्टर के पैर में लगी गोली

श्रीगंगानगर, यहा सुबह करीब 3 बजे सदर थाना पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से लॉरेंस गैंग का एक्टिव बदमाश संजय उर्फ चद्दर उर्फ संजू बुरी तरह घायल हो गया। घायल बदमाश को तुरंत जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

▪ **लॉरेंस गैंग के लिए करता था काम; व्हाइट हाउस पर फायरिंग कर मांगी थी फिरौती**

बदमाश पर कई थानों में फिरौती मांगने के मामले दर्ज है। दो साल पहले बिजनेसमैन के व्हाइट हाउस (कोठी) पर फायरिंग कर फिरौती मांगी थी।

जानकारी अनुसार पुलिस को बाईपास क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। उसी आधार पर थानाधिकारी सुभाष ढील ने सूरतगढ़ बाईपास पुल पर नाकाबंदी की। सुबह करीब 3 बजे बदमाश संजय उर्फ चद्दर उर्फ संजू बाइक से शहर की तरफ आ रहा था। पुल पर पुलिस की नाकाबंदी देखकर वह भागने लगा।

पुलिस ने बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया तो बदमाश ने पुलिस टीम पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के दाएं पैर की जांघ में गोली लग गई और वह गिर पड़ा। पुलिस ने तुरंत उसे काबू में लिया और हॉस्पिटल पहुंचाया। घायल बदमाश की पहचान संजीव उर्फ चद्दर उर्फ संजू बिश्नोई (27) पुत्र अश्वनी बिश्नोई निवासी रोहिड़ावाली, श्रीगंगानगर के रूप में हुई है। वह लॉरेंस गैंग के लिए काम करता है और उसके खिलाफ़ अलग-अलग थानों में करीब 10 मुकदमे दर्ज हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिला हॉस्पिटल में अफरा-तफरी मच गई। पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़ समेत आधा दर्जन डॉक्टर इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे और घायल का इलाज शुरू कर दिया। सुरक्षा के लिहाज से हॉस्पिटल के चारों तरफ भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मुठभेड़ की खबर मिलते ही पुलिस एसपी हरी शंकर, एएसपी रघुवीर शर्मा और डीएसपी विष्णु खत्री सहित कई वरिष्ठ अधिकारी हॉस्पिटल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घायल बदमाश लॉरेंस गैंग का कुख्यात सहयोगी है। इससे पहले भी इस पर गोली चलाई जा चुकी है। पुलिस अब उसके पूरे नेटवर्क और अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है। 20 जनवरी 2022 को श्रीगंगानगर में सुखाडिया सर्किल स्थित टांटिया हॉस्पिटल के बाहर फायरिंग हुई थी। यह फायरिंग लॉरेंस बिश्नोई के चचेरे भाई सचिन थापन ने करवाई थी, जिसमें पकड़ा गया आरोपी भी शामिल था। फायरिंग फिरौती लेने के लिए की गई थी। दो साल पहले श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ स्टेट हाईवे पर स्थित नाथावाली में नहर किनारे बिजनेसमैन के व्हाइट हाउस (कोठी) पर भी फायरिंग की गई थी।

अनूपगढ़ में 10 ग्राम अफीम, 850 ग्राम डोडा पोस्त जब्त

अनूपगढ़, पुलिस ने नशे के खिलाफ़ अभियान चलाते हुए दो अलग-अलग कार्रवाइयों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में 10 ग्राम अवैध अफीम और 850 ग्राम डोडा पोस्त जब्त किया गया।

▪ **नशे के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाई में दो आरोपी गिरफ्तार**

पहली कार्रवाई एसआई गोविंद सिंह के नेतृत्व में प्रेम नगर में रैन बसेरे के पीछे वाली गली में की गई। गश्त के दौरान पुलिस ने एक कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर कार को रोका और चालक से पूछताछ की। उसने अपना नाम विशाल पुत्र सुमेश कुमार निवासी चक 22 पी, नई मंडी घड़साना बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 10 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने विशाल को गिरफ्तार कर परिवहन में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया। इसी तरह, दूसरी कार्रवाई एसआई पृथ्वीराज द्वारा नेशनल हाईवे भारतमाला सड़क पर गांव पांच के मोड़ के पास की गई। यहां पुलिस ने एक व्यक्ति को 850 ग्राम डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया।

आरोपी की पहचान लखवीर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह निवासी चक 11 पी, अनूपगढ़ के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह बीकानेर के एक व्यक्ति से 1 किलो डोडा पोस्त खरीद कर लाया था, जिसमें से कुछ का सेवन उसने कर लिया था और बाकी अपने गाँव ले जा रहा था।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी को 10 लाख देने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर द्वितीय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में बीमा कंपनी द्वारा दुर्घटना में हुई मृत्यु को हृदयाघात बताकर दावा खारिज करने को विधि विरुद्ध और सेवा में कमी करार दिया है। आयोग ने संबंधित बीमा कंपनी को परिवादी को मुआवजा देने के निर्देश जारी किए हैं।

▪ **बीमा दावा खारिज करना पड़ा महंगा, - उपभोक्ता आयोग ने दिलाई राहत**

आयोग अध्यक्ष यतीश कुमार शर्मा और सदस्य अनुराधा व्यास ने अपने निर्णय में एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया कि वह परिवादी को 45 दिनों के भीतर 10 लाख रुपए की बीमा राशि के साथ 5-5 हजार रुपए हर्जाना और परिवाद व्यय के रूप में अदा करे। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करने पर कंपनी को 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

परिवादी सुनीता वैष्णव ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से आयोग में परिवाद प्रस्तुत किया। परिवाद में बताया गया कि उनके पति की 10 दिसंबर 2023 को घर में फिसलने से कनपटी और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मृत्यु हो गई थी। उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।बीमा कंपनी ने दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पुलिस जांच में मृत्यु का कारण दिल का दौरा बताया गया है। हालांकि परिवादी पक्ष के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि दावा प्रपत्र में सरकारी चिकित्सक ने मृत्यु का कारण सिर में लगी चोट बताया है

हादसे में युवक की मौत, दो घायल

भरतपुर (निस)। कोतवाली थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में बाइक सवार तीन युवकों को अनियंत्रित ट्रक द्वारा रौंद दिए जाने की घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो जनों को उपचार के लिए आरबीएम अस्पताल में भर्ती किया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक को लेकर मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गए और बाइक करीब 50 मीटर तक ट्रक के साथ घसीटते हुए चली गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पैंगोर निवासी भोला अपने दोस्त रविंद्र और रोहित के साथ गांव से कुम्हेर गेट बाजार में नए कपड़े खरीदने जा रहा था, तभी रास्ते में वे इस हादसे का शिकार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया।

दो सगे भाईयों की मौत

बीकानेर। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। हादसा बीदासर रोड स्थित सालासर फांटे पर बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ।

जस्सूराम मेघवाल (17) पुत्र रामप्रताप और अशोक (22) श्रीडूंगरगढ़ से अपने गांव गांव कल्याणसर लौट रहे थे। इसी दौरान सालासर फांटे के पास उनकी बाइक की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने रात में ही परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिवार के लोग हॉस्पिटल पहुंचे।

खेतड़ी पुलिस ने हत्या के प्रयास के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया

खेतड़ी (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों व एक नाबालिग को पहले निरूद्ध किया गया था।

थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 10 अप्रैल 25 को रंवा निवासी विजेन्द्र कुमार ने रिपोर्ट पेश कि कि दिनाक 9 अप्रैल को समय करीब 6.30 बजे शाम उसका बड़ा भाई राजेश कुमार खेत में ट्रेक्टर से खेत की जुताई कर रहा था। उस समय उनके ही गाँव का रतन सिंह पुत्र रुपचन्द, जाति गुर्जर खेत पर अपने तीन अन्य साथियों के साथ मोटर साईकिल पर सवार होकर हाथो में लाठी व लोहे का सरिया लेकर आये और आते ही खेत में घुसकर उसके भाई राजेश कुमार पर लाठियों व सरियों से ताबड तोड़ कातिलाना हमला कर दिया। जिससे उसके सिर, बायें हाथ, दोनो पैरों तथा बायें आँख के उपर गंभीर चोटे कारित कर घायल कर दिया।

राजेश कुमार ने बताया कि उसके सिर व आँख पर रतन सिंह ने लोहे के सरिये की तथा हाथ व पैरों पर उसके तीनों साथियों ने लाठियों से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर मारपीट की है। तथा उक्त लोग जाते वक्त कह रहे थे कि तुमने हमारा स्कूल के मामले में विरोध किया था उसका बदला लिया है।

गंभीर घायल होने पर हमने तुरन्त प्रभाव से राज अस्पताल सिंघाना में ईलाज हेतु भर्ती करवाया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा पिडीत राजेश कुमार के साथ गंम्भीर मारपीट करने वाले एक बाल अपचारी को निरूद्ध किया गया व 02 मुलजिमों को पुर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। तथा आरोपी प्रदीप गुर्जर वक्त घटना से फरार चल रहा था जिस पर पुलिस ने मामले में फरार चल रहे रंवा निवासी प्रदीप गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी मोहनलाल, एएसआई विनोद कुमार, कांस्टेबल अनिल, मंजीत आदि शामिल थे।

मकान गिरा, बड़ा हादसा टला

बयाना भरतपुर (निस)। बयाना उपखंड के गांव सिंघाड़ा में बंदरों के बढते आतंक के बीच एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गांव में स्थित एक मकान अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे के समय मकान के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। यह मकान शिवली राम जी शर्मा, टीकम राम जी शर्मा और हुकुमचंद जी शर्मा का है। वर्तमान में इस मकान में केवल हुकुमचंद शर्मा ही रहते हैं, जबकि अन्य सदस्यों का अनाज और घरेलू सामान भी इसी मकान में रखा हुआ था। मकान गिरने से उसमें रखा अनाज व अन्य सामान मलबे में दब गया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से बंदरों का आतंक बना हुआ है। बंदर अक्सर मकानों की छतों पर कूदते-फांदते रहते हैं, जिससे कई मकानों को नुकसान पहुंच चुका है। आशंका जताई जा रही है कि बंदरों की उछल-कूद के कारण ही मकान की हालत कमजोर हो गई और यह हादसा हुआ।

▪ **यह मकान शिवली राम जी शर्मा, टीकम राम जी शर्मा और हुकुमचंद जी शर्मा का है**

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और स्थिति का जायजा लिया। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। इस संबंध में विनोद उपाध्याय (कंप्यूटर ऑपरेटर, मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना, सीएससी बयाना) ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसा अचानक हुआ और उस समय मकान खाली होने के कारण बड़ा नुकसान टल गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने और बंदरों के आतंक पर रोक लगाने की मांग की है।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू की कार का एक्सीडेंट

हनुमानगढ़, नगराना गांव के पास हुए सड़क हादसे में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू को हल्की चोटें आई हैं। यह घटना दोपहर बाद हुई जब डेलू संगरिया से हनुमानगढ़ आ रहे थे। उन्हें तुरंत संगरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद हनुमानगढ़ में सिटी स्कैन करवाया गया।

जानकारी के अनुसार, प्रमोद डेलू अपनी गाड़ी में अकेले थे। सामने से आ रही एक अन्य गाड़ी उनकी कार से टकरा गई। इस टक्कर में डेलू की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में डेलू के सिर और नाक पर हल्की चोटें आईं और नाक से खून बहने लगा। उन्हें तत्काल एंबुलेंस से संगरिया अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। अभी तक दुर्घटनाग्रस्त हुई दूसरी गाड़ी के मालिक के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। भाजपा प्रवक्ता आशीष पारीक ने बताया कि अध्यक्ष प्रमोद डेलू को हल्की चोटें आई हैं और कोई गंभीर बात नहीं है।

पारीक ने यह भी बताया कि संगरिया अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद हनुमानगढ़ में सिटी स्कैन करवाया गया है और उन्हें ईएनटी विशेषज्ञ को दिखाया जा रहा है।

प्राणघातक हमला करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने वृद्ध पर प्राणघातक हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 3 अप्रेल को हरिश पुत्र सोहनलाल पालीवाल निवासी सेमटाल गोगुन्दा ने रिपोर्ट दी कि 2 अप्रेल सांय मेरे बडे पापा शंकरलाल पालीवाल बाइक पर दुध लेने वणी गांव गये। वहां से लौटते समय आशापुरा होटल से पहले बाइक पर आए तीन बदमाशों ने शंकरलाल की बाइक को रोक हमला कर जेब से नकदी निकाल ली। इसका विरोधक करने पर चाकू से हमला कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह मय टीम ने कार्यवाही करते हुए।

भिवाड़ी की फैक्ट्रियों में श्रमिकों का धरना जारी

अलवर। भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में वेतन वृद्धि और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों की मांग को लेकर श्रमिकों का आंदोलन पिछले 20 दिनों से जारी है। गुरुवार को भिवाड़ी के कहरानी औद्योगिक क्षेत्र स्थित नैपिनो कंपनी, खुशखेड़ा की कूमी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और भिवाड़ी की फुटवियर बनाने वाली रिलैक्सो कंपनी में भी श्रमिक धरने पर बैठ गए। श्रमिक कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए वेतन वृद्धि सहित अपनी अन्य मांगों पर अड़े हुए हैं।

भिवाड़ी में मांगों को लेकर श्रमिकों का आंदोलन जारी रहा।

▪ **3 और कंपनियों में शुरू हुआ प्रदर्शन, सैलरी बढ़ाने, बेहतर ओवरटाइम और बोनस की मांग पर अड़े श्रमिक**

श्रमिकों की मुख्य मांगों में 8 घंटे की ड्यूटी के लिए 20 हजार मासिक वेतन और ओवरटाइम में बढ़ोतरी शामिल है। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर भिवाड़ी से बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। श्रमिक कंपनी गेट के सामने बैठकर धरना दे रहे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं।

नैपिनो कंपनी में धरने पर बैठी महिला श्रमिक संध्या ने अपनी मांगें बताते हुए कहा - हम 8 घंटे की ड्यूटी के लिए 16 हजार और 12 घंटे की ड्यूटी के लिए 20 हजार की मांग कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर हमें छुट्टी नहीं मिलती और न ही कोई बोनस दिया जाता है। इसी तरह खुशखेड़ा की कूमी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और भिवाड़ी की फुटवियर बनाने वाली रिलैक्सो कंपनी में भी श्रमिक समान मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। रिलैक्सो फुटवियर कंपनी में प्रदर्शन कर रहे श्रमिक विशाल कुमार ने बताया - केंद्र सरकार से जो नियम लागू हुए हैं, उसके हिसाब से सैलरी मिलनी चाहिए। जो श्रमिक 3 से 4 साल पुराने हैं, उनका भी पैसा नहीं बढ़ा है। श्रमिकों को काम के लिए गेट पास नहीं दिया जाता। कंपनी में जीएम सहित कई अधिकारियों से बात की है, लेकिन कोई सॉल्यूशन नहीं निकल रहा है। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होंगी, तब तक कंपनी में काम बंद रहेगा और धरना-प्रदर्शन चालू रहेगा।

श्रमिकों का कहना है कि लंबे काम के घंटे, कम वेतन, बोनस की कमी और छुट्टियों पर कटौती उनके अधिकारों का हनन है। प्रबंधन की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। प्रशासन मामले की निगरानी कर रहा है, ताकि औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन प्रभावित न हो और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

एसटी सर्टिफिकेट जारी करने की मांग

अनूपगढ़, यहा धानका समाज के लोगों को एसटी जाति सर्टिफिकेट नहीं मिल रहे हैं। लोगों का कहना है कि स्कूल में बच्चों को एडमिशन तक में दिक्कत आ रही है। लोग सर्टिफिकेट पर जारी रोक हटाने की मांग करते हुए धान मंडी में बुधवार से प्रदर्शन कर रहे हैं। धरना प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा।

इसी क्रम में गुरुवार को प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बीजेपी नेता मोहित छाबड़ा को चूड़ियाँ दी। महिलाओं ने कहा- राजस्थान सरकार हमारी महत्वपूर्ण माँग पर ध्यान नहीं दे रही। सरकार समाज के हित में कोई काम नहीं कर रही है। इसके विरोध में यह प्रतीकात्मक कदम उठाया है। समाज के जिलाध्यक्ष किशन धानका ने बताया- धाणका समाज के पूर्व जाति प्रमाण पत्र बनते आए हैं। धानका और धाणका बोलने में एक ही शब्द है। मगर पिछली सरकार में मौखिक रूप में बंद पड़े जाति प्रमाण पत्र के कारण बच्चों का भविष्य अंधकार में हैं। लगातार धरना प्रदर्शन करने के बावजूद भी सरकार के द्वारा जनजाति प्रमाण पत्र नहीं बनाए जा रहे हैं। धान मंडी धरना स्थल पर मौजूद सुनीता ने बताया- हम सुबह 11 बजे ही धरना स्थल पर पहुंच गईं थीं।

सुराणा गांव में भीषण आग: टीन शेड और कच्ची झोपड़ी जलकर खाक

बावरियों की ढाणी में अचानक लगी आग से घरेलू सामान जल कर स्वाहा हो गया।

शाहपुरा/मनोहरपुर। क्षेत्र के सुराणा गांव स्थित बावरियों की ढाणी में अचानक लगी आग ने एक गरीब परिवार को गहरे संकट में डाल दिया। आग की इस घटना में टीन शेड और कच्ची झोपड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई।

हादसे में पीड़ित कानाराम पुत्र मख्खन लाल को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आग की चपेट में आने से पांच बकरियां और तीन बकरी के बच्चे जिंदा जल गए। वहीं घर में रखा घरेलू सामान और जरूरी कागजात भी पूरी तरह नष्ट हो गए। घटना के बाद पीड़ित का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं लालू राम सहित पुलिस जाप्ता भी मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान घटना की जानकारी मिलते ही दिगराज सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से चर्चा कर से संपर्क कर पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा दिलाने बात कही।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुटे हुए हैं। इस दौरान अजीत मीणा,कपिल वर्मा,इमरान आजाद,तोसिफ अहमद, रिजवान खान सहित अन्य मौजूद थे।

विवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान

डूंगरपुर, (निसं)। आसपुर थाना क्षेत्र के टोपिया गांव में एक विवाहिता ने अपने पीहर में ही घर में फांसी का फंदा लगा अपनी इहलीला समाप्त कर ली। वह डेढ महीने से अपने दोनों बच्चों के साथ पीहर में थी। वहीं, मौत के बाद सनसनी फैल गई और लोग इकट्ठे हो गए। शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है।

आसपुर पुलिस सूत्रो के अनुसार टोपिया गांव के जगजी डामोर की बेटी पायल की शादी दोवडा थाना क्षेत्र के तलैया पाडलाथूर गांव में हुरमा ननोमा के साथ करवाई थी। दोनों के एक 6 साल की बेटी और 4 साल का बेटा है। हुरमा गुजरात में आरसीसी सेंटिंग का काम काम करता है। इस वजह से पायल पिछले डेढ महीने से अपने पिता के घर पीहर टोपियों गांव में बच्चों के साथ रहती थी। रात को बच्चों के साथ खाना खाकर वे सोए थे। लेकिन सुबह पायल घर में ही पाट लकडी की बल्ली, से रस्सी का फंदा लगाकर लटकी हुई मिली। घटना के बाद सनसनी फैल गई और लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर गुजरात में रोजगार कर रहा पति भी लौट आया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है। जहां परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही जारी है।

संक्षिप्त

पांच लाख के गांजे सहित आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में नशे के खिलाफ कार्यवाही करते हुए जिला स्पेशन टीम ने एक बाइक सवार को पांच लाख रुपए का अवैध गांजे साथ गिरफ्तार किया है। डीएसटी टीम ने बताया कि दूनी थाना क्षेत्र में अवैध नशे के खिलाफ कार्यवाही करते हुए बाइक सवार आरोपी गोरधन उर्फ गौरव पुत्र दुर्गासिंह उम्र 25 साल निवासी बावड़ी खेड़ा थाना हिण्डोली हाल जयपुर रोड देवली से पूछताछ के बाद तलाशी करने पर उसके कब्जे से 9 किलो 490 ग्राम गांजा जब्त किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्यवाही में पुलिस ने आरोपी द्वारा प्रयुक्त की गई मोटरसाईकिल व एक मोबाइल फोन जब्त किया है। बाद में डीएसटी ने आरोपी को गिरफ्तार कर दूनी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अति.पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव के निर्देशन में निवाई वृत्ताधिकारी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन एवं निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्यवाही करते निवाई कस्बा स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी से आगे कच्चे रास्ते से देशी शराब परिवहन करते हुए आरोपी जितेन्द्र कुमार जोलिया पुत्र रामलाल जोलिया उम्र 31 साल निवासी रेगरो का मोहल्ला, निवाई को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के कब्जे से 54 पव्वे अवैध देशी शराब जप्त किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरूध एक्साईज एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

बालिकाओं को सुरक्षा की जानकारी दी

टोंक। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन गरिमा अभियान के तहत निवाई उपखण्ड के झिलाई के राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय में छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में निवाई पुलिस उपाधीक्षक रविप्रकाश शर्मा ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। जिसमें गरिमा हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, सिटीजन राजकॉप ऐप और साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट पुलिसकर्मी सम्मानित

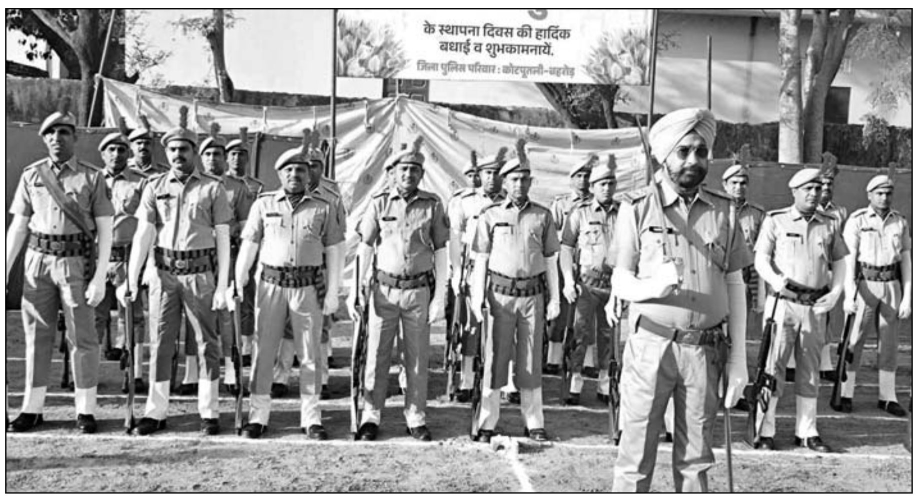

कोटपूतली जिले के समस्त डीएसपी, थानाधिकारी व संचित निरीक्षक के सुपरविजन में बुधवार को परेड का आयोजन हुआ।

कोटपूतली। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार गुरूवार को राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर जिला पुलिस लाईन में प्रथम बार परेड का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर एएसपी कोटपूतली नाजिम अली खान, एएसपी नीमराना सुरेश कुमार खिंची समेत जिले के समस्त डीएसपी, थानाधिकारी व संचित निरीक्षक के सुपरविजन में बुधवार को परेड का आयोजन हुआ। इस मौके पर एसपी सतवीर सिंह द्वारा परेड की सलामी ली गई।

परेड में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने अनुशासन, समर्पण एवं उत्कृष्ठ प्रदर्शन का परिचय दिया। एसपी सिंह ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुये कहा कि राजस्थान पुलिस सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहने का आ ान किया। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा उत्कृष्ठ कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सर्वोत्तम, अति उत्तम एवं उत्तम सेवा चिन्ह प्राप्त करने वाले कुल 54 अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही सेवानिवृत कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से एएसआई मदनलाल मांडैया पुत्र माडूराम को, अति उत्तम सेवा चिन्ह से एसआई ओमप्रकाश पुत्र देबूराम सैनी, कानि. चालक नरेश कुमार पुत्र श्योराम सिंह, कानि. सुभाष चन्द पुत्र ख्यालीराम मीणा को एवं उत्तम सेवा चिन्ह से हैड कानि. संदीप कुमार पुत्र विशम्भर दयाल, कानि. अशोक कुमार पुत्र हुक्मीचंद, जयभगवान यादव पुत्र रतन लाल, कालूराम पुत्र कानाराम यादव, कमलेश कुमार पुत्र सरदारमल यादव, कंवरसिंह यादव पुत्र सूरजभान, कमलेश कुमार पुत्र बाबूलाल यादव, रामावतार पुत्र रामरतन यादव, शीशराम गुर्जर पुत्र हनुमान सहाय, सुनील कुमार जाट पुत्र चन्दाराम, उदयसिंह पुत्र रामसिंह यादव, विक्रम सिंह गुर्जर पुत्र महावीर आदि को एवं उत्कृष्ठ कार्य हेतु पुलिस निरीक्षक प्रकिता, उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह शेखावत, अशोक कुमार, एएसआई जयराम, संतलाल शर्मा, राकेश कुमार, हैड कानि. अशोक कुमार, कानि. कंवरपाल, लखन सिंह, आरएचजी धर्मेन्द्र सेहरा, महिला कानि. सोना व अनोद, एएओ कंवरपाल, वरिष्ठ सहायक विक्रम सिंह, कनिष्ठ सहायक सुनील कुमार, मनीष कुमार, सुनील कुमार, कानि. देवेन्द्र कुमार, सुरजीत सिंह, सेवानिवृत्त कंपनी कमांडर रोहिताष्व ताखर, रिटायर्ड कानि. प्रकाश कुमार आदि को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विधालय में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं चंचल कुमावत, भूमिका सैनी, काव्य छीपी, सिद्धांत शर्मा, प्रियांशु गुर्जर, पीहू सैनी, याशिका जलेन्द्रा, खुशीराम गुर्जर को एवं खेलकूद/पढ़ाई/अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले भावेश बुरडक, काव्यांषी बराला, निकिता, दीपिका, मंजीत, हिमांशु, मनीषा फागणा, सुजल चौधरी, वर्षा आदि को सम्मानित किया गया।

वहीं पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिले के सभी कार्यालयों, थानों व चौकियों पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत धुरन्धर मुवी दिखाई गई। इस अवसर पर एसपी सतवीर सिंह व एएसपी नाजिम अली खान द्वारा पर्यावरण सरंक्षण का सन्देश दिया।

330 टन अवैध बजरी का स्टॉक ज़ब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा के निर्देशन में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाकर घाड थाना पुलिस ने खनिज विभाग ने साथ कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध बजरी का स्टॉक जब्त किया है। इसके साथ ही, पुलिस ने अवैध देशी शराब के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया। इस कार्यवाही के दौरान टीम ने बुधवार को ग्राम आमली देवल्या में दबिश देकर आरोपी जगदीश पुत्र बजरंग मीणा के बाड़े से 150 टन और रामप्रकाश पुत्र रामरतन मीणा के बाड़े से 180 टन अवैध बजरी का स्टॉक बरामद कर उसे जब्त किया है, इस दौरान कुल 330 टन बजरी जब्त की गई है।

इसी प्रकार घाड़ पुलिस टीम ने क्षैत्र के खेड़ेश्वर गौशाला, चारनेट रोड पर घेराबंदी कर अवैध देशी शराब का परिवहन कर रहे युवक राजुलाल पुत्र मदनलाल रैगर मब्र 38 साल निवासी घाड़ के कब्जे से 48 पव्वे देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया है।

'न्यायालयीन तामीलों के शीघ्र एवं प्रभावी निष्पादन को प्राथमिकता देंवे'

■ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रनवीर सिंह की अध्यक्षता में न्यायालयीन तामीलों के समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन को लेकर हुई अहम बैठक

किशनगढ़ बास। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रनवीर सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को न्यायालयीन तामीलों के समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी अतुल साहू, सुश्री जया सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खैरथल, प्रदीप कुमार उपनिदेशक अभियोजन खैरथल-तिजारा/भिवाड़ी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यायालयीन तामील प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणामकारी बनाने को लेकर हुई इस अहम बैठक में तामीलों के अदम (बिना निष्पादन के) लौटाए जाने, समय पर तामील नहीं होने तथा समुचित तरीके से निष्पादन में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रनवीर सिंह ने कहा तामीलों में हो रही देरी के कारण न्यायालयीन प्रकरणों के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब उत्पन्न हो रहा है, जिससे न्याय प्रक्रिया प्रभावित होती है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सम्बंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए तामीलों के शीघ्र, सटीक एवं प्रभावी निष्पादन को प्राथमिकता दें, ताकि न्यायिक कार्यवाही में गति लाई जा सके। इसके साथ उन्होंने अधिकारियों को तामील प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा समय-सीमा के कड़ाई से पालन पर भी विशेष बल दिये जाने के लिए कहां।

बैठक के दौरान राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित ट्रांसफॉर्मेटिव ट्ययूजडे अभियान के संबंध में भी चर्चा की गई।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रनवीर सिंह ने कहा इस अभियान का उद्देश्य सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 10 लाख विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें इससे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी प्रदान करना है।

इस अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु आवश्यक समन्वय एवं सहयोग पर भी बल दिया गया। बैठक में अधिकारियों आश्वासन दिया गया कि भविष्य में तामीलों के निष्पादन में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी।

बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए

भरतपुर। राज्य सरकार की बजट घोषणाओं वर्ष 2024-25 एवं 2026-27 के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीग जिले की प्रभारी सचिव एवं भरतपुर संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया ने गुरुवार को पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

पानी संकट से जूझते पालड़ी गांव में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पावटा। विराटनगर उपखंड क्षेत्र के पालड़ी गांव में लगातार गहराते पेयजल संकट को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार सड़क पर फूट पड़ा।

पानी की समस्या से त्रस्त बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष खाली बर्तन लेकर सड़क पर उतर आए। जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से गांव में नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पीने के पानी के लिए उन्हें दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है।

हैरानी की बात यह रही कि प्रदर्शन के दौरान जलदाय विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश और बढ़ गया। सूचना मिलने पर पंचायत प्रशासक किशोर कुम्हार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश कर जाम खुलवाया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि एक दिन छोड़कर दूसरे दिन टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि ग्रामीण इस आश्वासन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सड़क पर बर्तन लेकर उतरी महिलाए व ग्रामीण।

'मुख्यमंत्री विकसित शहरी वार्ड अभियान' से तय होगा विकास का रोडमैप

मनोहरपुर । नगर पालिका मनोहरपुर में राज्य सरकार के निर्देशानुसार 'मुख्यमंत्री विकसित शहरी वार्ड अभियान' के तहत शहर के सुनियोजित विकास की दिशा में अहम पहल शुरू की गई है। इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक वार्ड के लिए आने वाले वर्षों का विकास खाका तैयार किया जाएगा। इस दौरान नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह अभियान 19 मार्च 2026 से 17 अप्रैल 2026 तक संचालित हो रहा है। इसका उद्देश्य वार्ड स्तर पर आमजन, जनप्रतिनिधियों और पूर्व पदाधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करना है। वही वर्ष 2027 से 2035 तक का विजन तैयार करने की कवायद, अभियान के तहत नगर पालिका ने सभी पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदों अपने क्षेत्रों के लिए विकास कार्यों के प्रस्ताव मांगे हैं।

जनसुनवाई में प्रकरणों को अधिकारी रजिस्टर में संधारित करें : टीना डाबी

■ जिला स्तरीय जनसुनवाई में 196 परिवाद दर्ज हुए

टोंक। जिला कलेक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में गुरुवार को लगभग 7 घंटे जिला स्तरीय मासिक जन सुनवाई चली। जिसमें जिले के दूरदराज के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने 196 परिवाद दर्ज कराकर व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को बताया। जिला कलेक्टर ने एक-एक परिवादी की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुना और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान देवली-उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर भी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में आए प्रकरणों का स्वयं रजिस्टर में संधारण करें, इससे प्रकरणों को ट्रेक किया जा सकेगा। उन्होंने कहा ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर निस्तारित होने वाले प्रकरण जिला स्तर पर नहीं आए।

कलेक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मासिक जन सुनवाई हुई।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीय माताजी **श्रीमती भौरी देवी** धर्मपत्नी स्व.श्री लालचन्द जी पायल का स्वर्गवास दिनांक 15.04.2026 को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 17.04.2026 को दोपहर 3 से 5 बजे तक खण्डाका हाउस गार्डन, मैक्सवेल हॉस्पिटल के सामने, झोटवाडा रोड पर होगी।
शोकाकुलः हनुमानसहाय, कन्हैयालाल, भगवानसहाय, गोविन्द, रामेश्वर, महेन्द्र, मालचंद, बाबूलाल, लक्ष्मण एवं समस्त पायल परिवार 8384902621, 9314193543 निवासीः तेजाजी जी का मंदिर, उनियारों का रास्ता, चांदपोल, जयपुर

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है हमारे पूजनीय पिताजी **हनुमानसहाय** (पुत्र स्व.श्री मोरीलाल जी चौधरी) का स्वर्गवास बुधवार 15.04.2026 को हो गया है। तीये की बैठक शुक्रवार 17.04.2026 को सायं 5 से 6 बजे निज निवास - 4381, जाट के कुंए का रास्ता लास्ट क्रासिंग, नर्सिंग मंदिर के सामने, चाँदपोल, जयपुर में होगी।
शोकाकुलः छोटा देवी (धर्मपत्नी), राजेश, रवि (पुत्र), अशोक, रामस्वरूप, राजू, रामावतार, दीपक, सुरेश, महेंद्र (भतीजे), पीयूष, मिहिर, लकी, देवांश, हनी, जतिन (पौत्र) समस्त बूरी परिवार 8769383631, 9314228286

हमारे पूजनीय पिताजी **श्री महेश कुमार पारीक** पुत्र स्व. श्री हरिनारायण पारीक का देवलोकगमन 15.04.2026 को हो गया। तीये की बैठक 17-04-2026 को सायं 5-6 बजे पारीक कालेज जयपुर होगी।
शोकाकुलः भ्राता रमेशचंद्र, कृष्ण चंद, शिव प्रसाद, नित्यानंद। पुत्रः ओम प्रकाश, सूर्य प्रकाश, मुकेश, अम्बिका प्रसाद, आयुष, पीयूष, अमित, अभिषेक, जितेन्द्र, नितेश। पौत्रः लक्ष्य, पर्व, भव्य, प्रपन्न। समस्त पारीक (केसोट) परिवार गुढ़कटला वाले।

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे अभिभाष्य श्री हनुमान सहाय पारीक, एडवोकेट पुत्र स्व. श्री रामनारायण लाल पारीक, हाल निवासी-ई-188, कटारिया कॉलोनी, रामनगर विस्तार, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर ने श्रीमती ऋतु अग्रवाल पत्नी स्व. श्री सचिन अग्रवाल, आदि अग्रवाल एवं आर्यन पुत्रान स्व. श्री सचिन अग्रवाल नाबालिग जरिये संरक्षक माता से मकान नं.-ई-44, रूप विहार कॉलोनी, विवेक विहार, सोडाला, जयपुर को दिनांक-06.03.2025 को खरीदने का इकरारनामा कर दिनांक-17.03.2025 को नियमानुसार तस्दीक कराया है, जिसमें इकरारनामें की शर्त अनुसार जे.डी.ए. का पट्टा विक्रेताओं के नाम होते ही उसकी प्रमाणित प्रति मेरे अभिभाष्य को उपलब्ध करवाकर बेचान-पत्र दो माह में उप-पंजीयक के समक्ष शेष राशि जरिये बैंक लोन प्राप्त कर पंजीयन करायेगी, अगर इस सम्पत्ति/मकान को अन्य किसी को विक्रय / हस्तानान्तरण / गिरवी / इकरारनामा विक्रय अनुबंध करेगी, व कोई क्रय करेगा तो उसकी समस्त सिविल / दाण्डिक कार्यवाही के जिम्मेदार स्वयं होगा व विक्रेता तत्काल जे.डी.ए. पट्टा की प्रति उपलब्ध कराये, ताकि बेचान-पत्र पंजीबद्ध हो। सूचित रहें। भवदीय
जयपुर, दिनांक: 17.04.2026 (धर्मेन्द्र सिंह चौहान) एडवोकेट, मो.-97845-57731

खोया - पाया
मैं अंशिता खुटेटा पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार खुटेटा, निवासी-37-38, यादव नगर, डेजर्ट इन के पास, अम्बाबाड़ी, जयपुर, राजस्थान की हूँ। मेरी सम्पत्ति प्लॉट नं. ए -128, लालचंदपुरा स्कीम, निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर पर स्थित है। उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज जिसमें आवंटन पत्र नं. डी4307 दिनांक 04.07.2007 एवं जेडीए द्वारा जारी कब्जा पत्र उक्त दोनों मूल दस्तावेज दिनांक 15.08.2024 को लता सर्कल, अम्बाबाड़ी, जयपुर के आस - पास गुम हो गये थे। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिनांक 16.04.2026 को दर्ज करवा दी गई है। उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज किसी को मिले तो मुझे सूचित करें। एवं उक्त सम्पत्ति के दस्तावेजों का किसी ने गलत इस्तेमाल किया तो उस पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।
मोबाईल नं. 9784882373

खोया - पाया
मैं अंशिता खुटेटा पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार खुटेटा, निवासी- 403 एसडीसी विंटेज पितल फैक्ट्री, बनी पार्क, जयपुर, राजस्थान की हूँ। मेरी सम्पत्ति प्लॉट नं. 470, अनन्तपुरा, सीकर रोड, जयपुर पर स्थित है। उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज जिसमें आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र उक्त दोनों मूल दस्तावेज दिनांक 20.04.2025 को बनी पार्क, जयपुर के आस - पास गुम हो गये थे। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिनांक 15.04.2026 को दर्ज करवा दी गई है। उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज किसी को मिले तो मुझे सूचित करें। एवं उक्त सम्पत्ति के दस्तावेजों का किसी ने गलत इस्तेमाल किया तो उस पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।
मोबाईल नं. 9784882373

कार्यालय तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट चौमूं, जिला जयपुर
दूरभाष :-01423-220094, E-mail ID:tdr1chomu@gmail.com
क्रमांक:- /आर.ए./2026/715 दिनांक:- 16.04.2026
आपत्ति नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में प्रार्थी श्री प्रहलाद पुत्र नोलाराम जाति मीणा निवासी ग्राम सिंगोद खुर्द, तहसील चौमूं व अन्य ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि ग्राम सिंगोद खुर्द में स्थित साबिक खसरा नम्बर 953/1 रकबा 0.28 हैक्ट., खसरा नम्बर 954/1 रकबा 0.17 हैक्ट, खसरा नम्बर 954/3 रकबा 0.12 हैक्ट., खसरा नम्बर 956 रकबा 0.05 हैक्ट., खसरा नम्बर 958/2 रकबा 0. 18 हैक्ट., खसरा नम्बर 951/2 रकबा 0.60 हैक्ट., खसरा नम्बर 951/3 रकबा 0.30 हैक्ट. एवं ग्राम नाडिया के साबिक खसरा नम्बर 653 रकबा 0.40 हैक्ट., खसरा नम्बर 654/1 रकबा 0.10 हैक्ट., खसरा नम्बर 654/2 रकबा 0.05 हैक्ट, खसरा नम्बर 655 रकबा 0.12 हैक्ट, खसरा नम्बर 656 रकबा 0.14 हैक्ट. प्रार्थीगण मे नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। प्रार्थीगण के उक्त खसरा नम्बरान पर अन्य व्यक्तियों किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने हेतु निवेदन किया गया है। मुताबिक रिपोर्ट पटवारी प्रार्थीगण के उक्त खसरा नम्बरान पर दीगर व्यक्तियों का अवैध कब्जा पाया गया है। इस आशय का प्रकरण संख्या 01/2025 ग्यारसी देवी वगै० बनाम बाबूलाल वगै० राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 183 (बी) के तहत इस न्यायालय में दर्ज रजिस्टर होकर जैरकार है। अतः हर आम व खास एवं सम्पत्ति में हितबद्ध रखने वाले को पक्षकार को सूचित किया जाता है कि उक्त खसरा नम्बरान से प्रभावित भूमि में किसी प्रकार का विक्रय पत्र/हित रखने वाले को कोई उज्ज या आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर इस न्यायालय में कार्य दिवस को व्यक्तिशः अथवा जरिये अभिभाषक उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दस्तावेज प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी और विचाराधीन प्रकरण में निर्णय पारित कर पत्रावली निर्णित कर दी जावेगी। यह आपत्ति नोटिस आज दिनांक 15.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रांक से जारी किया गया है।/ तहसीलदार तहसील चौमूं

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्था की सूचना
(आदेश 41 नियम 14)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर प्रथम
बजरंग लाल अग्रवाल विरूद्ध नागरिक सेवा समिति
अपील सं. 360 सन् 2019
(1354/15) (390/13)
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश पश्चिम जयपुर महानगर जयपुर के न्यायालय की तारीख 18/10/2019 को बजरंग लाल अग्रवाल बनाम नागरिक सेवा समिति व अन्य
नाम नागरिक सेवा समिति, सैक्टर 7, विद्याधर नगर जयपुर कार्यालय श्री रोजगारेश्वर महादेव जरिये अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र जसोरिया निवासी प्लाट नं.307, सैक्टर 7, विद्याधर नगर जयपुर
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में.... अपील.... द्वारा प्रस्तुत उपस्थापित की गई है और न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय में तारीख 28 माह 04 सन् 2026 नियत की गई। यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।
यह आज तारीख 25 माह 03 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर के और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर-प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 14/2026
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमती विमलेश गुप्ता पत्नि विश्वंभर दयाल गुप्ता व अन्य ने
विवाद स्थान पुलिस थाना मानसरोवर जयपुर के क्षेत्राधिकार
मृतक विश्वंभर दयाल गुप्ता के द्वारा छोडी गई Fixed Deposits in BOB 60/186 रजत पथ न्यू सांगानेर रोड के पास जयपुर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 14/5/26
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम विश्वंभर दयाल गुप्ता पुत्र देवकी नन्दन गुप्ता जाति महाजन निवासी 15/29 शिप्रा पथ मानसरोवर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 14 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 10 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शिरस्तेदार
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

(नियम 130 व 131) अपील की सूचना के अन्तर्गत धारा 426 (1) बी एन एस एस 2023
न्यायालय श्रीमान् अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर ।। जयपुर
दिनांक:28/04/2026
मनोज कुमार जांगिड़
बनाम
राज्य सरकार व अन्य
अपील/निगरानी सं.73/2025
अपील/निगरानी विरुद्धआदेश दिनांक 03/10/2025 के न्यायालय ए सी जे एम नं. 3 जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय मुकदमा नं. मुकदमा नंबर 108/2025 अन्तर्गत धारा 316(2), 316(5), 318(2), 318 (4) सपठित धारा 61 (2), (ए) बी एन एस एस 2023 को धारा 426 (1) बी एन एस एस 2023 के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि अपीलाण्ट को उपरोक्त अपील/रिविजन इस न्यायालय में दिनांक 28/04/2026 को बजे 7.30 ए एम. पर सुनी एवं निर्णीत की जावेगी।
मोहर — वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबडी, जयपुर
अदालती नोटिस
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबडी जयपुर के प्रकरण संख्या 578/2025 उनवान जीतू सिंह बनाम सरकार बाबत् खातेदारी घोषणा के आराजी खसरा म्बर 463 रकबा 0.07 हैक्टयर व खसरा नम्बर 466 रकबा 0.18 हैक्टयर ग्राम टाटियावास तहसील रामपुरा डाबडी जयपुर के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो साक्ष्यों सहित नोटिस प्रकाशन के 07 दिन के अन्दर इस न्यायालय में पेश कर सकते है। इसके पश्चात् स्वयं जिम्मेदार होगें।
मोहर अदालत — उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबडी, जयपुर

NAME CHANGE
I have changed my name from Vriddhi Kumari Agarwal to Vriddhi Agrawal for all purpose. R/o 617-618 sector -1 Vidhyadhar nagar Jaipur.(Raj.)

I Rudraksh Sharma Add-C-24, Bhagwan Das Road, C-Scheme, Jaipur-302001, Have Changed my Son's Name From R. Saksham Sharma to Saksham Sharma. In the future, he should be known by this name.

I have changed my name from Mohd Mosharraf Hasib,Md Mosharraf Hasib, Mosharraf Hasib Mohammad and Morsharaf Hasib to Mohammad Mosharraf Hasib son of Mohammad Hasibur Rehman. I will be known by this name in future purpose . Address:- Flat no 202,Dwarka Apartment, f no 2nd floor, sec 12,Mansarover,Jaipur Rajasthan 302020.

I have changed my name from HASAN SHEKH to HASAN IBRAHIM SHAIKH for all purposes. R/o- Shekha Ki Dhani, Ladipura, Jamwa Ramgarh, Jaipur

खोया पाया
मेरे मकान न. 11/311 मालवीयनगर का डिक्लेरेशन, व 11/319 का आवंटन पत्र मालवीय नगर में कहीं खो गया है- मिलने पर सूचित करें - ज्योति कुमार श्यारा 9829555884

मेरे मकान 4-भ-18 जवाहर नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, डिक्लेरेशन- जवाहरनगर में कहीं खोगए हैं मिलने पर सूचित करें- राजेंद्र प्रसाद गोयल 8003099705

आवास संख्या 31/06/11 मानसरोवर जयपुर का मूल कब्जा पत्र व मूल इकरारनामा व मुख्त्यारनामा व वसीयतनामा गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। नसीम कुरैशी मो.7240785786

मेरे मकान सं. 70/32 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल कब्जा पत्र व मूल सेवन डेज लेटर कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 8696924248

मेरे भूखंड सं. 20 निजी खातेदारी की योजना मनवाजी का बाग जयपुर का पंजीकृत विक्रय पत्र जिसका रजिस्टर्ड नंबर 1370 है जो कि दिनांक 06/06/1984 को पंजीयन हुआ था जो कही गुम हो गयी है मिलने पर सूचित करे- देवेन्द्र कुमार जैन मो. 9694084831

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल, वृत्त अलवर
-:आवश्यक सूचना:-
आवास संख्या 2-क-1, सी.ई.बी. योजना अलवर जो कि मूलत: श्री जगदीश चन्द रावला पुत्र श्री कपूर चन्द रावला को आवंटन पत्रांक 15455 दिनांक 15.12.1975 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 5133 दिनांक 30.03.1992 को श्री जगदीश चन्द रावला के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री जगदीश चन्द रावला द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 31.03.1992 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री जगदीश चन्द रावला की मृत्यु दिनांक 23.12.2023 को हो जाने के उपरांत उनकी उत्तराधिकारी पुत्री श्रीमती अर्चना नकड़ा पत्नि श्री राजीव नकड़ा द्वारा प्रस्तुत पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 17.08.2021 व मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत शपथपत्रों एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है।
अत: जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 2-क-1, सी.ई.बी. योजना अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एंव आम व्यक्ति विशेष को उक्त एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती अर्चना नकड़ा पत्नि श्री राजीव नकड़ा के पक्ष में आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मंडल, वृत्त अलवर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2026/306
चूंकि प्रार्थी श्री राकेश गुप्ता, मोहल्ला पिथावाली, कोटपुतली, कोटपुतली-बहरोड, राजस्थान, 303108 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री भगवान दास चौधरी सेवा समिति, श्री भगवान दास चौधरी सेवा समिति, डाबला रोड, कोटपुतली, कोटपुतली-बहरोड़, राजस्थान, 303108 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29/04/2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 78/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी सुमन यादव पत्नी अजय सिंह यादव निवासी वार्ड 03 कंवरपुरा कोटपुतली जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मानव अकादमी संस्थान कवंरपुरा, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13/4/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24/6/26
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2026/311
चूंकि प्रार्थी श्री श्री कुतल कुमार सैनी, पिथाबाली कॉलोनी, कोटपूतली, कोटपूतली-बहरोड़, राजस्थान, 303108 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास IMC OF GOVERNMENT ITI, KOTPUTLI केयर ऑफ गवर्मोनमेंट कोटपूतली, मोहल्ला बडाबास, ITI कोटपूतली, कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान, 303108 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.04.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-जमवारामगढ, जयपुर
मुख्य अभियंता, सा.नि.वि. परिसर, जैकब रोड, जयपुर क्लब के सामने, जयपुर-302006
E-mail :- eepwdjamwaramgarh@rajasthan.gov.in, E-mail :- eepwdjamwaramgarh@gmail.com
क्रमांक:- 46 दिनांक:- 13.04.2026
वन विभाग द्वारा जारी सैद्धान्तिक स्वीकृति की सूचना का प्रकाशन
विज्ञप्ति
Diversion of 0.888 ha forest land for Construction of Road from SH-52 Tala Road to Tilak Nagar, Tehsil-Jamwaramgarh, District - Jaipur (Rajasthan) in favour of Executive Engineer, Public Works Department, PWD Division, Bassi, District -Jaipur (RAJASTHAN) - reg. सैद्धान्तिक स्वीकृति की सूचना (प्रस्ताव संख्या FP/RJ/ROAD/405765/2022 dated 08/11/2022)। विस्तृत विवरण हेतु क्यूआर कोड स्कैन करे।
(गजानन्द मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड-जमवारागमढ
जिला जयपुर
DIPR/C/6930/2026

संक्षिप्त

बैठक आज

निवाई। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आयोजित आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सुबह 11 बजे अखिल हरियाणा गौड़ ब्राह्मण छात्रावास में राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद ने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शंभूलाल कुईवाले, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान रामनारायण काजला, सह कोषाध्यक्ष गोपाल, बंशी बोहरा, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश मावा वाले, युवा कार्यकारी अध्यक्ष सुनिल शर्मा सहित टोंक महासभा के जिला इकाईयों के अध्यक्ष, सदस्यगण व भामाशाह भाग लेंगे। मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचन्द शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में 51 जोडो का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में सम्मेलन की व्यवस्थाओं सहित कई महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में कार्यकर्ताओं को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी।

संत देवानंद की पुण्यतिथि पर विशाल भंडारा

सांभरझील। पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 स्वामी देवानंद जी महाराज के परम शिष्य श्री हीरानंद जी महाराज के सानिध्य में संतों की पावन भूमि ग्राम हचूकड़ा में श्री देवानंद महाराज की 11 पुण्यतिथि के पावन मौके पर विशाल भंडारा यानी प्रसादी का आयोजन होगा। संतों का यह सम्मेलन शुक्रवार 17 अप्रैल को वैशाख कृष्णा अमावस्या पर होगा। इसी दिन भगवान शंकर मंदिर की चतुर्थ वर्षगांठ भी धूमधाम से मनाई जाएगी। ठाकुर जी मंदिर से मुख्य कार्यक्रम स्थल तक सुबह 9:15 बजे महिलाओं की कलश यात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली जाएगी। दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक सत्संग होगा। टेंट एवं इवेंट समिति के सचिव हनुमान प्रसाद (चुनगरिया) कुमावत व समस्त सेवा समिति के सदस्यों, भक्तगणों की ओर से संतों का सानिध्य प्राप्त करने हेतु आव्हान किया गया है। समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद जलाधंरा धार्मिक आयोजन व्यवस्था का जिम्मा संभाले हुए है।

छात्राओं को किया जागरूक

निवाई। पुलिस प्रशासन द्वारा संचालित ऑपरेशन गरिमा अभियान के तहत डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सानिध्य में राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय झिलाय में बालिकाओं को गरिमा हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्प लाइन, सिटीजन राजकॉप एप, साइबर हेल्पलाइन व वृत्त सीयूजी नंबर सहित कई योजनाओं बारे में जागरूक किया। डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा ने कहा कि छात्राओं को उनके अधिकार व कानून की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत छात्राओं को कालिका यूनिट के साथ महिला एवं बालिका सुरक्षा संबंधी विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। छात्राओं से यातायात नियमों व नवीन कानूनों के संबंध में भी चर्चा की गई। राजकॉप सिटीजन एप पर विभिन्न विषयों पर मौजूद अवेयरनेस वीडियोज का प्रदर्शन करके छात्राओं को जागरूक किया गया।

किसान महापंचायत की बैठक आज

निवाई। किसान महापंचायत की जल यात्रा को लेकर 17 अप्रैल को जिला अध्यक्ष गोपीलाल जाट की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट की मौजूदगी में टोंक में जिला स्तरीय बैठक आयोजित होगी। किसान महापंचायत उपाध्यक्ष कमलेश जाट खंडवा ने बताया कि किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे कृषि उपज मंडी समिति टोंक में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक में निवाई क्षेत्र को ईसरदा बांध का पानी नहरों द्वारा उपलब्ध करवाने को लेकर 52 ग्राम पंचायतों में पांच दिवसीय जल यात्रा निकालने, यात्रा को सफल बनाने के लिए रात्रि चौपाल का आयोजन करने को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया

निवाई। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में कक्षा 10 वीं के सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम बेटियों ने परचम लहराया है। प्रधानाचार्य कुंभाराम चौधरी ने बताया कि कक्षा 10 में 77 छात्रों में से 40 प्रथम श्रेणी और 26 छात्र-छात्राए द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए है।

'कार्यवाही केवल कागज़ों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई देनी चाहिए'

■ खैरथल जिला सचिवालय पर हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई, विधायक दीपचंद खेरिया सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे मौजूद

खैरथल जिला सचिवालय पर जिला कलक्टर ने अधिकारी, जनप्रतिनिधि के साथ जनसुनवाई की।

खैरथल। जिला सचिवालय पर त्रिस्तरीय जनसुनवाई जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को इनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 55 प्रकरण प्राप्त हुए जिनकी सुनवाई कर जिला कलक्टर ने अधिकारियों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने, पेयजल की सप्लाई सुचारु कराने, पानी को बहाव को रोकने हेतु नाका बनवाने, फर्जी पट्टा जारी करने, पीएम आवास योजना के तहत बने मकान की जिओ टैगिंग कर नरेगा भुगतान करवाने, इंतकाल खुलवाने, भूमि अवाप्त का मुआवजा दिलाने, खेत से रास्ता खुलवाने, सड़क ,आवासीय पट्टा बनवाने, नामांतरण, पथरगढ़ी, शमशान से अतिक्रमण हटाने, जमीन विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। कलक्टर ने अधीक्षण अभियंता पीएचईडी को परिवादी के क्षेत्र बंबोरा में जाकर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेकर समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए। पीएम सम्मान निधि योजना एवं पेंशन योजना के लाभार्थियों को मौके पर उनका वेरिफिकेशन करवाकर योजना का लाभ दिलाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यवाही केवल कागज़ों तक सीमित न रहकर धरातल पर प्रभावी रूप से दिखाई देनी चाहिए। साथ ही आगामी साप्ताहिक समीक्षा बैठक में निस्तारित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिकारियों द्वारा किए गए निस्तारण की गुणवत्ता कैसी रही तथा परिवादी के कार्य का वास्तविक रूप से समाधान हुआ है या नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की भावना के अनुरूप आमजन को अधिक से अधिक राहत देने के लिये सभी विभाग-अधिकारी मिलकर काम करें ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन लाभान्वित हो सके।

जनसुनवाई के दौरान विधायक दीपचंद खैरिया, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट, उप पुलिस अधीक्षक लालचंद, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग ओमप्रकाश किराड, संयुक्त निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग वीरेंद्र त्यागी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक रमेश दहमीवाल , सीएमएचओ अरविंद गेट सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं वीसी के माध्यम से उपखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वीरांगनाओं व उत्कृष्ट पुलिसकर्मियों का सम्मान

अलवर। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के गौरवमयी अवसर पर आज अलवर पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अनुशासित और ओजस्वी परेड से हुई, जिसमें पुलिस जवानों ने कदम से कदम मिलाकर अपने बेजोड़ तालमेल और अनुशासन का प्रदर्शन किया। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधीर चौधरी ने परेड का निरीक्षण किया और जवानों की सलामी ली। जांबाज अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले एक वर्ष में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट और अति उत्कृष्ट कार्य किया है। एसपी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और पदक देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का सबसे भावुक और गर्व भरा क्षण वह रहा जब कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया।

जयपुर ग्रामीण में पुलिस दिवस समारोह में 129 पुलिसकर्मी सम्मानित

■ समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश व विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पुनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा चिन्ह, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जयपुर । जिला जयपुर ग्रामीण पुलिस की ओर से पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन में भव्य पुलिस दिवस समारोह 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 129 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा चिन्ह, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पुनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं इस कार्यक्रम की शुरुआत सेरेमोनियल परेड से हुई। जिसमें मुख्य अतिथि ने सलामी दी। इसके बाद पुलिस जवानों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। पुलिस बैंड की मधुर धुनों के बीच जवानों ने अनुशासन और दक्षता का शानदार प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। इसके अलावा वर्ष 2025 में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। जिनमें 70 पुलिसकर्मियों को उत्तम सेवा चिन्ह,37 को अति उत्तम सेवा चिन्ह और 22 को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह प्रदान किए गए। इसके साथ ही पुलिस की सहायता करने वाले 7 नागरिकों को भी साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्पक्ष, संवेदनशील और जवाबदेह पुलिसिंग के लिए प्रेरित किया गया।

'शहरी और ग्रामीण वार्डों के विकास के लिए सुझाव भेजें'

■ अभियान का उद्देश्य वर्ष 2047 तक के विजन के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र का डायनेमिक मास्टर प्लान तैयार करना है

भरतपुर । जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान की प्रगति को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा शुरू किया गया मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान राज्य के सभी ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान का उद्देश्य वर्ष 2047 तक के विजन के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र का डायनेमिक मास्टर प्लान तैयार करना है, जिसमें स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी 20 अप्रैल तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फोकस ग्रुप डिस्कशन आयोजित कर आमजन से सुझाव प्राप्त किए जाएं। इसके बाद 25 अप्रैल तक ग्राम सभा एवं वार्ड सभा द्वारा ड्राफ्ट मास्टर प्लान का अनुमोदन किया जाए तथा 30 अप्रैल तक इसे पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 15 मई तक हर हाल में सभी पंचायतों एवं वार्डों के फाइनल मास्टर प्लान तैयार कर अपलोड किए जाएं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड का जीआईएस आधारित बेस मैप तैयार किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवार आवश्यकताओं का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा सके। स्थानीय निवासियों, महिलाओं और युवाओं के सुझावों के आधार पर जल निकासी, सड़क, आवारा पशु, रोशनी जैसी समस्याओं के समाधान का रोडमैप बनाया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल मॉनिटरिंग और जियो-टैगिंग के माध्यम से विकास कार्यों की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। स्कूलों में पानी और बिजली की व्यवस्था, सामुदायिक भवन, पार्कों में ओपन जिम, सीसीटीवी कैमरे तथा स्ट्रीट लाइट जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

जिला कलक्टर ने बताया कि अभियान में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर कोड आधारित फीडबैक सिस्टम लागू किया जा रहा है। इसके माध्यम से नागरिक सीधे अपने सुझाव मास्टर प्लान में शामिल करा सकेंगे। साथ ही शहरी वार्डों में सुझाव पेटियां भी स्थापित की गई हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईटी विभाग के माध्यम से क्यूआर कोड फीडबैक सिस्टम शीघ्र विकसित किया जाए तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आईडी मैपिंग कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों के लिए कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन और सुशासन सहित 11 सेक्शन में डिजिटल बेसलाइन तैयार की जा रही है। इसी आधार पर अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालीन विकास योजनाएं बनाई जाएंगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के विकास के लिए अधिक से अधिक सुझाव निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराएं, ताकि स्थानीय जरूरतों के अनुरूप सशक्त और प्रभावी मास्टर प्लान तैयार किया जा सके।

नशे में वाहन चलाने वालों पर शिकंजा, 17 गिरफ्तार, 55 ई-रिक्शा जब्त

■ शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पहचान के लिए ब्रेथ एनालाइजर का व्यापक उपयोग किया

भरतपुर। जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देशानुसार जिले में कानून व्यवस्था, शांति एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा सख्त अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार में स्टंट करने, सार्वजनिक स्थानों पर उत्पात मचाने तथा यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लगातार जारी रहेगी।

पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में नशे की हालत में वाहन चलाने, शांति भंग करने और उत्पात मचाने वाले कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पहचान के लिए ब्रेथ एनालाइजर का व्यापक उपयोग किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तेज गति, रेस ड्राइविंग और सड़क पर स्टंट करने वालों पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। कार्रवाई के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस का कहना है कि यह अभियान आमजन की सुरक्षा और सड़क हादसों पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसके साथ ही भरतपुर शहर के मुख्य बाजार में जाम की समस्या को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया।

यातायात प्रभारी अजय सिंह के नेतृत्व में कुम्हेर गेट से बिजलीघर तक कार्रवाई करते हुए 55 ई-रिक्शा जब्त किए गए तथा चालान काटे गए। पुलिस ने ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित मार्ग एवं स्टैंड का पालन करने के निर्देश दिए। यातायात पुलिस ने कहा कि बाजार क्षेत्र में लावारिस रूप से ई-रिक्शा खड़ा करना, गलत दिशा में चलाना या नियमों के विरुद्ध संचालन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बार-बार चेतावनी देने के बावजूद नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस अधीक्षक ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

नमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया

■ 'भगवान नमिनाथ का कल्याणक उनकी अहिंसा, त्याग और वैराग्य की पराकाष्ठा का प्रतीक है'

नमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाते हुए श्रद्धालु।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान जैन आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर नमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। मीडिया प्रभारी सुनिल भाणजा व हितेश छाबडा ने बताया कि प्रात:काल आचार्य संघ के सानिध्य में भगवान का अभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इस दौरान पूजा-अर्चना करके उत्साह पूर्वक भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।

इसी प्रकार श्री सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर आर्यिका ज्ञानश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में भगवान का मोक्ष कल्याण श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह कल्याणक आत्मा को परमात्मा बनाने की प्रक्रिया है। हमें सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र का पालन करके अपनी आत्मा को शुद्ध बनाना चाहिए।

आठों कर्मो का सम्पूर्ण नाश एवं रागद्वेष को नष्ट करके मोक्ष को प्राप्त किया जा सकता है। भगवान नमिनाथ का कल्याणक उनकी अहिंसा, त्याग और वैराग्य की पराकाष्ठा का प्रतीक है। मोक्ष की प्राप्ती ही मनुष्य का अन्तिम लक्ष्य होता है। उन्होंने कहा कि मोक्ष कल्याणक जन्म मृत्यु के बंधन से शाश्वत मुक्ति का प्रतीक है।

5 आरोपी गिरफ्तार

लालसोट। फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर की हत्या के मामले में लालसोट पुलिस ने आखिरकार बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को धर दबोचा है। इतना ही नहीं, वारदात में सहयोग करने वाले 4 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

मामले में अब तक कुल 5 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि अभी भी कुछ नामजद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस का दावा है कि फरार आरोपियों को जल्द ही सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

विनोद कुमार सीपा के निर्देशन में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही थी, वहीं एसपी सागर राणा खुद पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जांच अधिकारी दिलीप मीणा ने साफ कहा है कि अपराधियों की मदद करने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा।

बताया जा रहा है कि 10 अप्रैल को हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र उर्फ फौजी मीणा की फायरिंग में हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।

सार-समाचार

दीप यज्ञ का आयोजन

राजगढ़। स्टेशन मार्ग स्थित कीर्ति नगर कॉलोनी में गायत्री शक्तिपीठ की ओर से दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने उपस्थित दर्ज कराकर विश्व शांति का संदेश दिया। महिलाओं ने गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ दीप यज्ञ को सफल बनाया एवं भाईचारा, प्रेम एवं सद्भाव के साथ विश्व कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी मीना खंडेलवाल की ओर से गायत्री परिवार की ओर से किए जाने वाले दीप यज्ञ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं ने सिर पर थाली में दीप जलाकर दीपोत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर सुनीता शर्मा , रश्मि विजय, मीना विजय, रितिका शर्मा, कृपा शर्मा, मिथलेश शर्मा, किरण शर्मा, कृष्णा,धनबाई ,गितिका अन्जू सचदेवा, बिमला मारोठिया एवं अन्य परिजन मौजूद रहे।रितिका शर्मा का बाल संस्कार को लेकर किए गए सार्थक प्रयासों पर दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। इस दौरान भारी संख्या में गायत्री परिवार से जुड़ी महिलाएं मौजूद रही।

रक्तदान शिविर आयोजित

कोटपूतली। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर गुरूवार को यहां के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह व एएसपी नाजिम अली खान के नेतृत्व में विषाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिसकर्मियों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लेते हुये कुल 43 यूनिट रक्तदान किया गया। वहीं षिविर में कांग्रेस एससी विभाग के जिलाध्यक्ष व पूर्व पार्षद तारा पूतली के नेतृत्व में 11 युवाओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान कर अपना योगदान दिया गया। इस दौरान भूपसिंह पूतली, आर्यन चौधरी, योगेश ठेकेदार, देशराज आर्य, आशीष खेड़ा, गजेंद्र मीणा, रूप स्वामी, सच्ची गुर्जर टोरडा, सुनील वर्मा पावटा समेत अन्य मौजूद रहें।

उपखंड अधिकारी को निमंत्रण सौंपा

पावटा। आगामी 19 अप्रैल रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में आयोजक समिति ब्राह्मण महासभा पावटा द्वारा पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को औपचारिक रूप से निमंत्रण पत्र सौंपकर कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया गया। ब्राह्मण महासभा पावटा पदाधिकारियों अध्यक्ष सुरेश न्याबासी, उपाध्यक्ष दीपक पटेल, गिरिराज बोहरा, महामंत्री विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, प्रचार मंत्री मोहन गौड, सदस्य विपिन शर्मा, मोहित शर्मा ने उपखंड अधिकारी पावटा निवास पहुंचकर उन्हें भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शोभायात्रा, पूजा-अर्चना सहित कई आयोजन किए जाएंगे, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान उपखंड अधिकारी डॉ.साधना शर्मा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। आयोजक समिति के सदस्यों ने सभी क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आग लगने से चाय के खोखे में हजारों का नुकसान

पावटा। क्षेत्र के टसकोला गांव निवासी एक व्यक्ति के चाय के खोखे में देर रात अचानक आग लगने से हजारों रुपये का नुकसान हो गया। जानकारी के अनुसार टसकोला निवासी फुलचन्द यादव पुत्र जगदीश यादव ने प्रागपुरा थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि उसने चकतर्थ गौशाला के पास चाय-पानी का खोखा व झोपड़ी डाल रखी है, जिससे वह अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। पीड़ित दुकानदार फूलचंद यादव के अनुसार 16 अप्रैल की देर रात करीब 2:30 बजे अचानक उसके खोखे में आग लग गई। उस समय वह वहीं सो रहा था। आग की लपटें देख उसकी नींद खुली, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया और खोखे में रखा सामान जलकर राख हो गया। आगजनी की इस घटना में खोखे में रखा कोल्ड ड्रिंक का सामान करीब 30 हजार रुपये का, प्लास्टिक की 5 कुर्सियां, 2 चारपाई, लकड़ी का काउंटर सहित अन्य घरेलू व दुकान का सामान पूरी तरह जल गया। पीड़ित ने कुल 55 से 60 हजार रुपये के नुकसान की आशंका जताई है। पीड़ित ने पुलिस थाना प्रागपुरा में रिपोर्ट दर्ज करवाकर मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समाजसेवी सुरेश शर्मा का निधन

पावटा। कस्बे के लिए अत्यंत दु:खद समाचार सामने आया है। सुरेश शर्मा का निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई और सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक जगत को अपूरणीय क्षित हुई है। सुरेश शर्मा ब्राह्मण महासभा पावटा के संरक्षक होने के साथ-साथ आदर्श रामलीला मंडल पावटा संरक्षक के रूप में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। वे समाज के हर वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय थे और हमेशा सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण तथा धार्मिक आयोजनों में अग्रणी भूमिका निभाते थे। उनका जीवन समाजसेवा के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने अनेक सामाजिक कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों एवं जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और युवाओं को भी समाज के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उनके सादगीपूर्ण जीवन, विनम्र स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे सभी के प्रिय थे। जैसे ही उनके निधन की खबर फैली, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लोग उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने लगे।

सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालक परेशान

अलवर। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने राज्य सरकार से कुशालगढ़ तिराहे से थैंक यू बोर्ड वाया भर्तृहरि सडक़ निर्माण कार्य और भर्तृहरि तिराहे की पुलिया के जीर्णोद्धार की घोषणा राज्य बजट के अनुसार अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं होने पर शीघ्र सुचारू रूप से निर्माण कार्य करवाने की मांग की है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में सडक़ मार्ग पर पुलिया अत्यंत जर्जर स्थिति में है जिससे आमजन और श्रद्धालुओं को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।उन्होंने बताया कि आगामी 17 से 20 सितंबर 2026 को महाराजा श्री भर्तृहरि एवं पांडुपोल हनुमान जी महाराज का वार्षिक मेला आयोजित होगा जिसमें देश भर से लाखों श्रद्धालु आएंगे पिछले वर्ष मेले में भारी वर्षा के कारण भर्तृहरि पुलिया पर ओवरफ्लो से प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था में भारी मशक्कत करनी पड़ी और आवागमन भी बाधित हुआ था यह सडक़ मार्ग अलवर जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल भर्तृहरि धाम एवं पांडुपोल हनुमान जी धाम को जोडऩे वाली महत्वपूर्ण सडक़ है।उन्होंने बताया कि जनहित सुरक्षा एवं आगामी मेले को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर अविलंब प्रारंभ किया जाना चाहिए।

अगर गंभीर को हटाया गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। गंभीर जैसे कोच को हटाने पर खिलाड़ियों को संभालना मुश्किल हो जाएगा। वे सच्चाई बोलते हैं और जरूरत पड़ने पर बड़े खिलाड़ियों को बाहर करने का साहस रखते हैं।

– मुनाफ पटेल

पूर्व भारतीय गेंदबाज, गौतम गंभीर को कोच पद से हटाने पर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

महेन्द्र सिंह धोनी

एमएस धोनी ने टीम के साथ हैदराबाद के लिए रवाना होकर अपनी वापसी के संकेत दे दिए हैं। चोट के कारण अब तक बाहर रहे धोनी शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में खेल सकते हैं। हालांकि अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। धोनी ग्रोइन इंजरी के कारण आईपीएल 2026 के पहले दो हफ्तों से बाहर चल रहे थे। इससे पहले वह गुवाहाटी और बेंगलुरु के दौरे पर भी टीम के साथ नहीं गए थेलेकिन इस बार उनका टीम के साथ यात्रा करना सोशल मीडिया पर चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

क्या आप जानते हैं ?... इतिहास में विराट कोहली के एक सीजन में सबसे ज्यादा 973 रन (2016) और क्रिस गेल के नाबाद 175 रन (2013) शीर्ष रिकॉर्ड हैं।

पंजाब की आईपीएल 2026 में चौथी जीत, मुंबई को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। पंजाब किंग्स ने के मौजूदा सीजन में लगातार चौथी जीत हासिल की है। टीम ने गुरुवार को मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया। यह पंजाब की मुंबई पर लगातार तीसरी जीत है। टीम ने पिछले सीजन में भी दो मैच जीते थे।

वानखेड़े स्टेडियम में पंजाब ने 196 रन का टारगेट 16.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। इस जीत से पंजाब की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के पास 9 अंक हो गए हैं। रन चेज कर रही पंजाब की टीम ने

45 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में ओपनर प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ 139 रन की साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। वे 39 बॉल पर 80 रन बनाकर नाबाद लौटे। जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर 35 बॉल पर 66 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शार्दूल ठाकुर ने कैच आउट कराया।

मुंबई से इस सीजन का पहला मैच खेल रहे ओपनर क्विंटन डी कॉक ने 112 रन की शतकीय पारी खेली। 60 बॉल की पारी में उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के लगाए। उनके अलावा, नमन धीर ने 50 रन बनाए। लेकिन, ये दोनों अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब ने सनराइज फुटबॉल क्लब को एकतरफा 5-0 से हराया

जयपुर, 16 अप्रैल। राजस्थान फुटबॉल संघ और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के सयुंक्त तत्वाधान में जारी आर लीग डिवीजन फुटबॉल लीग के आज तीन मैच खेले गए। पहला मैच ब्रदर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और जिंक फुटबाल अकादमी के बीच मैच खेला गया। जिसमें जिंक फुटबाल अकादमी ने एकतरफा अंदाज में 3-1 से मैच अपने नाम किया। मैच के 31 मिनट में अभीत ने पहला गोल किया दूसरा गोल मैच के 50 मिनट में करण ने किया। मैच का अंतिम गोल रियाज ने 94 मिनट में किया। वही ब्रदर्स यूनाइटेड की तरफ से 33 मिनट में राज मुखी ने गोल किया। दूसरा मैच ए स एल और रेहान फुटबाल क्लब के बीच खेला गया।

जिसमें ए स एल ने रेहान कों 3-1 से हराया जिसमें ए स एल की तरफ से अमित ने 2 गोल (51ओर 55 मिनट) करण मिथल (78 मिनट) में गोल किया। रेहान की तरफ से एकमात्र गोल हिमांशु सिंह (18 मिनट) में किया। दिन का अंतिम मैच सनराइज फुटबॉल क्लब और जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब के मध्य खेला

गया जिसमें जयपुर सिटी ने एकतरफा अन्दाज से 5-0 से मैच अपने नाम किया जयपुर सिटी की तरफ से अनुज शर्मा (2 मिनट) अफ़ज़ल (18 मिनट) अंकित शर्मा (44 मिनट) हर्ष (68 मिनट) आदित्य (89 मिनट) में गोल किये। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 20 मार्च से शुरू हुई आर लीग 1 महीने तक चलेगी। कुल 42 मैच खेले जाएंगे। अब तक 30 मैच खेले जा चुके हैं 19 अप्रैल को अगले तीन मैच खेले जाएंगे।

कैंडलविक क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 16 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 211 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। प्रणव कुमार ने सर्वाधिक 81 रनों का योगदान दिया। आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से निश्चयराज ने पांच विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब 34 ओवर में 161 रन पर ऑल आउट हो गई। अथर्व गुप्ता ने सर्वाधिक 78 रनों का योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से धनंजय जांगिड़ ने तीन विकेट लिए। प्रणव कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राजीव गांधी एकेडमी व राजस्थान यूथ जीती, निलय अरोड़ा का शतक

जयपुर, 16 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैचों में राजीव गांधी एकेडमी ने एस बी एस एकेडमी सीकर को 31 रनो से हराया तथा राजस्थान यूथ ने जयपुर ब्लूज क्लब को 10 विकेट से हराया।

आज प्रात: नारायणा ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिफान खान के 22 रन, निलय अरोड़ा के 129 रन, पुनीत यादव के 27 रन व ओजस शर्मा के 11 रनो से 44.4 ओवर में 242 रन बनाए। एस बी एस एकेडमी सीकर के लिए आर्यन ने 48 पर 5 विकेट लिए, तरुण कुमार, लवमीत गुर्जर व रोनित ने एक एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में एस बी एस एकेडमी सीकर की टीम अंकित पिलानिया के 48 रन, मयूर शर्मा के 22 रन, हेमंत के 22 रन, हर्षुल मील के 45 रन , लवमीत गुर्जर के 23 रन व आर्यन के 20 रनो से 48. 5 211 रन बना कर आउट हो गई। राजीव गांधी एकेडमी के लिए नवदीप सिंह ने 34 पर 4, शुभम गुर्जर ने 27 पर 3, गगन सोनी व निलय अरोड़ा ने एक एक विकेट लिया। दूसरे मैच में जी आर ग्राउंड पर राजस्थान यूथ ने टॉस जीतकर पहले

जयपुर ब्लूज को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

जयपुर ब्लूज की टीम कुणाल के 43 रन व गौरांश पारीक के 15 रनो से 26. 4 ओवर में 86 रनो पर सिमट गई। राजस्थान यूथ के लिए भावेश भगेला ने 16 पर 3, श्रेष्ठ आर्य ने 7 पर 2, मुकुल खांडल ने 20 पर 2, हर्षवर्धन सिंह ने 22 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में राजस्थान यूथ की टीम ने गौरव सैनी के 13 रन, आरव सराफ के 29 रन नाबाद व कुमार वासुदेव के 36 रन नाबाद से 13. 3 ओवर में बिना विकेट पर 87 रन बनाकर मैच जीत लिया।

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता, पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया। 24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी। ओपनिंग से ही बनाई मजबूत पकड़: रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके। इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली। करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले वैशाली रमेशबाबू और कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा 7.5 अंको के साथ बराबरी पर थीं। आखिरी मुकाबले में कजाकिस्तानी खिलाड़ी को भारत की दिव्या देशमुख ने ड्रॉ पर रोक दिया। इसका फायदा वैशाली को मिला, जिससे उन्हें बढ़त हासिल हुई और वे चैंपियन बन गईं। वैशाली टूर्नामेंट में सबसे कम रेटिंग वाली खिलाड़ी थीं। पहले चार मुकाबले ड्रॉ रहे और पांचवें में हार मिली।

Office Of The Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.- **-:: Notice Of Inviting Bid ::-** Date-

Bid For Rate Contract Of Construction Material supply As Below Are Anvited From Interested Bidders Under Gram Panchayat Keshwana Of Panchayat Samiti Sayla. Other Particulars Of The Bid May Be Visited On The Procurement Portal(http://eproc.rajasthan.gov.in, http:://sppp.raj.nic.in) Of The State; And Notice Board Of This Office.

NAME OF GRAM PANCHAYAT	UBIN	ESTIMATE BID COST
GP Keshwana, Material RC	ZJR2627GLRC00065	100.00 LAKH

DIPR/C/6909/2026

BDO Cum Program Officer (EGS)
Panchayat Samiti Sayla, (Jalore)

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला वृत, जयपुर

क्रमांक:- 286-95 **निविदा सूचना संख्या 01/2026-2027 से 04/2026-2027** दिनांक:- 10.04.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूमेन्ट के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। उक्त सभी निविदाओं से संबंधित विस्तृत विवरण वैबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपरोक्त निविदाओं का प्रकाशन sppp.rajasthan.gov.in निम्नानुसार कर दिया गया है:-

क्र.सं.	निविदा संख्या	आई.डी. नम्बर	अपलोड की दिनांक
1	01/2026-27	UBNPHE2627WSRC00244	10-4-2026
2	02/2026-27	UBNPHE2627WSRC00245	10-4-2026
3	03/2026-27	UBNPHE2627WSRC00246	10-4-2026
4	04/2026-27	UBNPHE2627WSRC00247	10-4-2026

(हिमांशु मील) अधीक्षण अभियन्ता
DIPR/C/6921/2026 जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग जिला वृत, जयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकः अअ / सांचौर/2026-27/15 दिनांकः 08-04-2026

निविदा सूचना संख्या 01 वर्ष 2026-2027
NIB No. PWD2627A0067

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक मरम्मत कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 65.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	10 अप्रेल 2026, 9:30 बजे से 22 अप्रेल 2026, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

PWD2627WSOB00284, PWD2627WSRC00293
PWD2627WSRC00288, PWD2627WSRC00295
PWD2627WSRC00289, PWD2627WSOB00297

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/6796/2026 सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

मिनर्वा क्लब ने 4 विकेट से आरबीआई रिक्रिएशन क्लब को पराजित किया

जयपुर, 16 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने बताया की संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में मिनर्वा क्लब ने मोहम्मद शादाब के ऑलराउंड प्रदर्शन 4 विकेट एवं अर्धशतक की बदौलत आर बी आई रिक्रिएशन क्लब को 4 विकेट से हराया। आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के दूसरे मैच में मिनर्वा क्लब ने टॉस जीतकर आर बी आई रिक्रिएशन क्लब को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया , तथा आर बी आई टीम को 37.2 ओवर में 220 रनों पर समेट दिया जिसमें मितेश ने सर्वाधिक 53 रन बनाए तथा शक्ति सिंह 41, महिपाल 39, गोपेश कुमार 31व प्रणय शर्मा ने 19 रन का योगदान दिया मिनर्वा क्लब की ओर से मोहम्मद शादाब ने 22 पर 4, विनीत शर्मा 29 पर 2 रियान सेबेस्टियन ने 33 पर 2 तथा साईं ओम प्रिंजा ने 37 पर 1विकेट लिया

जवाबी पारी में मिनर्वा क्लब टीम ने अमरनाथ के 86 रन, मोहम्मद शादाब के 57 रन, रोहित सैनी 24 रन, जपिंदर सिंह के 17 रन साईं ओम 15 रन की पारियों से 39.3 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया आर बी आई के लिए मितेश ने 33 पर 3, गोपेश कुमार ने 44 पर 2, व राजेश बिश्नोई जुनियर ने एक विकेट लिया।

5वीं एशियन बीच कबड्डी गेम्स : राजस्थान के 4 खिलाड़ी बिजेंद्र, जितेंद्र, जयभगवान और मनप्रीत को मिली जगह

जयपुर, 16 अप्रैल। चीन के सान्या में 22 से 27 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाली 5वीं एशियन बीच कबड्डी गेम्स के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। इस बार भारतीय दल में राजस्थान के चार खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसे राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

पुरुष वर्ग में राजस्थान के बिजेंद्र सिंह चौधरी, जितेंद्र यादव और जयभगवान को जगह मिली है, जबकि महिला वर्ग में मनप्रीत कौर भारतीय टीम का हिस्सा होंगी। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी संघ के निदेशक और राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने बताया कि इन खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर उनके लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। राजस्थान की कबड्डी टीमों ने पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने बोधगया, बिहार में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2024 और 38वें राष्ट्रीय खेल, ऋषिकेश-शिवपुरी, उत्तराखंड 2025 में गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश में हुए राष्ट्रीय खेल 2026 सिल्वर मेडल और खेलो इंडिया दमन-दीव 2026 में पुरुष व महिला दोनों वर्गों में राजस्थान ने गोल्ड पदक हासिल किए। राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ''यह पूरे राजस्थान के लिए गर्व का क्षण है। इन चारों खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चुना जाना युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा।

मुझे पूरा विश्वास है कि ये खिलाड़ी टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ''बीच कबड्डी को लेकर राज्य में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इस चयन के बाद स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी इस खेल को नई गति मिलेगी। हमारी कोशिश रहेगी कि राजस्थान में बीच कबड्डी के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा और प्रशिक्षण सुविधाएं तैयार हों।'' गहलोत ने सभी चयनित खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य ओलंपिक संघ ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग देगा। इसके साथ ही भारतीय कबड्डी संघ के अध्यक्ष विभोर जैन और राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह बराड़ ने भी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं। दोनों पदाधिकारियों ने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ियों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चयन राज्य में कबड्डी के मजबूत ढांचे और प्रशिक्षण का परिणाम है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत-जालोर

Tel: 02973-223548, Email:secircle.jal.phed@rajasthan.gov.in/ sephedjalore@yahoo.com

क्रमांकः- वृत / जालोर / निविदा/ /2026-27/ दिनांकः-

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 01 / 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 250.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों मे उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण थरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है:-

बिड संख्या	NIB No.-PHE2627 A0153	अनुमानित लागत (लाखों मे)	थरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपयें)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01/ 2026-27	UBN-PHE2627 WSRC00314	200.00	400000/-	2000/-	2000/	12 माह

ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि	13.04.2026
ऑनलाईन बिड डाउनलोड / अपलोड करने की अन्तिम तिथि	23.04.2026 को 6.00 पी.एम.
ऑनलाईनबिड खोलने की तिथि	24.04.2026 को 2.00 पी.एम.

बिड से संबंधित समस्त विवरण वैबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(संजय शर्मा)
अधीक्षण अभियंता
DIPR/C/6949/2026 जन स्वास्थ्य अभियात्रिक विभाग, वृत-जालोर

जिला संघों के फीडबैक से राज्य में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर व खेल वातावरण में करेंगे महत्वपूर्ण सुधार : डॉ. मोहित

जयपुर 16 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी राज्य में खेल के विकास व विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रही है जिसे राज्य के युवा खिलाडियों को एक उच्च स्तरीय क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर व सुलभ खेल वातावरण मिले। डॉ मोहित जसवंत यादव, संयोजक आरसीए एडहॉक कमेटीने बताया के हमारी एडहॉक कमेटी ने पदभार ठाहण करने के साथ ही राजस्थान की क्रिकेट को पुन: पटरी पर लाने , उच्च स्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाओं सहित सरल पारदर्शी खेल माहौल व समन्वय को विकसित करने के लिए हर स्तर पर सभी जिला संघोव खिलाडियों से समन्वय व उनके महत्वपूर्ण सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संयोजक के अनुसार आज आरसीएऑफिस, सवाई मान सिंहस्टेडियम में आरसीएएडहॉक कमेटी की पहल पर जिला क्रिकेट संघोके साथ समन्वय स्थपित करने के पहले चरण में आरसीएके 7 जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों की बैठक हुई जिसमेआरसीए एडहॉक कमेटी के साथ जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधि सुशील

शर्मा, सचिव, चूरू जिला क्रिकेट संघ, हरीश सिंह, सचिव झुंझनू जिला क्रिकेट संघ, बृजकिशोर उपाध्याय, सचिव दौसा जिला क्रिकेट संघ, राजेश ताम्बी, संयोजक जयपुर जिला क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटीने भाग लिया। मीटिंग में मुख्य रूप से राज्य में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उच्च स्तर पर विकसित करने व युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतर खेल वातावरण तैयार करने के लिए सभी उपस्थित जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों ने अपने महत्वपूर्ण फीडबैक दिए जिसमे ठाीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर, खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, आरसीए स्पोर्ट्स स्टाफ, क्रिकेट गतिविधियों पर फीडबैक मिला। एडहॉक सदस्य आशीष तिवाड़ीके अनुसार एडहॉक कमेटी राजस्थान क्रिकेट संघ के सभी 33 जिला क्रिकेट संघो से समन्वय कर उनकी आवश्यकताओं व समस्याओं का समाधान कर जिला क्रिकेट संघो के साथ सामंजस्य कर राज्य के युवा खिलाडियों के लिए उचित अवसर व खेल वातावरण बना राजस्थान क्रिकेट संघ को नई उंचाईयों पर ले जाने की दिशा में लगातार अथक प्रयास कर रही है। आज 7 जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों की बैठक में इस संबधमें गहन चर्चा हुई। एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवीने बताया की कमेटी जल्द से जल्द आरसीए के शेष जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों के साथ आगामी 10 दिनों में राज्य के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को उच्च स्तर पर विकसित करने व युवा खिलाडियों के लिए बेहतर खेल वातावरण तैयार करने के लिए सभी 33 जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों के महत्वपूर्ण फीडबैक लिए जाएं व उनकी समीक्षा कर जिला क्रिकेट संघो के फीडबैक को ध्यान में रखते हुए आरसीए के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को राज्य के युवा खिलाडियों के हितों के अनुसार ही विकसित किया जाये।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड भीनमाल

मालवीय नगर भीनमाल 343029
फोन नं. 02000-220, E-Mail:- phedbhin@gmail.com

क्रमाकः-अअ/जनस्वा/भी./त.स./2026-27/68-84 दिनांकः-10.04.2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 01-07/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल में निम्नलिखित कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत जो उपयुक्त पात्रता रखते है, संवेदको से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं पात्रता की शर्ते वेबसाईट www.dipronline.org, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट http://eproc.rajasthan.gov.in में प्रस्तुत की जानी है।

बिड संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि (लाख रु.) 2 प्रतिशत	बिड शुल्क रु.	प्रक्रिया शुल्क रु.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	UBIN No.
01/ 2026-27	Annual Repair & priventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels, Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphuses at Junjani With Daily Valve Operation in water supply scheme Modara, Serna, Dhansa, Junjani, Dhumbadiya & Morseem under Sub Division Bhinmal Rural in Division Bhinmal (Jalore)	21.27	42540/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00231
02/ 2026-27	Annual Rate Contract for providing Household Service Connections (HSCs) including One Year DLP under UWSS Division Bhinmal	20.00	40000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00233
03/ 2026-27	Removal of Leakages and Repairing of various pipe lines under Sub Division Raniwara	10.00	20000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00234
04/ 2026-27	Removal of Leakages and Repairing of various pipe lines under Sub Division Bhinmal Rural	10.00	20000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00235
05/ 2026-27	Removal of Leakages and Repairing of various pipe lines under Sub Division Jaswantpura	10.00	20000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00236
06/ 2026-27	Cutting, Threading, Welding etc. work under Sub Division Raniwara	6.00	12000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00237
07/ 2026-27	Repairing of Hand Pump under Sub Divisíón Raniwara	6.00	12000/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2627 WSRC00238

निविदादाता को आईटी एक्ट 2000 के तहत डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट प्राप्त कर डिजिटल हस्ताक्षर युक्त निविदा प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में निविदा मान्य नहीं होगी।

पानी बचाओं-जीवन बचाओं

निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि	13.04.2026
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	23.04.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	23.04.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
प्री-क्वालिफिकेशन वीड खोलने की तिथि एवं समय	24.04.2026 मध्यान्ह पश्चात् 3.30 बजे

(प्रशान्त कुमार) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/6867/2026 जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड भीनमाल

हम अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राजस्थान पुलिस के स्थापन दिवस समारोह में कहा कि दो वर्ष में अपराधों में 18.77 प्रतिशत कमी आई है

जयपुर,16अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाकर प्रदेश में आमजन को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है तथा हम अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा गुरुवार को राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कम्यूनिटी पुलिसिंग से साइबर अपराध, नशा व संगठित अपराध जैसी चुनौतियों का सामना आसानी से किया जा सकता है। इनसे निपटने के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने 77 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा में साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान की अनुपम मिसालें पेश की हैं। शर्मा ने शहीद पुलिसकर्मियों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों ने आमजन की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी पुलिसिंग से साइबर अपराध, नशा व संगठित अपराध जैसी चुनौतियों का सामना आसानी से किया जा सकता है। इन समस्याओं से निपटने के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। जागरूक नागरिक ही इन अपराधों के खिलाफ सबसे मजबूत दीवार बन सकते हैं।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार अपराध और भ्रष्टाचार रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पिछले दो वर्षों में अपराधों में 18.77 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के प्रकरणों में 25.68 प्रतिशत, डकैती में 47.26, लूट में 50.75 तथा महिला अत्याचारों में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री ने परेड ग्राउंड में आयोजित सेरेमोनियल परेड का निरीक्षण किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस बीजू जॉर्ज जोसफ व बिपिन कुमार पाण्डेय, पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार, उपनिरीक्षक सीताराम भाकल व गिरधारी लाल शर्मा तथा सहायक उपनिरीक्षक गोविंदराम को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पदक से पुरस्कृत किया। इस दौरान शर्मा ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए नया पोर्टल एवं मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इससे पहले उन्होंने परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में पुलिस प्रशिक्षण क्षमता के विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में प्रति संस्थान 100-100 व्यक्तियों की क्षमता वाली 5 बैरकों का निर्माण किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि पुलिस कार्मिकों के स्पोर्ट्स, वेलफेयर एवं उत्सव फंड में 5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्मिकों के लिए प्रथम चरण में विभिन्न श्रेणियों के 500 आवासों के निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस पर राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में भाग लिया और परेड ग्राउंड में सेरेमोनियल परेड का निरीक्षण किया।

प्र.मंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने फोन पर बात की

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत और फ्रांस ने एक बार फिर दुनिया को अपनी रणनीतिक साझेदारी का अहसास कराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति और अपने करीबी मित्र इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बात की। इस बातचीत का मुख्य केंद्र बिंदु न केवल क्षेत्रीय शांति रही, बल्कि वैश्विक व्यापार के लिए सबसे संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मुज की सुरक्षा को लेकर चिंता भी जताई गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता को तत्काल बहाल किया जाना अनिवार्य है। दरअसल, यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा नियंत्रित करता है और यहां किसी भी तरह का अवरोध दुनिया भर में ऊर्जा संकट पैदा कर सकता है।

'अमेरिका की छूट खत्म होने के बाद भी रुस से तेल खरीदते रहेंगे'

भारत ने अमेरिका से ट्रेड डील से पहले बड़ा ऐलान किया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। पहले पश्चिम एशिया में संघर्ष, फिर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी और अब अमेरिका द्वारा रूस और ईरान से तेल खरीदने की अस्थायी छूट समाप्त कर दिए जाने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद नहीं करेगा।

सरकार के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, यह खरीदारी राष्ट्रीय हित की मांग है और पहले भी ऐसी स्थिति में भारत ने स्वतंत्र निर्णय लिया था। अभी भी वॉशिंगटन को मनाने की कूटनीतिक कोशिशें तेज हो गई हैं। मंगलवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोर से मुलाकात की। बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, अमेरिकी तेल-एलपीजी आयात बढ़ाने और रूसी तेल की निरंतर आपूर्ति पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके ठीक कुछ दिन पहले, विदेश सचिव विक्रम मिसरी की

- सरकार के वरिष्ठ सूत्रों ने कहा रुस से तेल खरीदने के कारण ही भारत के पास 60 दिनों का तेल भंडार है।

हालिया वॉशिगटन यात्रा के दौरान भी इन मुद्दों पर गहन विमर्श हुआ था, जहां मिसरी ने अमेरिका-भारत ऊर्जा साझेदारी को नई दिशा देने पर जोर दिया।

अधिकारी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में भारत की कच्चे तेल की विशाल जरूरत को रूस के अलावा अभी और कोई देश पूरा नहीं कर सकता। एक अधिकारी के मुताबिक, ईरान पर हमले की शुरुआत से पहले तक भारत अपनी जरूरत का 60 फीसद तक क्रूड होर्मुज जल मार्ग के रास्ते ला रहा था।

अब यह रास्ता बंद है। इराक व कुवैत से आपूर्ति एकदम ठप है। यूएई व सउदी अरब से आपूर्ति सीमिति हो चुकी है। इन देशों से आपूर्ति कब सामान्य होगी, यह अनिश्चित बना हुआ है। रूस से भारी पैमाने पर आयात करने की वजह से ही भारत के पास अभी भी 60 दिनों का पेट्रोलियम भंडार है।

ऐसे में रूस से तेल खरीद पर रोक लगाना भारत के लिये संभव नहीं है। रूस से तेल खरीदने का कोई सरकारी डाटा तो नहीं हैं लेकिन निजी एजेंसी सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि रूसी कच्चे तेल का आयात मार्च, 2026 में दोगुना होकर 2.06 मिलियन बैरल प्रति दिन पहुंच गया है, जबकि फरवरी 1.06 मिलियन बैरल रोजाना की खरीद हुई थी।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले 5 विधायकों को कांग्रेस ने सस्पैंड किया

- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह ने कहा इन विधायकों ने पार्टी का अनुशासन तोड़ा था
- इससे पूर्व इन विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जवाब संतोषप्रद नहीं मिलने पर निलम्बन की कार्यवाही की गई।

चंडीगढ़ , 16 अप्रैल। हरियाणा में विपक्षी दल कांग्रेस ने गुरुवार को बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों को पिछले महीने हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान कथित तौर पर 'क्रॉस-वोटिंग' करने के आरोप में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह ने कहा कि संगठनात्मक अनुशासन के उल्लंघन का गंभीर संज्ञान लेते हुए पार्टी ने पांच विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य अनुशासन समिति की सिफारिश और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मंजूरी के बाद यह कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस ने नारायणगढ़ से विधायक शैली चौधरी , साढ़ौरा विधायक रेणु बाला , पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास , हथीन सीट से विधायक मोहम्मद इसराइल और रतिया से विधायक जरनैल सिंह पर पार्टी की आधिकारिक लाइन का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। प्रदेश कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति (डीएसी) ने हाल ही में पांच विधायकों के निलंबन की सिफारिश की है। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल मलिक ने पूर्व में कहा था कि समिति ने एक रिपोर्ट तैयार की है और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के पक्ष में पांच पार्टी विधायकों की ओर से कथित 'क्रॉस-वोटिंग' के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व को अपना निर्णय बता दिया है। समिति ने विधायकों को निलंबित करने की सिफारिश की थी। डीएसी ने विधायकों को जारी किए गए कारण बताओ नोटिसों के जवाबों की जांच की।

इससे पहले, कांग्रेस ने हरियाणा के अपने पांच विधायकों को 'क्रॉस-वोटिंग' के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार के पक्ष में जानबूझकर मतदान न करके दल-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

रूस और ईरान से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुधवार को पत्रकारों से कहा, "हम रूसी तेल पर सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करेंगे, और न ही ईरानी तेल पर। यह वह तेल था, जो 11 मार्च से पहले समुद्र में था, इसलिए वह सब उपयोग में आ चुका है।"

ये अस्थायी छूटें बढ़ती ऊर्जा कीमतों को स्थिर करने के लिए अल्पकालिक उपाय के रूप में दी गई थीं, जिनके तहत निर्धारित समय सीमा से पहले जहाजों पर लोड किए गए तेल के सीमित लेन-देन को वैश्विक बाजार तक पहुंचने की अनुमति दी गई, ताकि युद्ध के दौरान ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम किया जा सके।

इन छूटों को न बढ़ाने का फैसला ऐसे समय आया है, जब वॉशिंगटन, ईरान के खिलाफ अधिकतम दबाव की नीति को और मजबूत कर रहा है।

रूसी तेल की खरीद पर दी गई छूटों ने भारत को वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान के दौरान अतिरिक्त आपूर्ति सुरक्षित करने में मदद की। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों ने इस अवधि में लगभग 3 करोड़ बैरल रूसी तेल के ऑर्डर दिए।

रिलायंस सहित, प्रमुख रिफाइनरियों ने इस वर्ष जनवरी में अमेरिकी दबाव के कारण रोसनेफ्ट और लुकोइल जैसी रूसी कंपनियों से खरीद कम कर दी थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए फिर से रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी।

चीन व ईरान के विदेश मंत्रियों ने फोन पर बात की

बीजिंग/तेहरान, 16 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच चीन और ईरान के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्र में जारी संघर्ष, युद्धिवराम और शांति वार्ताओं पर विस्तार से चर्चा की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि संघर्ष विराम और संवाद की प्रक्रिया को बनाए रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही ईरानी जनता के मूल हितों के अनुरूप है और क्षेत्रीय व वैश्विक समुदाय की साझा अपेक्षाओं को भी दर्शाता है।

पवन खेड़ा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

- खेड़ा ने याचिका दायर कर मांग की है कि ट्रांजिट बेल पर लगी रोक हटाई जाए।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अपनी गिरफ्तारी की आशंका के बीच गुरुवार को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली ट्रांजिट बेल पर लगी रोक को हटाने की मांग करते हुए यह याचिका दायर की है।

दरअसल, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा दी गई एक हफ्ते की ट्रांजिट बेल पर रोक लगा दी थी। कोर्ट के इस फैसले के बाद उनकी गिरफ्तारी का खतरा बढ़ गया है। इसी के मद्देनजर पवन खेड़ा ने शीर्ष अदालत से राहत की गुहार लगाई है और अपने खिलाफ जारी कार्रवाई पर रोक लगाने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बुधवार को ही पवन खेड़ा को नोटिस जारी किया था और उनसे तीन हफ्ते के भीतर जवाब मांगा था। हालांकि, अब खेड़ा ने उसी आदेश को वापस लेने की मांग की है,जिसमें उनकी अग्रिम जमानत पर रोक लगाई गई थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दो विमानों के विंग्स टकराए

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर मंगलवार को बड़ा विमान हादसा टल गया, जब दो अलग-अलग एयरलाइंस के विमानों के विंग आपस में टकरा गए। घटना के बाद दोनों विमानों को तत्काल ग्राउंड कर दिया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू सदस्य घायल नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, आकासा एयर की फ्लाइट क्यूपी-1406 दिल्ली से हैदराबाद जाने के लिए तैयार थी और पुशबैक के बाद एप्रन पर खड़ी थी।

प्र.मंत्री मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें से 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, और इस कोटा के लागू होने से न तो पुरुषों को और न ही किसी राज्य को कोई नुकसान होगा।

लोकसभा में महिला कोटा कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से जुड़े तीन विधेयकों पर अपने प्रारंभिक वक्तव्य में मेघवाल ने कहा कि 815 में से 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना 33 प्रतिशत आरक्षण का सरल सूत्र है।

प्रस्तावित कानूनों के अनुसार, लोकसभा की वर्तमान संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

मेघवाल ने यह भी कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के कोटे के भीतर अनुसूचित जाति (एसजी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं के लिए भी आरक्षण होगा।

मंत्री ने कहा कि यदि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 अपने वर्तमान स्वरूप में जारी रहता है, तो 2029 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण संभव नहीं होगा, क्योंकि यह 2026 के बाद उपलब्ध होने वाली जनगणना के आंकड़ों पर आधारित होगा। इसी कारण संविधान संशोधन विधेयक लाया गया है।

'मतदान से दो दिन पहले भी मिली क्लीन चिट तो दे पाएंगे वोट'

सुप्रीम कोर्ट ने प.बंगाल में एसआईआर को लेकर बड़ी घोषणा की

- प.बंगाल की मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया व लोगों से कहा कि मताधिकार की प्राप्ति के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करें।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में चल रही मतदाता सूची के पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 का उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि चुनाव से ठीक पहले तक अपीलीय ट्रिब्यूनल से मंजूरी पाने वाले लोगों को मतदान का अधिकार दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों के नाम अपीलीय ट्रिब्यूनल द्वारा चुनाव से दो दिन पहले तक मंजूर किए जाएंगे, उन्हें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में वोट डालने की अनुमति होगी। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि 21 अप्रैल या 27 अप्रैल 2026 तक अपीलीय आदेशों को लागू करते हुए एक पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए, ताकि योग्य नागरिकों को मतदान से वंचित न होना पड़े।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों की अपील लंबित है, उन्हें केवल इसी आधार पर मतदान का अधिकार वापस नहीं दिया जाएगा, यानी अपील प्रक्रिया पूरी होना आवश्यक होगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई यह पूरी जांच प्रक्रिया बेहद चुनौतीपूर्ण रही है, जिसे कम समय में पूरा करना वास्तविक रूप से कठिन कार्य था। कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि अपीलीय स्तर पर आपत्तियों के माध्यम से पूरी प्रक्रिया को दोबारा खोलने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए, ताकि चुनावी प्रक्रिया बाधित न हो। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी लोगों को अपने अधिकारों की पुनः प्राप्ति के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करना चाहिए।

तृणमूल विधायक अब्दुर रज़ाक ने पार्टी छोड़ी

मुर्शिदाबाद, 16 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से केवल सात दिन पहले तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। मुर्शिदाबाद जिले की जालंगी विधानसभा सीट से वरिष्ठ विधायक अब्दुर रज्जाक मंडल ने गुरुवार को पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। उनके इस फैसले से चुनावी माहौल में सरगर्मी बढ़ गई है। रज्जाक मंडल लंबे समय से पार्टी से जुड़े थे और स्थानीय स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

अब्दुर रज्जाक मंडल ने जालंगी के कांटाबाड़ी स्थित अपने कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। इस दौरान उन्होंने एलान किया वे अब टीएमसी के साथ नहीं रहेंगे। उन्होंने रानीनगर से टीएमसी उम्मीदवार सौमिक हुसैन पर निशाना साधा।

इज़रायल व लेबनान में दस दिन का सीज़फायर

34 सालों में पहली बार दोनों देशों के प्रतिनिधियों की मीटिंग हुई है

- इस बैठक की मेजबानी अमेरिका ने की है। ट्रंप ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताया व कहा कि हम इस सीज़फायर को स्थाई शांति में बदलना चाहते हैं।

वॉशिंगटन, 16 अप्रैल। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच एक अहम कूटनीतिक पहल सामने आई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि इज़रायल और लेबनान के बीच 10 दिनों के सीजफायर पर सहमति बन गई है।

डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मेरी अभी लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से बहुत अच्छी बातचीत हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने शांति की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सीज़फायर पर सहमति जताई। यह अस्थायी सीज़फायर शाम 5 बजे ईस्टर्न टाइम (भारत में 17 अप्रैल की सुबह 2:30 बजे) से लागू होगा। उन्होंने कहा दुनिया भर में नौ युद्धों को सुलझाना मेरे लिए सम्मान की बात रही है और यह मेरा 10 वां लक्ष्य होगा, तो चलिए इसे पूरा करते हैं। बताया जा रहा है कि लेबनान की ओर से यह साफ संदेश दिया गया था कि जब तक जमीनी स्तर पर संघर्ष विराम लागू नहीं होता, तब तक किसी भी तरह की सीधी बातचीत संभव नहीं है। इस रुख के बाद कूटनीतिक प्रयास तेज हुए और अंततः दोनों देशों ने सीजफायर पर सहमति जताई। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि 34 वर्षों में पहली बार वॉशिंगटन डीसी में आमने-सामने मिले। इस बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो भी मौजूद रहे। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति और सैन्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस अस्थायी सीज़फायर को स्थायी शांति में बदलने के लिए दोनों देशों के साथ काम करें। इससे पहले मंगलवार को अमेरिका ने इज़रायल और लेबनान के बीच एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय बैठक की मेजबानी की, जो 1993 के बाद पहली उच्च-स्तरीय पहल थी। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, इस बैठक में प्रत्यक्ष वार्ता शुरू करने, युद्धिवराम लागू करने, सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और व्यापक शांति ढांचे की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति बनी।

सरकार अभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार मतदान के लिए जोर देकर यह नैरेटिव बनाना चाहती है कि कांग्रेस और विपक्ष महिला विरोधी हैं, या फिर वह विधेयक वापस ले लेगी? संभावना यही है कि सरकार मतदान करवाने पर जोर देगी, भले ही उसे सदन में हार का सामना क्यों न करना पड़े। लेकिन कुछ विपक्षी दलों को अपने पक्ष में लाने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन फिलहाल ये प्रयास ज्यादा सफल होते नहीं दिख रहे हैं।

नीतीश के उदाहरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कमज़ोर करने या तोड़ने के लिए "यूज़ एंड थ्रो" की नीति अपनाती है। इसके उदाहरण के रूप में शिवसेना, असम गण परिषद, शिरोमणि अकाली दल, एआईएडीएमके, एलजेपी, इंडियन नेशनल लोक दल और जननायक जनता पार्टी जैसे दलों के विभाजन या कमज़ोर होने का हवाला दिया जाता है।

करीब 76 वर्ष के नायडू को आशंका है कि यदि स्पष्ट उत्तराधिकार योजना नहीं बनाई गई, तो टीडीपी का भी यही हाल हो सकता है। बिहार की घटनाओं की पृष्ठभूमि में, उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया से धीरे-धीरे अलग करना शुरू कर दिया है। साथ ही, नारा लोकेश के करीबी सहयोगियों को भी अहम पद दिए गए हैं। किलारू राजेश को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव और सना सतीश को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

नायडू ने पार्टी के पोलित ब्यूरो, राष्ट्रीय और राज्य समितियों में बड़े बदलाव किए हैं, जिनके तहत, कई वरिष्ठ नेताओं को प्रतीकात्मक भूमिकाओं में सीमित कर दिया गया है। सोमि रेड्डी, चंद्र मोहन रेड्डी, बोंडा उमामहेश्वर राव, कन्ना लक्ष्मी नारायण, कला वेंकट राव और कूना रवि कुमार जैसे नेताओं को कम प्रभाव वाले पद दिए गए हैं।

नायडू के ये कदम नीतीश कुमार प्रकरण के असर के रूप में देखे जा सकते हैं। साथ ही, इसे भाजपा के विस्तारवादी रुख को लेकर उनकी आशंकाओं से भी जोड़कर देखा जा सकता है। वैसे भी, वे ही क्षेत्रीय दल टिके रहे और प्रासंगिक बने रहे हैं, जिन्होंने समय रहते उत्तराधिकार की योजना तय कर ली, जैसे बिहार में आरजेडी, तमिलनाडु में डीएमके, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, तेलंगाना में बीआरएस और कुछ हद तक पश्चिम बंगाल में टीएमसी। वहीं, बीएसपी और बीजेडी जैसे दलों ने अभी तक स्पष्ट उत्तराधिकार योजना नहीं बनाई है।

महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिनिधित्व से वंचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओबीसी आबादी का लगभग 50 प्रतिशत हैं और उन्हें उनका उचित हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि महिला आरक्षण विधेयक को नई जनगणना के साथ क्यों नहीं लाया जा रहा, जो ओबीसी की सही तस्वीर पेश करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आरएसएस और भाजपा जाति जनगणना के नए आंकड़ों से डर रहे हैं, जो ओबीसी के लिये उनका सही हिस्सा सुनिश्चित करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण लागू करने के पक्ष में है, लेकिन इसमें ओबीसी, दलित और आदिवासी महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित होने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री 2011 की जनगणना के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें पिछड़े वर्गों के आंकड़े शामिल नहीं हैं, और यह ईमानदारी नहीं है।

एक तरफ ट्रंप वार्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समझौते के कोई संकेत नहीं दे रहा है। ईरान अपने अनुसार यूरेनियम संवर्धन करने के अधिकार पर अड़ा हुआ है। अमेरिका ने अपने प्रस्ताव में 20 वर्षों तक ईरान द्वारा यूरेनियम संवर्धन न करने की बात कही थी।

ईरान ने सुझाव दिया है कि वह केवल पाँच वर्षों तक संवर्धन कार्यक्रम रोकने के लिए तैयार हो सकता है।

इसके अलावा, संवर्धन की सीमा पर भी सहमति नहीं बन पाई है। पहले एक अंतरराष्ट्रीय समझौते के तहत ईरान को 3.67 प्रतिशत तक संवर्धन की अनुमति थी। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के पास पहले से ही 60 प्रतिशत से अधिक संवर्धित यूरेनियम का भंडार है।

अपने आक्रामक रुख का विस्तार करते हुए, हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका एक ओर स्ट्रेट की सैन्य नाकाबंदी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर "ऑपरेशन फ्यूरी" नामक एक नया आर्थिक अभियान भी चला रहा है, जो सैन्य विकल्प का आर्थिक स्वरुप है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी ट्रेज़री सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट अब ईरान को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए एक व्यापक आर्थिक युद्ध कार्यक्रम को औपचारिक रूप दे रहे हैं।

ईरान पहले से ही आर्थिक रूप से कमज़ोर स्थिति में है, उसके प्रमुख उद्योग प्रभावित हैं, व्यापार घट चुका है और तेल राजस्व में भारी कमी आई है। इसके बावजूद, ईरान ने अपने लोगों की कठिनाइयों के बीच भी संघर्ष जारी रखा है।

अमेरिका की रणनीति अब यह है कि आंतरिक आर्थिक दबाव बढ़ाकर देश में विरोध और असंतोष को उकसाया जाए, जिससे शासन पर दबाव बने। हालांकि, यह एक पश्चिमी दृष्टिकोण है, और ईरान ने कई बार दिखाया है कि वह इस तरह के दबाव के आगे आसानी से नहीं झुकता।

राज्यसभा के निर्विरोध उपसभापति बनेंगे हरिवंश

कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने निर्वाचन प्रक्रिया से विपक्ष के अलग रहने की घोषणा की

- वरिष्ठ जद यू नेता तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बनेंगे।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। राष्ट्रपति की ओर से नामित हरिवंश ने गुरुवार को राज्यसभा सचिवालय में उपसभापति पद के लिए नामांकन किया। वे जनता दल (यू) से सदन में दो बार निर्वाचित एवं दोनों बार राज्यसभा के उपसभापति रहे हैं।

राज्यसभा में कल उपसभापति का निर्वाचन होगा। विपक्ष ने कुछ मुद्दों पर आपत्ति जाहिर करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया से दूरी बनाने का फैसला किया है। इसका अर्थ है कि बिना विरोध हरिवंश फिर से उपसभापति बन जायेंगे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि विपक्ष ने कल निर्वाचन प्रक्रिया से दूर रहने का फैसला किया है। हालांकि इसके पीछे हरिवंश का निरादर करने का कोई ईरादा नहीं है। विपक्ष को उम्मीद है कि हरिवंश अपने तीसरे कार्यकाल में विपक्ष के अनुरोधों के प्रति अधिक सहिष्णु और ग्रहणशील होंगे। जयराम रमेश ने तीन आपत्तियां जताई हैं। उनका कहना है कि 7 सालों से लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है। राज्यसभा में राष्ट्रपति की ओर से मनोनीत किसी व्यक्ति पर इससे पहले कभी भी उपसभापति पद के लिए विचार नहीं किया गया है। वहीं, उन्हें तीसरी बार मौका देते समय विपक्ष से विचार विमर्श भी नहीं किया गया। पिछले माह राष्ट्रपति ने हरिवंश को राज्यसभा का सदस्य नामित किया था। हरिवंश नारायण सिंह का 9 अप्रैल को उपसभापति के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया। तब से यह पद खाली है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। उनकी अनुपस्थिति में उपसभापति सदन का संचालन करते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908